सुविचार

छिप-छिप अश्रु बहाने वालों,
मोती व्यर्थ लुटाने वालों, कुछ
सपनों के मर जाने से जीवन
नहीं मरा करता है।
–गोपालदास 'नीरज'

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Saturday, 14 December 2024 ● Year : 02 ● Issue : 321 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

12

Thand bahut hai
Shehnaaz Gill...

SHARE

संसेक्स	:	81,289.96
निफ्टी	:	24,548.70

SARAFA

सोना	:	7,465
चांदी	:	104.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

डी गुकेश को 5 करोड़ देगी तमिलनाडु सरकार

CHENNAI : शुक्रवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बनने की उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए डी गुकेश के लिए पांच करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की। बता दें कि चेन्नई के ग्रैंडमास्टर गुकेश गुरुवार को सिंगापुर में चीन के डिंग लिरेन को हराकर 18 साल की उम्र में सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बन गए। स्टालिन ने एक ट्वीट में कहा, सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन डी गुकेश की शानदार उपलब्धि का सम्मान करने के लिए मुझे पांच करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। उन्होंने कहा, उनकी ऐतिहासिक जीत ने देश को बहुत गर्व और खुशी दी है। वह भविष्य में भी चमकते रहें और नयी ऊंचाइयों को छूते रहें।

आज नहीं होगा गार्डों की अदला-बदली का समारोह

NEW DELHI : प्रेसिडेंट्स पोलो कप प्रदर्शनी मैच के कारण शनिवार को राष्ट्रपति भवन के रस्मी गार्डों की अदला–बदली (चेंज ऑफ गार्ड) का समारोह नहीं होगा। आमतौर पर राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में प्रत्येक शनिवार को यह समारोह आयोजित होता है। राष्ट्रपति भवन की ओर से शुक्रवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, राष्ट्रपति भवन के प्रेसिडेंट्स बॉडीगार्ड (पीबीजी) परेड ग्राउंड में 14 दिसंबर को निर्धारित राष्ट्रपति पोलो प्रदर्शनी मैच के कारण कल (14 दिसंबर) गार्ड परिवर्तन समारोह नहीं होगा।

साउथ के फिल्म स्टार अल्लू अर्जुन गिरफ्तार

HAIDRABAD : शुक्रवार को जाने–माने तेलुगु फिल्म स्टार अल्लू अर्जुन को हैदराबाद पुलिस ने हिरासत में लिया है। 'पुष्पा 2' की रिलीज के मौके पर हैदराबाद के आरटीसी चौराहे पर संध्या थिएटर में भगदड़ मच गई थी, जिसमें रेवती नाम की महिला की मौत हो गई और उसका बेटा श्रीतेजा गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस घटना के संबंध में दर्ज मामले में आरोपी के तौर पर अल्लू अर्जुन का भी नाम है। पुलिस का कहना कि अभिनेता को देखने बड़ी संख्या में प्रशंसक शामिल हुए। पुलिस को इस बात की जानकारी नहीं दी गई थी प्रबंधन ने कोई सावधानी नहीं बरती।

आरबीआई ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी

MUMBAI : मुंबई में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी वाला ई–मेल आरबीआई की वेबसाइट पर मिला है। इसके बाद मुंबई के एमआरए पुलिस स्टेशम में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है। मुंबई पुलिस के जोन 1 के पुलिस उपायुक्त ने बताया किभारतीय रिजर्व बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर एक धमकी भरा ई–मेल आया है। ई–मेल रूसी भाषा में था, जिसमें बैंक को उड़ाने की चेतावनी दी गई थी।

राहुल को बच्चों की गुल्लक देने वाले दंपती ने दी जान

- सुसाइड नोट में ईडी अधिकारी पर लगाए गंभीर आरोप
- आठ दिन पहले ईडी ने कारोबारी के घर और दफ्तर पर मारा था छापा

AGENCY SEHOR : मध्य प्रदेश में सीहोर जिले के आष्टा में एक दंपती के शव घर में लटके मिलने से इलाके में सनसनीफैल गई। यह वही दंपती है, जिसने अपने बच्चों की गुल्लक न्याय यात्रा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सौंपी थी। पुलिस को दंपती के कमरे से एक सुसाइड नोट मिला है। इस सुसाइड नोट में ईडी के एक अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। दंपती ने उसे परेशान करने और भाजपा में शामिल करने के लिए दबाव डालने का आरोप भी लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शुक्रवार सुबह शांति नगर स्थित एक मकान में कारोबारी मनोज परमार और उनकी पत्नी नेमा परमार के शव फांसी के फंदे पर लटके मिले। उनके बड़े बेटे जतिन ने शव को लटका देखकर अन्य परिजनों और पुलिस को जानकारी दी। जानकारी मिलते ही आष्टा थाना प्रभारी रविंद्र यादव सुबह करीब 8:30 बजे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की। घटनास्थल पर एक सुसाइड नोट भी मिला है। पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद दोनों को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

राज्य की खुशहाली के लिए बाबा भोलेनाथ की शरण में सीएम

शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी विधायक कल्पना सोरेन ने बासुकीनाथ धाम मंदिर पहुंचकर बाबा भोलेनाथ की विधिवत पूजा-अर्चना की। तीर्थ पुरोहितों ने पूरे विधान के साथ पूजा संपन्न कराई। मुख्यमंत्री ने बाबा भोलेनाथ से राज्यवासियों की सुख, समृद्धि, उन्नति और खुशहाली की मंगलकामना की। इससे पहले दुमका जिला प्रशासन ने मुख्यमंत्री का स्वागत करने के बाद उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

मैं किसान का बेटा हूं, देश के लिए मर मिट जाऊंगा : धनखड़

- राज्यसभा के सभापति और सदन में नेता विपक्ष के बीच खूब हुई कहासुनी

AGENCY NEW DELHI : राज्यसभा के सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के खिलाफ बने गतिरोध के कारण शुक्रवार को भी सदन की कार्यवाही हंगामे की भेट चढ़ गई। हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। इससे पहले सभापति और सदन में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच खूब कहासुनी हुई। किसान पुत्र होने और देश के लिए अपना जीवन समर्पित करने की बात करते हुए सभापति ने कहा, यह स्वीकार करें कि मैं एक किसान का बेटा हूं, मैं कमजोरी नहीं दिखाऊंगा, मैं देश के लिए मर जाऊंगा, मिट जाऊंगा। आप लोग नहीं सोचेंगे, 24 घंटे में केवल एक काम है, किसान का बेटा यहां क्यों बैठा है? मैं अपनी आंखों से देख रहा हूं पीड़ा महसूस कर रहा हूं।

मैं भी मजदूर का बेटा हूं : खड़गे

सभापति के वक्तव्य का जवाब देते हुए कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि आप किसान के बेटे हैं तो मैं मजदूर का बेटा हूं। उन्होंने सभापति पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए कहा, आप भाजपा के सांसदों को बोलने का मौका दे रहे हैं जबकि कांग्रेस को नहीं। हम यहां आपकी तारीफ सुनने नहीं आए हैं। कांग्रेस सांसद खड़गे ने कहा कि सदन चलाना सभापति की जिम्मेदारी होती है। सभापति विपक्षी सांसदों का अपमान करते हैं।

पीएम नरेंद्र मोदी ने प्रयागराज को दी 5500 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात

सांस्कृतिक व आध्यात्मिक पहचान को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा महाकुंभ : प्रधानमंत्री

महाकुंभ एकता का ऐसा महायज्ञ, जिसमें मिट जाता है जाति और संप्रदायों का भेद

AGENCY PRAYAGRAJ : शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि महाकुंभ देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा और यह एकता का महायज्ञ है। प्रधानमंत्री ने 5500 करोड़ रुपये की विभिन्न 167 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण करने के बाद यहां एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए यह बातें कही। इसके पहले संगम स्थल पर दोपहर करीब 12:15 बजे पर पूजा-अर्चना के बाद प्रधानमंत्री ने अक्षय वट और हनुमान मंदिर के दर्शन किए। इसके बाद हनुमान मंदिर और सरस्वती कूप में दर्शन कर पूजा की। दोपहर करीब 1:30 बजे उन्होंने महाकुंभ प्रदर्शनी स्थल का भ्रमण किया। महाकुंभ को एकता का महायज्ञ बताते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि इसमें जाति और संप्रदायों का भेद मिट जाता है। उन्होंने प्रयागराज को सिर्फ एक भौगोलिक नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक स्थान बताया जहां गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों का पवित्र संगम सभी क्षेत्रों के लोगों को एकजुट करने में अहम भूमिका निभाता है।

संगम स्थल पर पूजा-अर्चना के बाद मोदी ने किए हनुमान मंदिर के दर्शन

वेदों में भी प्रयागराज की हुई है प्रशंसा

श्लोक के साथ प्रधानमंत्री ने कहा कि जब सूर्य मकर में प्रवेश करते हैं सभी दैवीय शक्तियां प्रयाग में आ जाती हैं। प्रयागराज की प्रशंसा वेदों में भी किया गया है। उन्होंने प्रयाग के पवित्र स्थलों का जिक्र करते हुए गुणगान किया। यह वह धरती है जहां धर्म, अर्थ, कम और मोक्ष सुलभ है। मुझे आशीर्वाद है कि यहां बार–बार आने का सौभाग्य मिलता है। आज हमने लेटे हुए हनुमान जी का दर्शन किया। अक्षय वट का पूजन किया। इन दोनों स्थलों पर कॉरिडोर का निर्माण हो रहा है। यहां हजारों करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण हुआ है। आप सबको इसके लिए बधाई देता हूं।

कभी नहीं रुका है आस्था का प्रवाह

प्रधानमंत्री ने कहा कि सैकड़ों साल की गुलामी का कालखंड रहा हो या कोई अन्य विपरीत परिस्थिति, आस्था का यह प्रवाह कभी नहीं रुका। यह इसलिए संभव हुआ है क्योंकि कुंभ में आना स्वत: चेतना की प्रेरणा से होता है। ऐसा संगम शायद ही दुनिया में कहीं मिलता है। यहां ज्ञानी, अज्ञानी, छोटे–बड़े, जातियों का भेद मिट जाता है। सब एक हो जाते हैं। इस बार भी यहां अलग–अलग राज्यों से करोड़ों लोग जुटेंगे। उनकी भाषा, मान्यताएं अलग हो सकती हैं लेकिन यहां सब एक हो जाएंगे। इसीलिए मैं कहता हूं कि यह एकता का महाकुंभ होगा। एक भारत श्रेष्ठ भारत की तस्वीर महाकुंभ पेश करता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कुंभ में देश की स्थिति परिस्थिति पर संत महात्माओं का जुटान होता है। वे बैठकर

चर्चा परिचर्चा करते थे। समाज की समस्याओं का हल निकालने का संदेश देते थे। आज भी वह प्रवाह चल रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कुंभ का इतना महत्व होने के बावजूद पहले की सरकारों में इस पर ध्यान नहीं दिया गया। श्रद्धालु कष्ट उठाते रहे लेकिन उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ा।

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने आरसीएच नामकुम में विभाग प्रमुखों के साथ की मीटिंग

बनेगा रिम्स पार्ट-2, खर्च होंगे एक हजार करोड़

- प्राइवेट हॉस्पिटलों पर कसेगा शिकंजा, नहीं होगी मनमानी
- आयुष्मान में 50 बेड वाले हॉस्पिटल ही हो सकेंगे इंपैनल्ड

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने पदभार संभालने के साथ सभी विभागों के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें उन्होंने जोर देकर कहा कि हम कैसे स्वास्थ्य व्यवस्था में बदलाव कर सकते हैं, इस पर गंभीरता से काम करना है। राज्य में कितने मेडिकल कालेजों, कितने नर्सिंग कालेजों की जरूरत है, इसका प्लान बनाने की जरूरत है। झारखंड में पहले से ही रिम्स पार्ट 1 चल रहा है। हमलोगों ने रिम्स पार्ट 2 बनाने की योजना बनाई है। ये सीएम हेमंत सोरेन का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इसके लिए एक हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। मंत्री ने कहा कि राज्य में स्थिति ऐसी है कि प्राइवेट हॉस्पिटल मरीजों का इलाज नहीं कर पा रहे है। सदर हॉस्पिटलों की स्थिति भी खराब है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग में बड़े पैमाने पर बदलाव किया जाएगा। झारखंड को हम रोल मॉडल बनाएंगे, ताकि दूसरे राज्य हमसे प्रेरित होंगे। मुख्यमंत्री कायाकल्प योजना से हॉस्पिटलों की सूरत बदली जाएगी।

अधिकारियों के साथ बैठक करते स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी। • फोटोन न्यूज

दुरुस्त होगी एंबुलेंस सेवा

इरफान ने कहा कि 108 एंबुलेंस सेवा को दुरुस्त किया जाएगा। इसके अलावा बाइक एंबुलेंस भी शुरू की जाएगी। जिससे कि दूर दराज और संकरे रास्तों से भी मरीजों को इलाज के लिए लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मोहल्ला क्लिनिक का नाम बदलेंगे। आम लोगों का इंश्योरेंस किया जाएगा। अगर कोई राज्य में मेडिकल कालेज खोलना चाहता है, तो आए जमीन देंगे। सरकार उन्हें हर तरह से सहयोग करने को तैयार है। इसके बाद यहां के लोगों को इलाज के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं होगी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि जब लोगों का स्वास्थ्य ठीक हो जाएगा तो लोग अपना जीवनयापन अच्छे से कर सकेंगे।

भारत को मिली एयर टु एयर मिसाइलों की मारक दूरी बढ़ाने की तकनीक

NEW DELHI : भारत ने अब हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों की मारक दूरी बढ़ाने की तकनीक हासिल कर ली है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने शुक्रवार को ओडिशा तट पर चांदीपुर के एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) में सॉलिड फ्यूल डक्टेड रैमजेट (एसएफडीआर) का अंतिम परीक्षण किया, जो पूरी तरह सफल रहा है। स्वदेशी रूप से विकसित यह तकनीक भारत को लंबी दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल विकसित करने में मदद करेगी। डीआरडीओ के मुताबिक सॉलिड फ्यूल डक्टेड रैमजेट (एसएफडीआर) प्रणोदन आधारित मिसाइल प्रणाली का अंतिम प्रायोगिक परीक्षण सफल रहा है। ओडिशा तट पर चांदीपुर के एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) से किये गए परीक्षण में इस्तेमाल की गई जटिल मिसाइल प्रणाली ने सफलतापूर्वक प्रदर्शन करके मिशन के सभी उद्देश्यों को पूरा किया। आईटीआर में तैनात टेलीमेट्री, रडार और इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम जैसे कई रेंज इंस्ट्रूमेंट्स ने इस प्रणाली के सफल प्रदर्शन को पुष्ट किया। एसएफडीआर को हैदराबाद की रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला ने डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं जैसे हैदराबाद की अनुसंधान केंद्र इमारत और पुणे की उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला के सहयोग से विकसित किया गया है।

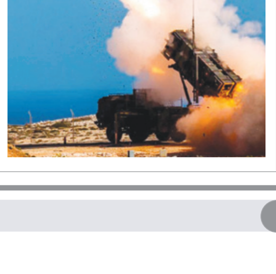

प्रधानमंत्री समझ नहीं पाए कि संविधान 'संघ का विधान' नहीं है, देश उठेगा व लड़ेगा : प्रियंका

- लोकसभा में वायनाड की कांग्रेस सांसद ने दिया पहला भाषण
- संविधान से जनता को मिले सुरक्षा कवच को तोड़ने का मोदी सरकार पर लगाया आरोप
- एक उद्योगपति के लिए पूरे देश को नकारना जनता के साथ बड़ी नाइंसाफी

AGENCY NEW DELHI : शुक्रवार को कांग्रेस महासचिव और वायनाड की संसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा सरकार पर तीखा प्रहार किया और दावा किया कि यदि लोकसभा चुनाव के नतीजे इस तरह के नहीं होते तो यह सरकार संविधान बदलने का काम करती। उन्होंने लोकसभा में 'भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा' पर चर्चा में भाग लेते हुए सरकार पर भय फैलाने का आरोप लगाया और कटाक्ष करते हुए कहा कि शायद प्रधानमंत्री यह समझ नहीं पाए हैं कि संविधान 'संघ का विधान' नहीं है। बता दें कि वायनाड से लोकसभा सदस्य निर्वाचित होने के बाद सदन में उनका यह पहला भाषण था। प्रियंका ने दावा किि भारत लंबे समय तक कायरों के हाथ में कभी नहीं रहा और यह देश उठेगा और लड़ेगा। कांग्रेस महासचिव ने उद्योगपति गौतम अडानी का जिक्र करते हुए कहा कि एक उद्योगपति के लिए पूरे देश को नकारा जा रहा है। प्रियंका ने कहा कि संविधान में सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय का वादा है।

हारते-हारते मिली जीत

कांग्रेस नेता ने कहा, आज सत्तापक्ष बार–बार संविधान इसलिए कह रहा है, क्योंकि इस चुनाव में हारते–हारते जीतने के बाद उन्हें पता चल गया कि देश की जनता ही संविधान को सुरक्षित रखेगी और संविधान बदलने की बात इस देश में नहीं चलेगी। प्रियंका गांधी का कहना था कि आज जाति जनगणना का जिक्र सत्तापक्ष कर रहा है, क्योंकि इस तरह के नतीजे आए। कांग्रेस सांसद का इशारा इस ओर था कि कुछ महीने पहले संपन्न लोकसभा चुनाव में भाजपा बहुमत से दूर रह गई और कांग्रेस की सीटों की संख्या 100 के करीब पहुंच गई।

गंभीर चिंता : ईको सिस्टम में उत्पन्न असंतुलन ने पैदा की खतरे की स्थिति

सुरक्षा की गुहार लगा रही जगुआर की जिंदगी

AGENCY NEW DELHI : प्रकृति में सभी श्रेणियां के जीवों का आपसी संबंध एक दूसरे को सहायता करता है। पेड़–पौधों से लेकर जानवरों तक के बीच का संबंध प्रकृति का हिस्सा है। यदि इसमें किसी भी कारणवश असंतुलन पैदा होता है तो अस्तित्व के लिए संकट खड़ा होने लगता है। जीव विज्ञान में इस पूरे संबंध को ही ईको सिस्टम यानी पारिस्थितिक तंत्र कहा जाता है। असंतुलन से यह सिस्टम प्रभावित होता है और अंततः इसका प्रभाव मानव जीवन पर भी आता है। मानव जीवन की गतिविधियां भी इस संतुलन को विकृत करने में बड़ी भूमिका निभाती हैं। यही कारण है कि हमारे ईको सिस्टम के विशेष प्रकार के जानवर जगुआर की संख्या लगातार घट रही है और यह भविष्य के लिए बड़ी चिंता की बात है। प्राकृतिक रूप से जगुआर मध्य एवं दक्षिण अमरीका के वर्षावनों और दलदली मैदानों में रहते है। जगुआर बिल्ली परिवार का तीसरा सबसे बड़ा मेंबर है। केवल सिंह और बाघ उससे बड़े होते हैं। लेकिन, इस छोटे पैरोंवाले गठीले जानवर में सिंह या बाघ से भी अधिक ताकत होती है।

अवैध शिकार व आवास के संकट से लगातार घट रही इन जानवरों की संख्या

सिंह और बाघ के समान बिल्ली परिवार के अत्यंत मजबूत सदस्य हैं जगुआर

- आईयूसीएन की ताजा रिपोर्ट में विस्तार से किया गया है सच्चाई का खुलासा
- छोटे पैरोंवाले गठीले इस पशु में सिंह या बाघ से भी अधिक होती है ताकत
- बीते 21 सालों में इनकी तादाद में करीब 25 फीसद की आई गिरावट

असुरक्षित श्रेणी में आने की आशंका

आईयूसीएन इनकी स्थिति की जांच में जुटा है। यह स्पष्ट रूप से बताया जा रहा है कि यदि अवैध शिकार और निवास स्थान का नुकसान जारी रहा तो उन्हें जल्द ही असुरक्षित श्रेणी में शामिल किया जा सकता है। ऐसी स्थिति में धीरे-धीरे इनके विलुप्त होने का खतरा बढ़ जाएगा। इसलिए जगुआर के संरक्षण के लिए तत्काल उचित रणनीति बनाने की सख्त जरूरत है।

अन्य प्रजातियों की आबादी को करते हैं नियंत्रित

जगुआर पारिस्थितिक तंत्र को संतुलित बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शीर्ष शिकारियों के रूप में वे अपने निवास स्थान पर खाद्य श्रृंखला में संतुलन करते हैं तथा अन्य प्रजातियों की आबादी को नियंत्रित करते हैं। जगुआर के संकटग्रस्त होने का प्रमुख कारण उनके आवास विनाश और विखंडन है। जगुआर मुख्य रूप से रात के समय सक्रिय रहते हैं और जीवित रहने के लिए उन्हें बहुत अधिक क्षेत्र की आवश्यकता होती है। नई जल विद्युत परियोजनाओं की स्थापना, वनों की कटाई और कृषि गतिविधियां जगुआर के क्षेत्र पर अतिक्रमण कर रही हैं, जिससे उनकी सीमा धीरे–धीरे कम हो रही है।

बरवाअड्डा में मिली लाश की हो गई पहचान, निकला कारोबारी

दो को हिरासत में लेकर पुलिस कर रही पूछताछ, बताए जा रहे व्यापारी के दोस्त

AGENCY DHANBAD : बरवाअड्डा थाना क्षेत्र में गुरुवार को मिली लाश की पहचान हो गई है। वह धनबाद शहर के हीरापुर का रहने वाला कारोबारी था। उसका नाम अमन कुमार साव बताया गया है। गोली मारकर उसकी हत्या की गई थी। उसे दो गोलियां मारी गई थी। एक कनपट्टी तो दूसरी छाती में मारी गई थी। मौके पर ही उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने मृतक की जेब से कार की चाबी, 50 ग्राम गांजा और एक गोली बरामद की है। मामले में पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। दोनों मृतक के दोस्त बताए जाते हैं।

एक साजिश के तहत हत्या की बू : परिजनों की मानें, तो बुधवार की शाम को मृतक अमन घर से निकला था। रात 10 बजे के बाद से उसका फोन नेटवर्क से बाहर बता रहा था। इधर, गुरुवार की सुबह उसका शव मिला। उसकी बाइक हीरापुर में ही थी। इसके साथ ही यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या धनबाद में हत्या का कोई नया ट्रेंड तो नहीं शुरू हो गया है। सवाल इसलिए कि रहने वाला कहीं का, हत्या कहीं और। सवाल उठता है कि किनके साथ वह बरवाअड्डा क्यों और कैसे पहुंचा। जिस जगह पर लाश मिली थी, वह सुनसान स्थान है। ऐसा भी हो सकता है कि जाने के क्रम में अमन को लघुशंका लगी हो और वह साथियों के साथ वहां उतरा हो। फिर उसे गोली मार दी गई हो। गोली मारने के बाद उसकी जेब में गांजा और कारतूस डाल दिया गया हो।

घटनास्थल का निरीक्षण करते पुलिस पदाधिकारी व अन्य ● फोटोन न्यूज

सुरक्षाबलों ने 5 किलो का आईईडी बरामद, जंगल में किया गया नष्ट

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में नक्सली संगठनों के खिलाफ सुरक्षाबलों द्वारा चलाए जा रहे सर्च ऑपरेशन के दौरान 5 किलो का आईईडी बरामद किया गया। सुरक्षाबलों ने उसे जंगल में ही नष्ट कर दिया। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को सर्च ऑपरेशन के दौरान टोन्टो थाना क्षेत्र में तुम्बाहाका के आसपास क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा पूर्व में पुलिस को नुकसान पहुंचाने के लिए 5 किलो का एक आईईडी लगाया था।

पेड़ से टकराई कार डॉक्टर दंपती घायल

KHUNTI : तोरपा थाना क्षेत्र के चुरगी गांव के पेट्रोल पम्प के पास शुक्रवार को लगभग तीन बजे हुई सड़क दुर्घटना में रेफरल अस्पताल तोरपा की चिकित्सक डॉ दीप्ति नूतन तोपनो(50 वर्ष) तथा उनके पति डॉ निरल सांगा (55 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गये। दोनों अपनी वैगन आर कार से रांची से रेफरल अस्पताल तोरपा जा रहे थे। कार निरल सांगा चला रहे थे। शुक्रवार को डॉ दीप्ति की अस्पताल में नाइट ड्यूटी थी। वे अपने पति के साथ ड्यूटी जा रहे थे। जानकारी के अनुसार अस्पताल आने के क्रम में चुरगी पेट्रोल पम्प के पास सामने से एक ट्रक अचानक सामने आ गया। उसे बचाने के चक्कर में कार अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गयी, जिसमें दोनों घायल हो गये। सूचना पाकर रेफरल अस्पताल के कर्मी एम्बुलेंस से तुरंत घटनास्थल पहुंचे और डॉ दीप्ती को अस्पताल लाया गया, लेकिन उनके पति डॉ निरल सांगा कार में फंस गये। उनका पैर दब गया था। मौके पर पहुंचे तोरपा के थाना प्रभारी प्रभात रंजन पाण्डेय, अस्पताल के कर्मी और स्थानीय लोगों की मदद से आधे घंटे की मशक्कत के बाद उन्हें बाहर निकाला गया तथा एम्बुलेंस से अस्पताल लाया गया।

फरवरी में होगी मैट्रिक-इंटर की परीक्षा, तैयारी हुई शुरू

समाहरणालय में बैठक करते डीसी, एडीएम व विधायक ● फोटोन न्यूज

DHANBAD : वार्षिक माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट (कला, विज्ञान एवं वाणिज्य) परीक्षा- 2025 की परीक्षा फरवरी के दूसरे सप्ताह से प्रारंभ होने की संभावना है। इसे लेकर उपायुक्त माधवी मिश्रा ने शुक्रवार को परीक्षा केंद्र चयन समिति के साथ बैठक की।

समाहरणालय सभागार में हुई बैठक में उपायुक्त ने बताया कि वार्षिक माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए पूर्व की भांति परीक्षा केंद्रों का निर्धारण ससमय किया जाना आवश्यक है। इस वर्ष भी परीक्षा का संचालन जिला प्रशासन की देखरेख में ही किया जाना है। इस दौरान टुंडी के विधायक मथुरा प्रसाद महतो, धनबाद, झरिया व बाघमारा के विधायक प्रतिनिधि व सांसद प्रतिनिधि के अलावा एडीएम पीयूष सिन्हा, एसडीएम राजेश कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी निशु कुमारी, जिला शिक्षा अधीक्षक आयुष कुमार समेत सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी उपस्थित थे।

गिरिडीह में पिकनिक मनाने के दौरान दो भाई नदी में डूबे

GIRIDIH : धनवार के हदहदवा नदी तट पर पिकनिक मनाने आए धनबाद के एक परिवार के दो सगे भाइयों की मौत नदी के गहरे पानी में डूबने से हो गई । घटना शुक्रवार दोपहर लगभग एक बजे की है। दोनो बच्चों की मौत से परिवार में भी कोहराम मचा दिया। बच्चों के माता पिता घटना के बाद असहज हो गये है। घटना स्थल पर पहुंचे घोडथंबा ओपी प्रभारी शंभू ईश्वर प्रसाद को भी सगे दोनों बेटो के पिता गिरधारी साहू से बात कर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया को पूरा करने में काफी देर रुकना पड़ा। तब जाकर पोस्टमार्टम में भेजने की प्रक्रिया को पूरी की जा सकी। जानकारी के अनुसार 12 वर्षीय विशाल कुमार और 7 वर्षीय विक्रम अपने पिता गिरधारी साहू सहित पूरे परिवार के साथ अपने घर धनबाद से गिरिडीह के धनवार के घोड़थंबा ओपी के हदहदवा नदी पहुंचा था। पूरा परिवार नदी तट पर पिकनिक मनाने में मशगूल था। इसी बीच दोनों मासूम विक्रम और विशाल कब नदी नहाने घुसे और नहाने के क्रम में गहरे पानी में चले गए। इसकी भनक तक किसी को नहीं लगा। लेकिन जब दोनो बच्चों ने बचाव के लिए चिल्लाना शुरू किया। तो पिता समेत पूरा परिवार दोनो को नदी से बाहर निकालने के लिए दौड़े। लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों के साथ पुलिस भी घटनास्थल पहुंच कर बच्चो के शव को नदी से निकालने में जुट गयी। काफी मेहनत के बाद दोनों के शव को बाहर निकाला गया। जानकारी के अनुसार घटनास्थल कोडरमा और गिरिडीह जिला का सीमावर्ती इलाका है।

एनआईएफटी के आउटरीच प्रोग्राम में शामिल हुए महानिदेशक व डीसी

हुनर को पंख देता है फैशन डिजाइनिंग संस्थान : तनु

PHOTON NEWS DHANBAD : नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एनआईएफटी) ने शुक्रवार को धनबाद के न्यू टाउन हॉल में आउटरीच प्रोग्राम किया, जिसमें 4 जिलों के छात्र व फैकल्टी शामिल हुए। संस्थान की महानिदेशक तनु कश्यप ने कहा कि एनआईएफटी छात्रों के हुनर को पंख देता है। इसमें छात्रों के लिए आजीविका के अच्छे विकल्प हैं। संस्था का उद्देश्य समाज के हर वर्ग के लोगों को शिक्षा के माध्यम से सशक्त करना है। उन्होंने बताया कि आगामी सत्र की परीक्षा के लिए फॉर्म जमा करने की तिथि 6 जनवरी 2025 है, जबकि 9 फरवरी 2025 को परीक्षा ली जाएगी। अंग्रेजी के साथ-साथ इस बार हिंदी में भी परीक्षा ली जाएगी। लगभग 5000 नए छात्रों को विभिन्न स्ट्रीम में नामांकन के लिए अवसर प्रदान किया जाएगा। सभी वर्ग के मेधावी छात्रों के लिए छात्रवृत्ति की सुविधा भी उपलब्ध है। इसके साथ ही बताया कि वाराणसी, श्रीनगर, पटना, नई दिल्ली, कोलकाता, मुंबई, गांधीनगर, जोधपुर, हैदराबाद सहित देश के 19 शहरों में एनआईएफटी के कैंपस हैं। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के पूर्व छात्र तथा फैशन उद्योग के प्रसिद्ध पेशेवर मुकेश कुमार एवं शडोमन टुडू ने भी अपने अनुभव साझा किए।

कार्यक्रम में शामिल छात्र-छात्राएं व फैकल्टी ● फोटोन न्यूज

क्रिएटिव छात्रों के लिए एनआईएफटी उचित प्लेटफार्म : डीसी

इस अवसर पर धनबाद की उपायुक्त माधवी मिश्रा ने कहा कि क्रिएटिव छात्रों को एनआईएफटी उचित प्लेटफार्म प्रदान करता है। हुनरमंद छात्रों को संस्थान द्वारा फैशन टेक्नोलॉजी में मार्गदर्शन और प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्होंने छात्रों से कहा कि फैशन और टेक्सटाइल के क्षेत्र में असीम संभावना है। इसलिए वे आउटरीच कार्यक्रम में बताई गई हर बात को बारीकी से सुनें और समझें। उन्होंने कहा कि आउटरीच कार्यक्रम के माध्यम से एनआईएफटी ने विश्वस्तरीय शिक्षा शुरू करने में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है, जो छात्रों को रचनात्मक कॅरियर की दिशा में पहला कदम उठाने का अवसर प्रदान करेगा।

लोहरदगा के सभी ब्लॉक में कल से प्रारंभ होगा धान अधिप्राप्ति का कार्य : उपायुक्त

AGENCY LOHARDAGA : उपायुक्त डॉ. वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने शुक्रवार को लोहरदगा जिला के सभी किसानों से अपील करते हुए कहा है कि झारखंड सरकार के निदेर्शानुसार खरीफ विपणन के तहत धान अधिप्राप्ति का कार्य 15 दिसंबर 2024 से प्रारंभ हो रहा है। इसके तहत इस वर्ष किसानों से क्रय किये जाने वाले धान के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 रुपए प्रति क्विंटल की दर से और बोनस के रूप में 100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से भुगतान किया जाएगा। धान अधिप्राप्ति की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि धान अधिप्राप्ति केंद्रों का चयन, राईस मिलों का चयन, अधिप्राप्ति केंद्रों पर आवश्यक उपकरणों का अधिष्ठापन, अधिप्राप्ति केंद्रों पर मानव बलों की प्रतिनियुक्ति का कार्य किया जा चुका है। जो भी किसान अपना धान विक्रय करना चाहते हैं वे खुले बाजार या बिचौलिये को ना देकर अपना धान सिर्फ अपने क्षेत्र के नजदीकी धान अधिप्राप्ति केंद्र या एफपीओ पर ही विक्रय करें। उन्होंने कहा कि सभी किसान धान अधिप्राप्ति योजना का भरपूर लाभ उठाएं। धान अधिप्राप्ति केंद्रों पर 15 दिसंबर से साधारण किस्म का धान न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 रुपए प्रति क्विंटल एवं बोनस की राशि 100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से राज्य सरकार क्रय करेगी। वहीं ग्रेड ए किस्म की धान के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 2320 रुपए प्रति क्विंटल एवं बोनस की राशि 100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से किसानों को राज्य सरकार भुगतान करेगी। जिला में धान क्रय के लिए दो किसान उत्पादक समूह (एफपीओ) एवं 21 धान अधिप्राप्ति केंद्र (लैम्पस) का चयन किया गया है। इनमें लोहरदगा सदर प्रखण्ड में हेसल लैम्पस लिमिटेड, निंगनी लैम्पस, मन्हो लैम्पस, कुडू प्रखण्ड में कोलसिमरी लैम्पस, ककरगढ़ लैम्पस, कुडू लैम्पस, लावागाई लैम्पस, चंदलासो लैम्पस, किस्को प्रखण्ड में किस्को लैम्पस आदि हैं।

उपायुक्त डॉ. वाघमारे प्रसाद कृष्ण

सीआईआई के क्वालिटी कंट्रोल सर्किल में आरएसबी रहा विजेता

JAMSHEDPUR : सीआईआई, झारखंड द्वारा क्यूसी सर्किल पर बिष्टुपुर स्थित सेंटर फॉर एक्सीलेंस में शुक्रवार को 37वां सम्मेलन हुआ। दो दिवसीय कार्यक्रम में विभिन्न कंपनियों ने अपनी उत्कृष्टता प्रदर्शित की। इसके आधार पर विजेता का खिताब आरएसबी ट्रांसमिशन (आई) लिमिटेड को मिला, जबकि प्रथम उपविजेता टाटा मोटर्स लिमिटेड, द्वितीय उपविजेता ऑटोमोटिव एक्सल्स प्राइवेट लिमिटेड व तृतीय उपविजेता का खिताब टीआरएफ लिमिटेड को मिला। वहीं, एमएसएमई श्रेणी में हाईको इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड विजेता व हिमालय एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड उपविजेता रहा। प्रतियोगिता का उद्घाटन सीआईआई, झारखंड राज्य परिषद के अध्यक्ष व एमडेट जमशेदपुर प्रा. लि. के प्रबंध निदेशक रंजोत सिंह ने किया। स्वागत संबोधन विश्वजीत जेना, सदस्य, सीआईआई झारखंड और एसोसिएट उपाध्यक्ष, आरएसबी ट्रांसमिशन लिमिटेड ने दिया। ज्यूरी मेंबर में प्रो. चंद्रेश्वर खान, दीपक मिश्रा व सीके मणि शामिल थे।

लोन के नाम पर ठगी करने वाले 3 साइबर अपराधी गिरफ्तार

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

DHANBAD : पुलिस ने सरायढेला सहयोगी नगर में छापेमारी कर लोन दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले 3 साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया है। इन सभी को आईटी एक्ट की धाराओं में जेल भेजा गया है। साइबर डीएसपी संजय रंजन ने पत्रकारों को बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर साइबर डीएसपी की अगुवाई में साइबर थाना की पुलिस ने सरायढेला थाना क्षेत्र अंतर्गत सहयोगी नगर, सेक्टर-3 के सृष्टि करुणा एन्क्लेव अपार्टमेंट से 3 साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया है। इनके नाम सोनू कुमार, भारत कुमार और बसंत कुमार हैं। ये विभिन्न कंपनियों से ऑनलाइन लोन दिलाने के लिए प्रोसेसिंग फीस एवं अन्य प्रकार के चार्ज बताकर लोगों को झांसे में लेकर पैसे ठगते थे। इसमें दो साइबर अपराधी कर्नाटक राज्य से है। सरगना सोनू कुमार है, जो धनसार का रहने वाला है।

500 सरकारी स्कूलों को सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में बदला जाएगा, परिसदन में शिक्षा मंत्री ने कहा-

राज्य में 26 हजार नए शिक्षकों की होगी नियुक्ति

PHOTON NEWS JSR : झारखंड में सरकार सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी को दूरे करने के लिए सरकार जल्द ही 26 हजार नए शिक्षकों के भर्ती की प्रक्रिया शुरू करेगी। यह जानकारी शुक्रवार को जमशेदपुर के सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस गर्ल्स प्लस टू उवि साकची में पत्रकारों से बात करते हुए शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने दी। उन्होंने कहा कि इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है अन्य रिक्तियों का रोस्टर तैयार करने को कहा गया है। इसके लिए विज्ञापन जारी कर दिया जाएगा। यह नियुक्ति पिछले वर्ष 26 हजार पदों को भरने के लिए ली गयी परीक्षा से अलग होगी। मंत्री ने कहा कि पिछली सरकार में हमने जिन 26 हजार शिक्षकों के पदों को भरने के लिए परीक्षा ली है। उसके परिणाम पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाया है। लेकिन फैसला अगर सरकार के पक्ष में आया तो 26 हजार नए शिक्षक तो मिलेंगे ही, इसके अतिरिक्त इतने ही पदों पर शिक्षकों की भी भर्ती करने जो रहे हैं। ऐसे में आने वाले एक से दो सालों में 52 हजार नए शिक्षक राज्य को मिलेंगे। यही नहीं अगर शिक्षक भर्ती परीक्षा का परिणाम हमारे पक्ष में नहीं आया तो उन पदों को हम फिर से भरने की प्रक्रिया शुरू करेंगे। शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकारी स्कूलों की सूरत को बदलने के लिए झारखंड सरकार केरल व दिल्ली मॉडल को अपनाने जा रही है। इसके लिए राज्य की एक टीम जल्द ही केरल व दिल्ली जाएगी जिसमें मैं खुद रहूंगा। यह टीम इन दोनों राज्यों में सरकारी स्कूलों का अध्ययन कर यह पता लगाएगी की यहां सरकारी स्कूलों पर किस तरह से काम किया जा रहा है, जो इन दोनों राज्यों के सरकारी स्कूलों की स्थिति पूरे देश में सबसे बेहतर है। रामदास सोरेन ने कहा कि प्रदेश की शिक्षा का बुनियादी ढांचा मजबूत किया जाएगा। इसके लिए पांचों प्रमंडल में अधिकारियों के साथ समीक्षा मीटिंग होगी। शिक्षा मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अगले पांच सालों में 500 सरकारी स्कूलों को सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में बदलते हुए सीबीएसई बोर्ड के तहत संचालित करेगी। इसके तहत अभी 80 स्कूल संचालित हो रहे हैं। अगले साल 80 नए स्कूलों को सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में बदला जाएगा। इसी प्रकार हर साल 80 से 85 स्कूलों को इस श्रेणी में लाएंगे ताकि बच्चे सीबीएसई बोर्ड के तहत अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा ग्रहण कर सकें। उन्होंने कहा कि आज सभी बड़ी प्रतियोगी परीक्षाएं सीबीएसई के सिलेबस के आधार पर आयोजित हो रही हैं। ऐसे में हमें भी इस ओर जाना होगा ताकि हम स्कूल स्तर पर ही बच्चों को इतना कुशल बना दें की उच्च शिक्षा में जाते समय वे पूरी तरह दक्ष हों।

स्कूल का निरीक्षण करने जाते शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ● फोटोन न्यूज

क्षेत्रीय भाषा की पढ़ाई होगी अनिवार्य

शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने कहा है कि झारखंड के सरकारी स्कूलों में क्षेत्रीय भाषा की पढ़ाई को अनिवार्य किया जाएगा। इस पर हम काम कर रहे हैं। पिछली सरकार में इन इसके लिए शिक्षक नियुक्ति का जिलावार पद सृजित किया गया था। लेकिन नियुक्ति नहीं हो पायी थी। लेकिन जल्द ही हम नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी कर पढ़ाई शुरू कराएंगे। उन्हींने कहा कि जिस विद्यालय में किसी भी क्षेत्रीय भाषा के दस स्टूडेंट हैं, वहां उस भाषा का एक टीचर नियुक्त किया जाएगा। शिक्षा मंत्री ने कहा कि क्षेत्रीय भाषा में पढाई के लिए सरकार पूरे जोर शोर से कोशिश कर रही है। उन्होंने बताया कि आज ही उन्होंने स्कूल का निरीक्षण किया है। वहां स्टूडेंट कम और शिक्षक ज्यादा हैं। इसे ठीक किया जाएगा।

मंत्री पहुंचे स्कूल कम मिले छात्र

JAMSHEDPUR : शिक्षा मंत्री बनने के बाद रामदास सोरेन शुक्रवार को पूरे एक्शन में थे। उन्होंने दो स्कूलों का औचक निरीक्षण करने के साथ ही शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी की। सबसे पहले मंत्री शहीद निर्मल महतो उच्च विद्यालय घोड़ाबांदा गए। इस दौरान उन्होंने जांच में पाया गया कि इस स्कूल के 200 बच्चे अनुपस्थित हैं। उन्होंने स्कूल के प्रिंसिपल से जानकारी ली तो पाया कि यहां कुल 500 बच्चों का नामांकन है, जबकि 300 बच्चे ही पढ़ने आए हैं। करीब 40 प्रतिशत बच्चों के स्कूल के गायब होने के संबंध में जब हेडमास्टर व शिक्षकों से मंत्री ने पूछा तो उनके पास कोई जवाब नहीं था। इस दौरान मंत्री स्कूल के आधारभूत संरचना की भी जानकारी ली साथ ही डीईओ को निर्देश दिया कि वे बच्चों के अनुपस्थिति के मामले में स्कूल के सभी शिक्षकों को शोकॉज जारी करते हुए स्पष्टीकरण पूछ क्योंकि अगर बच्चे स्कूल नहीं आ रहे हैं तो यह शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि उन्हें स्कूल लाएं।

BRIEF NEWS

स्कूल में हुआ रंगोली व साइंस एग्जीबिशन

HAZARIBAG : शहर के मटवारी स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को रंगोली और साइंस एग्जीबिशन का आयोजन हुआ। इसमें सदर विधायक प्रदीप प्रसाद मुख्य अतिथि थे। विधायक ने बच्चों की रचनात्मकता और नवाचार की भावना की सराहना करते हुए कहा, इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान करते हैं।

आनंदपुर में डीसी-एसपी ने लिया फुटबॉल का आनंद

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के उपायुक्त कुलदीप चौधरी व पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर तथा उपविकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा, पोड़ाहाट-चक्रधरपुर अनुमंडल पदाधिकारी श्रुति राजलक्ष्मी सहित अन्य पदाधिकारियों के साथ सुदूरवर्ती आनंदपुर प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित उच्च विद्यालय-रोबकेरा के मैदान में आयोजित प्रखंड स्तरीय मैत्री फुटबॉल प्रतियोगिता में उपस्थित हुए। ग्रामीणों ने डीसी-एसपी का पारंपरिक रीतिरिवाज से अभिनंदन किया। इसके बाद सभी पदाधिकारियों ने आमजनों के साथ फुटबॉल मैच का आनंद लिया गया। मैच समाप्ति के उपरांत वरिष्ठ पदाधिकारी के द्वारा विजेता टीमों के बीच नगद पुरस्कार राशि व प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

अंजुमन इस्लामिया ने ग्रामीणों में बांटे कंबल

CHAKRADHARPUR : अंजुमन इस्लामिया, चकधरपुर के सचिव बैरम खान व उनके सहयोगियों की तरफ से ग्रामीण क्षेत्र के सीमिदीरी, आजादबस्ती, चोंगासाई, मंडलसाईं आदि में जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल बांटे। कंबल वितरण में शादिक हुसैन, मलिक, रहमत अली, काविश रजा, वसीम रजा, इकरामुल हक, तारिक सुल्तान आदि साथ रहे।

खूंटी में सबका आयुष्मान कार्ड बनाना लक्ष्य

KHUNTI : जिले में शत प्रतिशत आयुष्मान भारत कार्ड निर्माण करने के लिए 18 से 25 दिसंबर तक विशेष महाअभियान चलाया जाएगा। अभियान को सफल बनाने के लिए उपायुक्त लोकेश मिश्रा के जरिये सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये गये हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार को खूंटी की प्रखंड विकास पदाधिकारी ज्योति कुमारी ने प्रखंड कार्यालय में बैठक कर अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने खूंटी प्रखंड में शत प्रतिशत आयुष्मान भारत कार्ड बनाने को लेकर एमओआइसी, बीएसओ, प्रखंड प्रमुख, मुखिया एवं सभी राशन डीलरों से लाभुकों को चिह्नित करने और उन्हें जागरूक करने को कहा।

एफसीआई के श्रमिकों का तबादला रद्द हो : सांसद

JAMSHEDPUR : सांसद बिद्युत बरण महतो ने शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्रीय उपभोक्ता मामले खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के मंत्री प्रहलाद जोशी से मुलाकात कर जमशेदपुर के भारतीय खाद्य निगम खाद्य संग्रह संग्रह भंडार जमशेदपुर के 179 विभाग के श्रमिकों का मनमाने तरीके से किए गए स्थानांतरण आदेश को अविलंब निरस्त करने के संबंध में वार्ता की। सांसद ने कहा कि एफसीआई के खाद्य संग्रह भंडार, जमशेदपुर के कुल 179 विभागीय श्रमिक (सरदार, मंडल, हथालन श्रमिक तथा सहायक श्रमिक) का स्थानांतरण 7 अक्टूबर 2023 को अचानक कर दिया गया।

Daily THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
www.thephotonnews.com
Saturday, 14 December 2024

BRIEF NEWS

झारखंड में और बढ़ेगी ठंड शीतलहर का येलो अलर्ट

RANCHI : झारखंड में लगातार पारा गिर रहा है। मौसम विभाग ने 14 दिसंबर और उसके आगे तीन दिनों तक राज्य के कई हिस्से में शीतलहर चलने की संभावना व्यक्त की है। इसे देखते हुए मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। खास कर सुबह में तापमान में भारी गिरावट आ रही है। मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने कहा है कि राज्य के लगभग सभी हिस्सों में न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट आ रही है। सुबह में बच्चों, वृद्ध व हृदय रोगियों सहित सुबह व शाम में टहलने वाले लोगों को सचेत रहने की जरूरत है।

पुलिस का जन शिकायत समाधान कार्यक्रम 18 को

RANCHI : झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने राज्य के सभी जिलों में 18 दिसंबर को जन शिकायत कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश जिलों के एसएसपी और एसपी को दिया है। जिसमें आमलोग पुलिस के एडीजी,आइजी और डीआइजी रैंक के अफसरों के सामने अपनी समस्या रखेंगे। पूर्व में 21 अगस्त 2024 को हुए जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में आये छह हजार शिकायतों को लेकर दिये गये निर्देशों का कितना पालन हुआ,इसको लेकर भी समीक्षा करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को डीजीपी ने दिया है। इस संबंध में पुलिस मुख्यालय से आदेश जारी हो गया है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 10 लाख मामलों का किया जाएगा निपटारा

RANCHI : नेशनल लीगल सर्विस अथॉरिटी (नालसा) के कलेंडर और झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) के कार्यपालक अध्यक्ष के निर्देश पर शनिवार को राज्य भर की अदालतों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन होगा। लोक अदालत में ज्यादा से ज्यादा मामलों के निष्पादन के लिए हाई कोर्ट सहित जिला अदालतों में कई बेंचों का गठन किया गया है। लोक अदालत में झालसा के अध्यक्ष, झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस और अन्य जजों की मौजूदगी में जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद इसका शुभारंभ डोरंडा स्थित न्याय सदन में करेंगे। लोक अदालत में राज्य भर के दस लाख मामलों को निष्पादित करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें प्री-लिटीगेशन और कोर्ट में लंबित मामले शामिल हैं।

मुख्य सचिवों के राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल हुए राज्य के अधिकारी

RANCHI : दिल्ली में आयोजित मुख्य सचिवों के राष्ट्रीय सम्मेलन में शुक्रवार को राज्य सरकार की मुख्य सचिव अलका तिवारी, प्रधान सचिव योजना मस्त राम मीना, सचिव ग्रामीण विकास के श्रीनिवासन एवं सचिव उद्योग विभाग जीतेन्द्र कुमार सिंह आदि शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि यह सम्मेलन केंद्र एवं राज्य सरकारों के साझा विकास एजेंडा के सुसंगत प्रारूप तैयार करने के लिए किया जाता है। इसका प्रमुख उद्देश्य उद्यमिता को बढ़ावा देना, कौशल परक रोजगार सृजन कराने के साथ अधिक जनमानस को लाभांश का दोहन कराना है।

सात ज्योतिर्लिंग तीर्थ यात्रा के साथ कीजिए शिरडी का दर्शन

पांच जनवरी से शुरू हो रही यात्रा, सुविधा के लिए पहले ही करा लें टिकट बुकिंग

झारखंड से पहली बार भारत गौरव पर्यटक सर्किट स्पेशल ट्रेन की बनी योजना

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के लोगों के लिए बड़ी खुशखबरी। भारत गौरव स्पेशल ट्रेन से 5 जनवरी 2025 को शुभयात्रा की शुरुआत झारसुगुडा से सात ज्योतिर्लिंग यात्रा के साथ शिरडी दर्शन की होगी। रेल मंत्रालय ने देश के विभिन्न भागों से भारत सरकार द्वारा परिकल्पित 'देखो अपना देश' और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की पर्यटन अवधारणाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत गौरव पर्यटक ट्रेनों का संचालन शुरू किया है। इंडियन रेलवे कैटरिंग टूरिज्म कारपोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी), भारत सरकार के प्रयास ने झारखंड से पहली बार भारत गौरव पर्यटक सर्किट स्पेशल ट्रेन चलाने की योजना बनाई है।

यह ट्रेन आगामी 5 जनवरी दिन रविवार को झारसुगुडा से खुलेगी और राउरकेला, रांची, मूरी, बोकारो स्टील सिटी, हजारीबाग रोड, कोडरमा, गया, राजगीर, बिहारशरीफ, पटना, बक्सर, आरा, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन होते हुए भीमाशंकर, द्वारका, ग्रिशनेश्वर, महाकालेश्वर, नागेश्वर, ओंकारेश्वर, त्र्यंबकेश्वर, शिर्डी, सोमनाथ के तीर्थ स्थल का दर्शन कराते हुए 17 जनवरी 2025 को लौट कर वापस आएगी।

12 रात और 13 दिन की यात्रा

यह पूरी यात्रा 12 रात और 13 दिन की होंगी और इसका कुल किराया सभी कर सहित स्लिपर क्लास के लिए 24330 रुपये और 3 एसी के लिए 42655 रुपये है। इस यात्रा में तीर्थ यात्रियों कों स्लीपर क्लास एवं 3 एसी से यात्रा, शाकाहारी भोजन, घूमने के लिए बस रहने के लिए होटल की व्यवस्था तथा प्रत्येक कोच में

सिक्यूरिटी गार्ड एवं टूर एस्कॉर्ट की सेवा उपलब्ध रहेगी एवं इसके अलावा यात्रियों की बीमा के भी सुविधा रहेगी।

यात्रियों के लिए यह भी जानना जरूरी

इच्छुक तीर्थयात्री यात्रा से जुड़ी डिटेल जानकारी एवं बुकिंग के लिए आईआरसीटीसी, कार्यालय (रेलवे स्टेशन रांची, पार्सल कार्यालय के पास, पिन 834001) या दूरभाष संख्या 8595937711 से संपर्क कर सकते हैं। टिकट की बुकिंग आईआरसीटीसी की वेबसाइट WWW.IRCTC-TOURISM.COM के माध्यम से भी कर सकते हैं।

रांची डीसी को सशरीर हाजिर होने का निर्देश

RANCHI : मोरहाबादी के फुटपाथ दुकानदारों के पुनर्वास के लिए दायर याचिका पर हाईकोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत में जिला प्रसाशन की ओर से जवाब दाखिल नहीं किया का सका। जिसके बाद कोर्ट ने अगली सुनवाई में रांची जिले के डीसी को सशरीर उपस्थित होने का निर्देश दिया है। अब अदालत का मामले में 3 जनवरी को सुनवाई करेगा। मामले की सुनवाई हाईकोर्ट की न्यायाधीश जस्टिस अनुभा रावत की अदालत में हुई। प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता अनुराग कश्यप ने बहस की।

सप्ताह में दो दिन फील्ड विजिट करने का दिया निर्देश

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने लगाई अधिकारियों की क्लास

- जनता के सुझावों को सुनेंगे और योजनाओं को साकार करने में सहयोग करेंगे सभी
- विभाग की वर्तमान चुनौतियों को किया चिह्नित, समाधान के उपायों पर हुई चर्चा

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने पदाधिकारियों व अधिकारियों की जमकर क्लास लगाई। समीक्षा बैठक में उन्होंने निर्देश दिया कि अब अधिकारी सप्ताह में दो दिन फील्ड में गुजारेंगे, ताकि विभागीय योजनाओं की वास्तविक स्थिति को समझने और धरातल पर योजनाओं के प्रभाव का आकलन करने में मदद मिलेगी। उन्होंने यह निर्देश दिया कि अधिकारी अब बंद कमरों से बाहर निकलकर ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाओं का हाल जानें। बता दें कि पदभार संभालने के बाद नेपाल हाउस में अपनी पहली विभागीय समीक्षा बैठक के बाद मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने अधिकारियों को यह दिशा निर्देश दिए। शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि बैठक में विभाग की वर्तमान चुनौतियों को चिह्नित किया गया और उनके समाधान के उपायों पर चर्चा हुई। इसके अलावा, विभागीय बजट पर भी अधिकारियों को निर्देश दिए गए। कृषि मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि वे खुले विचारों के साथ लोगों के सुझावों को सुनें और विभाग की योजनाओं को साकार रूप देने के लिए जनसहयोग को बढ़ावा दें। उन्होंने यह भी कहा कि विभाग ग्रामीण हाट-बाजारों के विकास पर ध्यान देगा। साथ ही कहा कि जर्जर हाट-बाजारों को दुरुस्त करने के लिए राशि आवंटित करने पर सहमति बनी है।

अधिकारियों के साथ बैठक करतीं कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की। • फोटोन न्यूज

ब्लॉक स्तर पर बनाएं योजना कैलेंडर

मंत्री ने कहा कि विभाग की योजनाओं की पूरी जानकारी के लिए ब्लॉक स्तर पर योजना कैलेंडर जारी करने का निर्देश दिया गया, ताकि लाभार्थियों तक योजनाओं का सही लाभ पहुंच सके। बैठक में केंद्र सरकार की योजनाओं पर भी विशेष ध्यान दिया गया। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पहले विभागीय स्तर पर इन योजनाओं की समीक्षा की जाएगी और उसके बाद विभागीय सहमति के साथ उन पर काम शुरू किया जाएगा।

पशु बाजार को बढ़ावा देगा विभाग

पशु बाजार को बढ़ावा देने के लिए भी विभाग विशेष पहल करेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में पशुओं की खरीद-फरोख्त के लिए नए बाजार बनाए जाएंगे। इसके साथ ही मंत्री ने कहा कि नए कोल्ड स्टोरेज बनाने के बजाय पुराने कोल्ड स्टोरेज को फिर से चालू करने पर विभाग का ध्यान रहेगा। किसानों के उत्पाद को सही तरीके से संरक्षित किया जा सके। मंत्री ने यह भी कहा कि मेधा डेयरी को बढ़ावा देने के लिए विभाग तेजी से कार्य करेगा। उन्होंने झारखंड में किसानों के फसल चयन में बदलाव की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि राज्य में आलू की खेती के लिए स्टोरेज और प्रोसेसिंग यूनिट्स की आवश्यकता है, ताकि उद्योग विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर कदम उठाए जाएंगे।

कांग्रेस भवन पहुंचे विधायक दल के नेता प्रदीप यादव और उप नेता राजेश कच्छप

RANCHI : कांग्रेस विधायक दल के नवनिर्वाचित नेता प्रदीप यादव और उप नेता राजेश कच्छप का शुक्रवार को कांग्रेस भवन में स्वागत किया गया। एक समारोह में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भव्य अभिनंदन किया। इस अवसर पर दोनों नेताओं ने अपना पदभार ग्रहण किया। प्रदीप यादव ने विधायक दल का नेता बनने पर कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जिम्मेदारी बहुत बड़ी है। वे इस विश्वास पर पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने जो आंदोलन शुरू किया है उसका उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को अधिकार दिलाना और कांग्रेस विचारधारा को मजबूती से स्थापित करना है। उनके नेतृत्व में संगठन को मजबूत किया जाएगा। उन्होंने केंद्र सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि दिल्ली में एक ऐसी सरकार बैठी है जो देशविरोधी, जनविरोधी और गरीब विरोधी है। उनका मुख्य उद्देश्य इस सरकार को सत्ता से बाहर करना है। वे अपने प्रयासों के साथ देशभर में कांग्रेस की आवाज को और मजबूती से उठाएंगे। राजेश कच्छप ने भी पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें कार्यकताओं के मान-सम्मान को बढ़ाते हुए सरकार और पार्टी के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

रिंची अस्पताल में प्रसूता की मौत के बाद परिजनों ने किया हंगामा

सड़क जाम कर हंगामा करते लोग। • फोटोन न्यूज

- अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप
- इलाज के दौरान बिना जांच के दवा देने से बिगड़ी मरीज की स्थिति

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को रांची के कटहल मोड स्थित रिंची अस्पताल में एक प्रसूता की मौत हो गई। इसके बाद परिजन आक्रोशित होकर हंगामा करने लगे और कटहल चौक को जाम कर दिया। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन ने इलाज में लापरवाही बरती, जिससे महिला की स्थिति बिगड़ी और उसकी मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि प्रसूता का इलाज ठीक से नहीं किया गया। उनका आरोप है कि अस्पताल ने बिना बताए और बिना जांच के कई प्रकार की दवाइयां दी। जिस वजह से प्रसूता की हालत और खराब हो गई। वहीं परिजनों की माने तो डॉक्टरों ने स्थिति की गंभीरता को नजरअंदाज किया। उचित इलाज नहीं करने के कारण प्रसूता की मौत हो गई। परिजनों ने अस्पताल के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही मामले की उच्चस्तरीय जांच की गुहार लगाई है। इस घटना के बाद कटहल मोड़ इलाके में तनाव का माहौल हो गया था। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस सड़क जाम को हटाने के प्रयास में जुटी हुई थी। परिजन अभी भी अपनी मांगों को लेकर जाम पर डटे हुए थे। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया था। बाद में काफी मशक्कत के बाद जाम को हटाया गया।

झारखंड में फिर से जंगलराज की हुई वापसी : डॉ. रविंद्र कुमार राय

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व सांसद डॉ. रविंद्र कुमार राय ने हेमंत सरकार पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि झारखंड में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। उन्होंने कहा कि राज्य में उग्रवादी गतिविधियां फिर से सिर उठाने लगी हैं, जिससे जनता आत्मरक्षा के लिए शस्त्र उठाने पर मजबूर हो रही है। डॉ. राय ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में उग्रवादी संगठनों पर सख्त कार्रवाई हुई थी। उग्रवादियों ने या तो आत्मसमर्पण किया था या सुरक्षाबलों की गोलियों का शिकार हुए थे। उन्होंने कहा कि उग्रवादियों के ठिकाने ध्वस्त किए गए थे और वे झारखंड छोड़कर अन्यत्र भागने को मजबूर हो गए थे। डॉ. राय ने कहा कि वर्तमान हेमंत सरकार के शासनकाल में पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, चतरा और अन्य जिलों में हुई घटनाओं ने यह साबित कर दिया है कि राज्य एक बार फिर जंगलराज की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण जनता को अपनी सुरक्षा के लिए रातभर जागना पड़ रहा है और उग्रवादियों से निपटने के लिए स्थानीय लोग संगठित होकर सेन्दरा (आत्मरक्षा अभियान) कर रहे हैं। उन्होंने राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि यह पहली ऐसी सरकार है। जिसने राज्य में 24 असुरक्षित सड़कों की सार्वजनिक घोषणा की है। यह न केवल सरकार की विफलता का प्रतीक है, बल्कि यह जनता में भय और असुरक्षा का माहौल पैदा करता है। डॉ. राय ने कहा कि उग्रवादी बालू घाट, छोटे खनन क्षेत्रों, कोयला और पत्थर कारोबार से वसूली करने के लिए फिर से सक्रिय हो गए हैं।

मीडिया से बात करते भाजपा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष व अन्य। • फोटोन न्यूज

हैट्रिक की तैयारी में हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष व महासचिव

RANCHI : झारखंड एडवोकेट एसोसिएशन के चुनाव की तारीख का एलान हो गया है। चुनाव अधिकारियों ने चुनाव की तिथि की घोषणा कर दी है। 23 जनवरी को हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन की नयी कमिटी का चुनाव हाईकोर्ट के अधिवक्ता वोटिंग के जरिये करेंगे। कुल 16 पदों पर चुनाव होने हैं। जिसे लेकर अधिवक्ताओं में अभी से ही लॉबिंग शुरू हो गई है। वर्तमान में ऋतु कुमार हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन की अध्यक्ष हैं और नवीन कुमार महासचिव इन दोनों के समक्ष अपनी कुर्सी बचाना बड़ी चुनौती होगी। क्योंकि दोनों ही पदों पर दोबारा चुनाव जीतकर आए हैं और इस बार हैट्रिक जीत की तैयारी में हैं। लेकिन हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन का चुनाव इस बार काफी दिलचस्प होने की उम्मीद है।

60 लाख क्विंटल धान खरीदेगी हेमंत सरकार, 1440 करोड़ रुपये होंगे खर्च

PHOTON NEWS RANCHI : हेमंत सरकार इस साल 1440 करोड़ की लागत से 60 लाख क्विंटल धान का क्रय करेगी। 15 दिसंबर से राज्य के सभी जिलों में पैक्स के माध्यम से किसान अपना धान बेच सकते हैं। बता दें कि इस बार सरकार ने बिचौलियों को रोकने और किसानों को सरकारी दर पर धान बेचने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है, जिसके तहत धान बेचने के वक्त ही उन्हें कुल राशि का 50% प्राप्त हो जाएगा और शेष राशि का भुगतान एक सप्ताह के अंदर करने की तैयारी की गई है। धान अधिप्राप्ति केंद्र यानी पैक्स के गोदामों में एक सप्ताह के अंदर धान का उठाव मीलर द्वारा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे किसी भी प्रकार की परेशानी किसानों और पैक्स मैनेजर को नहीं हो। राज्य सरकार किसानों से साधारण धान 2400 रुपये प्रति क्विंटल और 2420 रुपया प्रति क्विंटल-ग्रेड ए धान खरीदेगी। इस निर्धारित दर में केंद्र के 2300 रुपये प्रति क्विटल समर्थन मूल्य के अलावे राज्य सरकार द्वारा 100 रुपया प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है। पिछले खरीफ मौसम में धान क्रय की राशि केंद्र से निर्धारित 2183 रुपया था, जबकि राज्य सरकार द्वारा 1 रुपया 17 पैसा दिया जाता था। जेएसएफसी प्रबंध निदेशक सत्येंद्र कुमार ने इस साल 15 दिसंबर से शुरू हो रहे धान खरीद की तैयारी के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि राज्य के सभी 24 जिलों में 680 धान अधिप्राप्ति केंद्र बनाया गया है, जिससे 102 राइस मिल को टैग किया गया है। पैक्स के माध्यम से धान की खरीद होगी और किसानों को राशि उपलब्ध कराने के लिए सरकार के द्वारा पैसा जिला स्तर तक उपलब्ध करा दिया गया है।

प्रोजेक्ट भवन में हुई बैठक में नगर विकास के प्रधान सचिव सुनील कुमार बोले-

राजधानी के सौंदर्यीकरण व विकास पर करना होगा फोकस

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को राजधानी के सौंदर्यीकरण और विकास को लेकर नगर विकास एवं आवास विभाग ने व्यापक योजना तैयार करने का निर्देश दिया है। प्रोजेक्ट भवन में हुई बैठक में प्रधान सचिव सुनील कुमार ने कहा कि रांची को उसकी गरिमा के अनुरूप विकसित करना सरकार की प्राथमिकता है। बैठक में जुडको द्वारा कचहरी चौक और उपायुक्त कार्यालय क्षेत्र के पुनर्विकास की योजना का प्रस्तुतिकरण किया गया। प्रधान सचिव ने कहा कि शहर के इस हृदयस्थल को बेहतर यातायात सुविधा, चौड़ी सड़कों, फुटपाथ निर्माण, ड्रेनेज प्रणाली और आधुनिक लाइटिंग के माध्यम से आकर्षक बनाया जाएगा। उपायुक्त कार्यालय से शारदा बाबू लेन, लाइन टैंक तालाब और अन्य संपर्क पथों को भी समेकित विकास योजना में शामिल किया गया है। प्रधान सचिव ने निर्देश दिया कि कचहरी क्षेत्र में जनसुविधाओं जैसे वॉकिंग मार्केट, पार्क, वृक्षारोपण और आधुनिक लाइटिंग का प्रावधान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही बेतरतीब फैले विद्युत तारों को सुव्यवस्थित करने के लिए ऊर्जा विभाग से समन्वय स्थापित करने को कहा गया। प्रधान सचिव ने कहा कि खाली सरकारी जमीन और पुराने भवनों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर उनकी उपयोगिता का अध्ययन किया जाए। इन इलाकों में 247 उपलब्ध जनसुविधाएं सुनिश्चित करने का प्रावधान किया जाएगा। बैठक में जुडको के परियोजना निदेशक (तकनीकी) गोपाल जी, महाप्रबंधक विनय कुमार, परियोजना प्रबंधक शितांशु वैभव, उप परियोजना प्रबंधक प्रत्युष आनंद और सुशांत सिन्हा ने भाग लिया।

अधिकारियों को निर्देश देते नगर विकास के प्रधान सचिव सुनील कुमार।

अन्य प्रमुख इलाकों के लिए भी बनेगी योजना

बैठक में अलबर्ट एक्का चौक, लालपुर चौक, डंगराटोली चौक, बरियातु चौक, रिम्स चौक, सुजाता चौक, शहीद चौक और करमटोली जैसे प्रमुख चौक-चौराहों के विकास और सौंदर्यीकरण की योजना भी तैयार करने के निर्देश दिए गए। इन्हें जोन में बांटकर प्राथमिकता के आधार पर काम किया जाएगा। जिससे किसी को कोई परेशानी नहीं होगी।

डीसी ने जनता दरबार में लोगों की सुनी समस्याएं

RANCHI : शुक्रवार को रांची डीसी मंजूनाथ भजन्त्री ने जनता दरबार में लोगों से मुलाकात की। वे जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र के लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं से अवगत हुए। सभी की समस्याओं को सुनते हुए उन्होंने आश्वस्त किया कि संज्ञान में आयी सभी शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द समाधान किया जाएगा। जनता दरबार में विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये, जो विभिन्न विभागों से संबंधित थे। सभी शिकायतकर्ता की समस्याओं को सुनने के बाद डीसी ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया कि सभी आवेदनों की भौतिक जांच करते हुए जल्द से जल्द समाधान करें।

सीएम बनते ही हेमंत की नीयत में आ गई खोट : बाबूलाल मरांडी

PHOTON NEWS RANCHI : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने एक बार फिर से राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने शुक्रवार को सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर ट्वीट कर कहा है कि मुख्यमंत्री बनते ही हेमंत सोरेन की नीयत में खोट आ गई है। चुनाव से पहले बेरोकटोक मुफ्त की रेवड़ी की तरह मंईयां सम्मान योजना की राशि बांटने वाली हेमंत सरकार अब महिलाओं से वसूली की तैयारी कर रही है। मरांडी ने लिखा है कि विभागों को विशेष दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं कि येन केन प्रकारेण योजना का लाभ उठाने वाली महिलाओं का नाम छांटकर लाभुकों की संख्या सीमित रखी जाए। उन्होंने लिखा है कि लाभुक सत्यापन के नाम पर महिलाओं को योजना के लाभ से वंचित रखने का प्रयास करने वाली हेमंत सरकार चुनाव के दरम्यान सभी महिलाओं को 2500 रुपये मासिक वित्तीय सहायता देने का दंभ भरती थी लेकिन सरकार बनते ही हेमंत सोरेन ने मंईयां सम्मान योजना में कई नई शर्तें थोप दीं हैं। मरांडी ने हेमंत सोरेन को कहा कि बिना जांच के पैसे देने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई हो, ना कि लाभुक महिलाओं पर।

एसटीएफ ने गौ तस्करी के रैकेट का किया भंडाफोड़

40 जोड़ी बैल किए गए बरामद, चार तस्कर भी पकड़ाए

PHOTON NEWS SERAIKELA: सरायकेला-खरसावां जिले के एसपी मुकेश कुमार लुणायत के निर्देश पर गठित एसटीएफ टीम ने गौ तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का खुलासा किया है। गुरुवार देर रात एसटीएफ ने कुचाई थाना क्षेत्र से तस्करी के लिए ले जाए जा रहे 40 जोड़ी बैलों को बरामद कर स्थानीय पुलिस को सौंप दिया।

यह कार्रवाई पूरी तरह गोपनीय रखी गई, जिसकी जानकारी स्थानीय पुलिस को भी नहीं दी गई थी। ऑपरेशन सफल होने के बाद एसटीएफ ने कुचाई थाना प्रभारी को मामले की सूचना दी और जब्त गोवंश समेत चार संदिग्ध तस्करों को भी सौंप दिया। हालांकि, अब तक इन तस्करों की गिरफ्तारी की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है।

थाना परिसर में रखे गए बैल • फोटोन न्यूज

ग्रामीण रास्तों से तस्करी का चलता है नेटवर्क

मिली जानकारी के अनुसार, पश्चिमी सिंहभूम के चक्रधरपुर से गौ तस्कर ग्रामीण रास्तों के जरिए टोकलो होते हुए सरायकेला-खरसावां जिले के कुचाई में प्रवेश करते हैं। इसके बाद खरसावां के रास्ते खूंटी की सीमा में पहुंचते हैं और रड़गांव होते हुए पुनः सरायकेला के ईचागढ़, चौका, चांडिल और नीमडीह जैसे इलाकों से गुजरकर बंगाल तक तस्करी को अंजाम देते हैं। इस नेटवर्क में मुख्य सरगना सामने नहीं आते, बल्कि ग्रामीणों के बीच में अपने नेटवर्क का संचालन करते हैं। यह नेटवर्क पुलिस और ग्रामीण मुखबिरों को मैनेज कर तस्करी को अंजाम देने में सहायक होता है। एसटीएफ की इस कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे के साथ-साथ तस्करों और उनके नेटवर्क में हड़कंप मच गया है।

रेल दुर्घटना में मरने वाले रेलकर्मचारियों को शहीद का दर्जा देने की मांग

JAMSHEDPUR : दक्षिण पूर्व रेलवे ओबीसी रेलवे कर्मचारी संघ ने ट्रेन दुर्घटना के दौरान अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए जान गंवाने वाले रेल कर्मियों को शहीद का दर्जा देने और उनके सम्मान में एक मेमोरियल का निर्माण कराने की मांग की है। महासचिव कृष्ण मोहन प्रसाद ने चक्रधरपुर के डीआरएम को सौंपे 7 सूत्री ज्ञापन में टाटा में निमार्णाधीन मल्टी डिसीप्लिनरी ट्रेनिंग सेंटर के लंबित कार्यों को अविलंब पूरा करके ट्रेनिंग सेंटर का शुरू करने, कोविड काल में ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले रेल कर्मियों व रेलगाड़ी परिचालन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त लोको पायलट, सहायक लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर एवं अन्य रेल कर्मचारियों को शहीद का दर्जा देते हुए उनके सम्मान में एक भव्य मेमोरियल का निर्माण की मांग की। उन्होंने सैकड़ो रेल कर्मियों के विगत कई वर्षों से लंबित टीए, ओटी, सीटीए व एचआरए का भी अविलंब भुगतान कराने, चक्रधरपुर रेल मंडल के परिचालन एवं संरक्षा से संबंधित समस्त खाली पदों पर कर्मचारियों का विलंब बहाली करने की मांग रखी।

चाईबासा के गुदड़ी में मवेशी चोरी के आरोप में लापता युवकों के परिजन आए सामने

कहा- जरूरत पड़ने पर करेंगे आंदोलन और कोर्ट में केस, प्रशासन नहीं कर रहा सहयोग

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम के गुदड़ी में कथित मवेशी चोरी के आरोप में ओडिशा के दो युवकों की हत्या की खबर के 5 दिन बाद भी दोनों युवकों का कोई पता नहीं चल पाया है। गुदड़ी के जंगली इलाकों में लगातार कैंप कर रही पुलिस व जिला प्रशासन के पदाधिकारियों को अब तक दोनों युवक का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। खास बात यह है कि पुलिस अब तक घटनास्थल भी नहीं पहुंच सकी है। इन सबके बीच शुक्रवार को दोनों युवकों के परिजन चक्रधरपुर में मीडिया के सामने आए। गुदड़ी से लापता शेख शादिल के भाई दाउद और शेख नाजिर के भाई समीरुद्दीन ने मीडिया से दोनों लापता युवकों को जल्द ढूंढ निकालने की मांग की। दोनों लापता युवकों के भाइयों ने कहा कि 5 दिन बाद भी उनके लापता भाइयों का कोई पता नहीं चलने से पूरा परिवार परेशान है। परिवार को हर पल अनहोनी की चिंता सता रही है। पुलिस को सुचना देने के बाद भी दोनों का सुराग ढूंढ निकालने में पुलिस नाकाम है। परिजनों का कहना है कि पुलिस भी उन्हें कोई जानकारी नहीं दे रही है। प्रशासन का कोई खास सहयोग उन्हें नहीं मिल पा रहा है। जैसे-जैसे दिन बीत रहा है, उनकी परेशानी भी बढ़ती जा रही है। लापता दोनों युवकों के भाइयों ने बताया कि उनके भाई मवेशी की खरीद-बिक्री करते हैं। उनका एक तरह से यह एक पुश्तैनी कारोबार है। शेख शादिल के भाई दाउद ने बताया कि उसने बीते सोमवार को घर से जाते समय अपनी पत्नी से कहा था कि वह झारखंड के आनंदपुर हाट बाजार में जा रहा है। उसे पता चला था कि आनंदपुर में मवेशी की कीमत कम है। इसलिए वह आनंदपुर जा रहा है। लेकिन आनंदपुर जाने के बाद वह नहीं लौटा, जिसके बाद उसी रात उसे फोन किया गया था। इसमें शेख शादिल का फोन स्विच ऑफ आया था।

दूसरे दिन भी घर नहीं लौटने पर उन्होंने गोइलकेरा थाना जाकर मामला दर्ज किया था। परिजनों ने ग्रामीणों द्वारा निर्दोष की पिटाई और उसकी जान ले लेने की प्रवृत्ति को भी घातक बताया और कहा कि उनके भाई निर्दोष हैं। उन्हें अगर बंधक बनाकर भी रखा है, तो उन्हें छोड़ दिया जाए।

पत्रकारों से अपनी बात रखते लापता युवकों के परिजन • फोटोन न्यूज

समाचार सार

घाटशिला कॉलेज में लगा मेगा 'अपार' शिविर

GHATSILA : घाटशिला कॉलेज में मेगा अपार शिविर शुक्रवार को लगाया गया। इस शिविर में इंटरमीडिएट 11वीं व 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को अपार आईडी की उपयोगिता के विषय में बताया गया। शिविर की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. आरके चौधरी ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि अंतरराष्ट्रीय हैंडबॉल कोच डॉ. हसन इमाम मल्लिक व बीआरसी के अधिकारी सम्मिलित थे। शिविर का संयोजन व संचालन इंटरमीडिएट इंचार्ज डॉ. एसके सिंह ने किया। प्राचार्य ने बताया कि अपार आईडी भारत के हर छात्र की पहचान होगी। इसमें उसके शैक्षणिक सभी प्रमाण पत्रों का दस्तावेज रहेगा। अपार आईडी अर्थात ऑटोमेटिक परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री को केंद्र सरकार के वन नेशन-वन स्टूडेंट आईडी योजना के तहत बनाया जा रहा है। इस योजना के तहत प्रत्येक छात्रों को 12 अंकों का एक यूनिक आईडी नंबर जारी किया जा रहा है, जिसे अपार आईडी का नाम दिया गया है।

एनएमएल के अविष्कारों से अवगत हुए कॉलेज छात्र

JAMSHEDPUR : बमार्माइंस स्थित सीएसआईआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला (एनएमएल), जमशेदपुर ने शुक्रवार को कॉलेज छात्रों के लिए सामग्री और धातुकर्म प्रक्रिया पर एकदिवसीय एक्सपोजर प्रशिक्षण का आयोजन किया। इसका उद्देश्य कॉलेज छात्रों के बीच वैज्ञानिक जागरूकता को बढ़ावा देना और उन्हें वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार की दुनिया से परिचित कराना है। यह कार्यक्रम सीएसआईआर-एकीकृत कौशल पहल कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया था। श्रीनाथ विश्वविद्यालय, जमशेदपुर के 30 छात्र और 17 छात्राओं ने एनएमएल का दौरा किया। उनके साथ कुल 3 संकाय थे। उद्घाटन कार्यक्रम की शुरूआत सीएसआईआर-एनएमएल के निदेशक डॉ. संदीप घोष चौधरी के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने विभिन्न तकनीकी विकास और अग्रणी कार्यों के माध्यम से पिछले 82 वर्षों के गौरव में हमारे राष्ट्र के विकास में सीएसआईआर के योगदान के बारे में संक्षेप में उल्लेख किया।

एमसीसी चाईबासा ने लारसन क्लब को हराया

CHAIBASA : शिवम कुमार (95 रन) एवं जयप्रकाश राजपूत (73 रन) की शानदार बल्लेबाजी एवं ललित सिंह की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत मिडिलसेक्स क्रिकेट क्लब चाईबासा ने एकतरफा मुकाबले में लारसन क्लब चाईबासा को छह विकेट से पराजित कर पूरे चार अंक हासिल किए। आज की जीत के साथ ही एमसीसी की टीम अंक तालिका में पहले स्थान पर पहुंच गई है। चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम मैदान पर खेले गए आज के मैच में टॉस मिडिलसेक्स क्रिकेट क्लब के कप्तान अनुराग संजय पुर्ति ने जीता तथा विपक्षी टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया।

शिविर में 246 यूनिट रक्त संग्रहित

JAMSHEDPUR : टाटा स्टील यूआईएसएल ने धतकीडीह स्थित जमशेदपुर ब्लड सेंटर में शुक्रवार को रक्तदान शिविर लगाया, जिसमें 246 यूनिट रक्त संग्रह हुआ। कंपनी के एमडी ऋतुराज सिन्हा व जुस्को श्रमिक यूनियन के अध्यक्ष रघुनाथ पांडे ने रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया। शिविर का आयोजन कंपनी की जेयूसी सर्विसेज टीम द्वारा किया गया था।

BLOOD DONATION

लालडीह में तीन दिवसीय सत्संग शुरू

GHATSILA : रामाश्रम सत्संग मथुरा की ओर से घाटशिला के लालडीह स्थित दुर्गा मंडप में आंतरिक सत्संग समारोह का आयोजन शुक्रवार से किया जा रहा है। इस संबंध में घाटशिला महाविद्यालय के सेवानिवृत शिक्षक सह सत्संग के आयोजन समिति के सदस्य प्रो. मदन मोहन प्रसाद ने बताया कि जीवन के लिए आत्मज्ञान प्राप्त करना आवश्यक है।

टाटा-हटिया समेत 11 ट्रेनें कल रहेंगी रद्द

JAMSHEDPUR : आद्रा रेल मंडल में विकासात्मक कार्यों के कारण टाटानगर से होकर चलने वाली कई 11 ट्रेनों को 15 दिसंबर को रद्द किया गया है। इसमें टाटानगर-हटिया-टाटानगर एक्सप्रेस, टाटा-बिलासपुर एक्सप्रेस, आसनसोल-टाटानगर-आसनसोल एक्सप्रेस, टाटा-बरकाकाना-टाटा एक्सप्रेस, झाड़ग्राम-पुरुलिया-झाड़ग्राम एक्सप्रेस व आसनसोल-टाटा-आसनसोल मेमू शामिल है। इसके अलावा 16 व 19 दिसंबर को झाड़ग्राम-पुरुलिया-झाड़ग्राम मेमू स्पेशल पुरुलिया और धनबाद-टाटा-धनबाद आद्रा में शॉर्ट टर्मिनेट रहेगी।

सभी प्रखंडों व नगर निकाय के लिए बनाए गए नोडल पदाधिकारी

हर शनिवार को करेंगे क्षेत्र भ्रमण, शुक्रवार को बताया जाएगा स्थल

PHOTON NEWS JSR: समाहरणालय सभागार में उपायुक्त अनन्य मित्तल ने जिले के सभी 11 प्रखंडों व 3 नगर निकायों के लिए नोडल पदाधिकारी बनाए हैं। उन्होंने उनके साथ शुक्रवार को बैठक कर दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार की जन कल्याकारी योजनाओं का लाभ सुयोग्य लोगों को मिल रहा है या नहीं, इसकी जांच करें, विद्यालयों में पठन-पाठन व अन्य पाठ्येत्तर गतिविधियां, स्वास्थ्य सुविधा, खाद्य वितरण, संबंधित पंचायत में कृषि व बागवानी क्षेत्र की संभावनाओं, माताओं व बच्चों का ससमय टीकाकरण, जल जीवन मिशन की स्थिति, मनरेगा, पेंशन, झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना व अन्य विकास कार्यों की धरातल पर स्थिति से अवगत होते हुए रिपोर्ट करेंगे। पंचायत स्तर पर सरकार की संस्थाएं एवं उनके माध्यम से लोगों को दी जा रही बुनियादी सेवाएं, सुविधाएं तथा कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन किस तरीके से धरातल पर हो रहा है, इसकी वस्तुस्थिति की जानकारी हासिल करने के उद्देश्य से जिला स्तर के नोडल पदाधिकारियों को क्षेत्र में भेजा जा रहा है। नोडल पदाधिकारियों को शनिवार को क्षेत्र भ्रमण करना है, लेकिन उन्हें किस पंचायत में जाना है, यह एक दिन पहले बताया जाएगा।

समाहरणालय में नोडल पदाधिकारियों के साथ बैठक करते उपायुक्त अनन्य मित्तल

प्रखंडों व नगर निकायों के नोडल पदाधिकारी

- उप विकास आयुक्त- गोलमुरी सह जुगसलाई (जमशेदपुर)
- परियोजना निदेशक आईटीडीए- घाटशिला
- अपर उपायुक्त- पटमदा
- निदेशक एनईपी- गुड़ाबांदा
- विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी- धालभूमगढ़
- अपर जिला दण्डाधिकारी (विधि व्यवस्था)- मुसाबनी
- जिला आपूर्ति पदाधिकारी- डुमरिया
- अनुमंडल पदाधिकारी, धालभूम-बोड़ाम
- अनुमंडल पदाधिकारी, घाटशिला-चाकुलिया
- भूमि सुधार उप समाहर्ता, घाटशिला-बहरागोड़ा
- भूमि सुधार उप समाहर्ता, धालभूम-पोटका
- जिला पंचायती राज पदाधिकारी-जमशेदपुर अक्षेस
- जिला भू-अर्जन पदाधिकारी- मानगो नगर निगम
- जिला परिवहन पदाधिकारी-जुगसलाई नगर परिषद

बिचौलियों से सावधान, किसान लैंपस में ही बेचें धान : उपायुक्त

JAMSHEDPUR : खरीफ विपणन मौसम 2024-25 में 15 दिसंबर से धान खरीद प्रारंभ होनी है। इसकी सभी प्रारंभिक तैयारी कर ली गई है। राइस मिलरों को टैग करते हुए अधिप्राप्ति केन्द्रों पर आवश्यक उपकरणों का अधिष्ठापन, अधिप्राप्ति केन्द्रों पर मानव बलों की प्रतिनियुक्ति आदि की जा चुकी है। बता दें कि इस वर्ष किसानों से क्रय किए जाने वाले धान के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 रुपये प्रति क्विंटल की दर एवं बोनस 100 रुपये प्रति क्विटल की दर से भुगतान किया जाना है। उपायुक्त अनन्य मित्तल ने सभी किसानों से अपील की है कि बिचौलियों के माध्यम से खुले बाजार में न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम मूल्य पर धान की बिक्री नहीं करें, आपके प्रखंड में नजदीकी लैंपस में ही धान की बिक्री करें। धान अधिप्राप्ति के लिए निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य एवं राज्य सरकार द्वारा बोनस घोषित किया गया है, इसका लाभ उठाएं और उचित दाम पर ही अपने उत्पाद की बिक्री करें। उपायुक्त ने जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी एवं कृषक मित्रों को किसानों के बीच व्यापक स्तर पर इस संबंध में जागरूकता लाने का निर्देश दिया है।

उपायुक्त अनन्य मित्तल

कल से होगी धान खरीद पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन जरूरी

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम सहित पूरे झारखंड में 15 दिसंबर से सरकारी स्तर पर धान की खरीदारी शुरू हो जाएगी। पश्चिमी सिंहभूम जिले के लिए धान अधिप्राप्ति का लक्ष्य राज्य सरकार ने 3 लाख क्विंटल निर्धारित किया है। जिला आपूर्ति पदाधिकारी सुनीला खलखो ने शुक्रवार को पत्रकारों से कहा कि जिले के सभी 18 प्रखंडों को 17 लैंप्स से टैग किया गया है। लैंप्स में वही किसान धान बेच सकते हैं, जिन्होंने उपार्जन पोर्टल पर निबंधन कराया है। जिन किसानों का निबंधन नहीं हुआ है, वे अपने प्रखंड कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं इसके लिए हर प्रखंड को 1-1 हजार फॉर्म भेजा गया है। हालांकि ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन भी किया जा सकता है। डीएसओ ने कहा कि एक किसान अधिकतम 200 क्विंटल धान ही बेच सकते हैं। साधारण धान के लिए 2300 और ए ग्रेड धान के लिए सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य 2400 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। साधारण धान के लिए 100 रुपये और ए ग्रेड धान के लिए 20 रुपये बोनस भी निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि लैंप्स में ई-पॉश मशीन के जरिए धान की खरीद होगी और खरीद के 24 घंटे के अंदर किसान को 50 फीसद राशि का भुगतान बैंक खाते में कर दिया जाएगा। पिछले वर्ष सभी किसानों को समय से भुगतान कर दिया गया था, जिसके कारण एक भी शिकायत सामने नहीं आई।

जिला आपूर्ति पदाधिकारी सुनीला खलखो

अग्रवाल सम्मेलन के मामले की सुनवाई में गोल्डी रहे अनुपस्थित

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिला अग्रवाल सम्मेलन में अध्यक्ष पद को लेकर दायर याचिका पर शुक्रवार को एसडीओ ने सुनवाई की। इसमें जिला कमेटी द्वारा निर्वाचित अध्यक्ष अभिषेक अग्रवाल गोल्डी अनुपस्थित रहे, जबकि राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा मनोनीत जिला अध्यक्ष सुशील कुमार अग्रवाल ने कहा संविधान के अनुसार, अगर मेरा मनोनयन गलत है, तो जिला में कराई गई चुनावी प्रक्रिया भी पूर्णतः अवैध है, क्योंकि चुनाव पदाधिकारी नियुक्त करने का अधिकार प्रदेश अध्यक्ष का है। झारखंड में इस समय कोई प्रदेश अध्यक्ष ही नहीं है। संदीप मुरारका ने भी अपना पक्ष रखा। वहीं, शिकायतकर्ता धर्म चंद्र पोद्दार ने कहा कि यह अत्यंत ही दुखद स्थिति है कि अग्रवाल समाज में कुछ लोग सदैव पद पर रहना चाहते हैं। यहां समाजसेवा नहीं बल्कि व्यापार हो गया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा जिला अध्यक्ष का मनोनयन एवं जिला में चुनावी प्रक्रिया दोनों ही संविधानिक रूप से अवैध है और इसे निरस्त किया जाना चाहिए।

पदभार संभालते ही एक्शन मोड में आए मंत्री, शिक्षा सुधारों पर दिया जोर

PHOTON NEWS JSR: राज्य के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने पदभार संभालते ही शिक्षा व्यवस्था को सुधारने की दिशा में कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। शुक्रवार को उन्होंने परिसदन में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान उन्होंने छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। बैठक के बाद मंत्री ने साकची स्थित सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस का दौरा किया। इस दौरान मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग में मौजूद खामियों को अगले 15 दिनों के भीतर दूर कर लिया जाएगा। साथ ही, उन्होंने नई शिक्षकों की बहाली जल्द से जल्द शुरू करने का आश्वासन दिया।

परिसदन में बैठक करते शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन • फोटोन न्यूज

ड्रॉपआउट छात्रों पर विशेष फोकस

रामदास सोरेन ने अपने दौरे में उन स्कूलों पर भी ध्यान दिया, जहां ड्रॉपआउट छात्रों की संख्या अधिक पाई गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे इस समस्या के पीछे के कारणों का पता लगाएं और छात्रों के अभिभावकों से पूरी जानकारी इकट्ठा कर विभाग को सौंपें।

मुख्यमंत्री का ड्रीम प्रोजेक्ट है सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस

सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस को लेकर मंत्री ने कहा कि यह मुख्यमंत्री का ड्रीम प्रोजेक्ट है। वर्तमान में इन स्कूलों की संख्या को राज्य भर में बढ़ाने की योजना है, जिसे अगले पांच वर्षों में पूरा कर लिया जाएगा। यह पहल छात्रों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

शिक्षा व पर्यावरण पर दो दिनों तक हुआ मंथन, देश-विदेश के विशेषज्ञों ने रखे विचार

टाटा स्टील के धुएं से नहीं फैलता प्रदूषण : ऋतुराज सिन्हा

PHOTON NEWS JSR : कदमा स्थित डीबीएस कॉलेज ऑफ एजुकेशन में शिक्षा व पर्यावरण पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस हुआ। इसके अंतिम दिन मुख्य अतिथि विधायक सरयू राय व टाटा स्टील यूएसआईएल के एमडी ऋतुराज सिन्हा ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। ऋतुराज सिन्हा ने विभिन्न स्कूलों और कॉलेज से आए छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि टाटा स्टील के बारे में यह गलत धारणा है कि कारखाने के धुएं से प्रदूषण फैल रहा है। यह ऐसा धुआं है, जिससे प्रदूषण नहीं फैलता है। उद्घाटन सत्र के बाद की- नोट स्पीकर बीएचयू के प्रोफेसर आशीष श्रीवास्तव ने शिक्षा जगत की कमियों के विषय में चर्चा करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में यह सुविधा है कि छात्र स्वयं अपने पाठ्यक्रम का चयन करें। उनके ऊपर किसी भी पाठ्यक्रम को थोपना नहीं चाहिए। उन्होंने लर्निंग बास्केट क्रिएट करने की बात बताई, जिसमें मानसिक विकास अधिक होगा और छात्र क्रिटिकल सोच को विकसित कर पाएंगे। प्रो. आशीष ने कहा कि पाठ्यक्रम को बनाने में हमने उसे बहुत भारी बना दिया है। प्रो. आशीष ने पंचभूत को पाठ्यक्रम में शामिल करने की बात कही पंचकोषीय अवधारणा से प्रत्येक छात्र को अवगत होना चाहिए।

दूसरे की-नोट स्पीकर जॉन हापकिंस यूनिवर्सिटी अमेरिका से आए डॉ. अप्रतिम सहाय ने कहा कि यदि चीन 20 वर्षों में अपने पर्यावरण में अत्यधिक सुधार ला सकता है, तो भारत क्यों नहीं। सन 2002 में चीन और भारत की जीडीपी आसपास थी, लेकिन आज चीन भारत से बहुत आगे निकल गया है। उनकी ग्रीन नीति को हमें अपनाना चाहिए, जिसमें शिक्षा स्वास्थ्य और पोषण में बहुत जोर दिया गया है हमारे भारत की शिक्षा में ह्यूमैनिटीज कानून और बिजनेस पर ज्यादा फोकस दिया गया, स्वास्थ्य और शिक्षा कम हो गई।

स्वास्थ्यवर्धक भोजन से ही हम अधिक स्वस्थ रहेंगे और अपने देश के लिए अधिक काम कर सकेंगे। बीमारी को दूर करने का भी यह तरीका है। उन्होंने कहा कि केवल दिल्ली ही नहीं पूरा इंडो गंगेटिक प्लेन प्रदूषण से अत्यधिक प्रभावित है। एक्यूआई हमारी उम्र चार से आठ साल कम कर रहा है। हमें शिक्षण नीतियों को बदलने की जरूरत है।

INTERNATIONAL CONFERENCE ON
HARNESSING THE POWER OF EDUCATION TO EMBRACE AND ADOPT GREEN INITIATIVES
13th & 14th December
TATA STEEL
डीबीएमएस के कार्यक्रम में केयर जर्नल का लोकार्पण करते अतिथि • फोटोन न्यूज

प्रस्तुत किए गए 50 शोध पत्र

अंतिम दिन कुल 50 शोध पत्र 7 सत्रों में प्रस्तुत किए गए, जिसमें विभिन्न शोधकताओं ने अपने विचार रखे। इन पत्रों को यूजीसी केयर जर्नल में प्रकाशित किया गया, जिसका विमोचन मुख्य अतिथि विधायक सरयू राय, विशिष्ट अतिथि संजीव आनंद व ऋतुराज सिन्हा ने किया।

नुकसान भी पहुंचा सकता है हल्दी वाला दूध

हल्दी वाला दूध पीकर ज्यादातर लोग अपनी ओवरऑल हेल्थ को काफी हद तक इम्प्रूव कर सकते हैं। लेकिन कुछ लोगों के लिए हल्दी वाला दूध नुकसानदायक साबित हो सकता है। लोग दादी-नानी के जमाने से हल्दी वाले दूध को सेहत के लिए वरदान मानते हैं। हालांकि, ज्यादा हल्दी वाला दूध पीने से आपकी सेहत पर पॉजिटिव असर की जगह नेगेटिव असर भी पड़ सकता है। आइए जानते हैं कि किन लोगों को हल्दी वाला दूध पीने से बचना चाहिए।

गट हेल्थ पर पड़ सकता है बुरा असर

जिन लोगों को गैस या फिर ब्लोटिंग जैसी पेट से जुड़ी समस्या रहती है, उन्हें हल्दी वाले दूध को अपनी डाइट का हिस्सा नहीं बनाना चाहिए। हल्दी वाले दूध में पाए जाने वाले तत्व आपकी इस समस्या को बढ़ाने का काम कर सकते हैं। इसके अलावा डायबिटीज जैसी साइलेंट किलर बीमारी के मरीजों को भी डॉक्टर की सलाह लिए बिना हल्दी वाला दूध नहीं पीना चाहिए।

ब्लड प्रेशर के पेशेंट्स

अगर आपको अक्सर लो ब्लड प्रेशर रहता है, तो आपके लिए हल्दी वाला दूध काफी ज्यादा हानिकारक साबित हो सकता है। हल्दी वाला दूध ब्लड प्रेशर को और ज्यादा लो कर सकता है। इसके अलावा अगर आपको दूध से एलर्जी है, तो भी आपको हल्दी वाले दूध को अपने डाइट प्लान में शामिल करने से बचना चाहिए वरना आपकी सेहत को लेने के देने भी पड़ सकते हैं।

गौर करने वाली बात

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि बरसाती मौसम में भी हल्दी वाला दूध पीने से बचना चाहिए। आयुर्वेद के मुताबिक हल्दी वाला दूध आपके लिए तभी फायदेमंद साबित हो सकता है, जब आप इसका सेवन लिमिट में रहकर करें। दरअसल, किसी भी चीज को जरूरत से ज्यादा मात्रा में कंज्यूम करने से आपकी सेहत बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है।

काफी ज्यादा दर्दनाक हो सकती है विटामिन डी की कमी

शरीर में पोषक तत्वों की कमी सेहत को बुरी तरह से डैमेज कर सकती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि विटामिन डी का नाम भी पोषक तत्वों की इस लिस्ट में शामिल किया जाता है। अगर आपके शरीर में विटामिन डी की कमी पैदा हो जाए, तो आपको लेने के देने भी पड़ सकते हैं। विटामिन डी की डेफिशिएंसी आपकी बॉडी को अंदर से खोखला कर सकती है। हालांकि, आप हेल्दी लाइफस्टाइल और खानपान को फॉलो कर इस विटामिन की कमी को पैदा होने से रोक सकते हैं।

अगर आप अपने शरीर में इस विटामिन की कमी को पैदा होने से रोकना चाहते हैं तो आपको अपने डाइट प्लान में खाने की कुछ चीजों को जरूर शामिल कर लेना चाहिए। फिश, अंडा और मशरूम खाने से आप विटामिन डी की डेफिशिएंसी के पैदा होने के खतरे को कम कर सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि सोया में भी विटामिन डी की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है इसलिए इसे भी डाइट का हिस्सा बनाया जा सकता है।

स्वाद में कड़वा लेकिन गुणों की खान है करेला

स्वाद में कड़वा जहर जैसा लगने वाला करेला सेहत के लिए वरदान से कम नहीं है। कुछ लोगों को करेला खाना बिल्कुल पसंद नहीं होता है। क्योंकि इसका स्वाद कड़वा होता है। आपको बता दें जितना कड़वा करेला स्वाद में होता है शरीर के लिए उतना ही ज्यादेमंद है। दरअसल करेला में ऐसे पोषक तत्त्व पाए जाते हैं जो डायबिटीज और कई दूसरी बीमारियों में असरदार काम करते हैं। भले ही सब्जी के रूप में करेला आपको पसंद न हो लेकिन इसे दवा समझकर ही अपनी डाइट में शामिल कर लें। आचार्य बालकृष्ण की मानें तो करेले का उपयोग सिर्फ खाने में ही नहीं बल्कि लगाने में भी किया जाता है। आइये जानते हैं करेला कौन सी बीमारियों में फायदा करता है और इसका सेवन कैसे करें?

डैंड्रफ दूर

झकुछ लोगों को डैंड्रफ यानि रूसी की समस्या रहती है। उनके लिए करेला का रस फायदेमंद हो सकता है। डैंड्रफ हटाने के लिए आप करेले के जूस का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए करेले के पत्तों का रस निकालकर बालों पर लगा लें। आप इस जूस में थोड़ी हल्की मिलाकर उपयोग करें डैंड्रफ से छुटकारा मिल जाएगा।

सिरदर्द में आराम

झअगर आपको हमेशा सिरदर्द की परेशानी होती है तो आप करेले की पत्तियों को पीस कर इसका रल सिर में लगाएं। इस रस को अपने माथे पर लगा लें और सिर पर मालिश जैसी कर लें। काफी राहत मिलेगी।

मुंह के छाले दूर करे

अक्सर गर्मियों में मुंह में छाले हो जाते हैं। जिससे खाने पीने में परेशानी होती है। ऐसे में आप कई तरह के नुस्खों का उपयोग करते है, लेकिन उनका कोई खास आराम नहीं मिलता है। आप एक बार करेले का रस छालों पर लगा लें। इससे काफी फायदा मिलेगा। रस लगाने के बाद लार को बाहर निकलने दें और कुछ देर मुंह खोलकर लटकाए रखें। छाले 1 दिन में ही ठीक हो जाएंगे।

पथरी दूर करे

झ करेले का जूस पीने से पथरी के मरीज को आराम मिलता है। जिन लोगों को पथरी की परेशानी है, उन्हें करेले का रस जरूर पीना चाहिए। इससे पथरी को नेचुरली निकालने में मदद मिलती है।

घुटनों के दर्द में फायदेमंद

जिन लोगों को अक्सर घुटनों में दर्द होता रहता है। ऐसे लोग भी करेला का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए कच्चे करेले को आग में भून लें। अब करेला को मसल लें और रुई में लपेट कर घुटने में बांध लें। इससे जोड़ों और घुटने के दर्द में काफी आराम मिलेगा।

लटकती तोंद

हो जाएगी अंदर, बस रात को पिएं ये 5 ड्रिंक्स

हमारी लाइफस्टाइल के कारण बेली फैट बढ़ना एक आम समस्या बन चुकी है। कई लोग पेट की चर्बी बढ़ने की समस्या से परेशान रहते हैं। इसके लिए वे कई तरह की डाइट भी ट्राई करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ ऐसी ड्रिंक्स हैं, जिन्हें रात के समय पीने से बेली फैट कम करने में काफी मदद मिल सकती है। यहां हम उन्हीं ड्रिंक्स के बारे में जानेंगे, जो आपके पेट पर जमा जिद्दी चर्बी को पिघलाने में आपकी मदद कर सकते हैं। आइए जानें क्या हैं वे ड्रिंक्स।

ये ड्रिंक्स नेचुरल चीजों से बनती हैं, जो मेटाबॉलिज्म को तेज बनाने में मदद करते हैं। इसलिए इन्हें पीने से फैट बर्न करने में सहायता मिलती है और पाचन भी दुरुस्त रहता है। इन कारणों से ये ड्रिंक्स बेली फैट घटाने में काफी फायदेमंद साबित हो सकती हैं।

सोने से पहले कौन-से ड्रिंक्स पेट कम करने में मदद कर सकते हैं?

ग्रीन टी- ग्रीन टी में एंटीऑक्सीडेंट्स और कैटेचिन होते हैं, जो मेटाबॉलिज्म को बढ़ाते हैं और फैट बर्निंग को बढ़ावा देते हैं। सोने से पहले एक कप ग्रीन टी पीने से आपको रात भर कैलोरी बर्न करने में मदद मिल सकती है।

अदरक की चाय- अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। यह पाचन को बेहतर बनाता है और पेट की चर्बी कम करने में मदद करता है। सोने से पहले एक कप अदरक की चाय पीने से आपको रात भर आरामदायक नींद आएगी।

दालचीनी पानी- दालचीनी में मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने वाले गुण होते हैं। यह ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में भी मदद करता है। सोने से पहले एक गिलास गर्म पानी में थोड़ी-सी दालचीनी पाउडर मिलाकर पीने से आपको वजन कम करने में मदद मिल सकती है।

नींबू पानी- नींबू में विटामिन-सी होता है, जो इम्युनिटी को बढ़ाता है और मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाता है। सोने से पहले एक गिलास गर्म पानी में नींबू का रस मिलाकर पीने से आपको डिटॉक्सिफिकेशन में मदद मिल सकती है।

पुदीने की चाय- पुदीना पाचन को बेहतर बनाता है और पेट की गैस को कम करता है। सोने से पहले एक कप पुदीने की चाय पीने से आपको आरामदायक नींद आएगी।

बेली फैट कम करने के लिए कौन-सी ड्रिंक्स पीने से बचना चाहिए?

शराब- शराब पीने से कैलोरी की मात्रा बढ़ जाती है और वजन बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है।

कॉफी और चाय- कॉफी और चाय में कैफीन होता है, जो नींद आने में बाधा बन सकती हैं, जिस वजह से वजन बढ़ सकता है।

कार्बोनेटेड ड्रिंक्स- कार्बोनेटेड ड्रिंक्स में शुगर और कैलोरी की मात्रा ज्यादा होती है, जिससे वजन बढ़ सकता है।

पैकेट वाले जूस- जूस में फ्रक्टोज होता है, जो वजन बढ़ने का कारण बन सकता है।

सर्दी में नुकसानदायक साबित हो सकती हैं खाने की ये चीजें

सर्दियों में लोगों को अक्सर सर्दी, खांसी और जुकाम की समस्या का सामना करना पड़ता है। खांसी के साथ-साथ कफ और बलगम भी लोगों की उलझन का कारण बन जाता है। क्या आप जानते हैं कि खाने की कुछ चीजों का सेवन करने की वजह से बलगम की समस्या बढ़ सकती है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक हिस्टामाइन से भरपूर फूड आइटम्स बलगम के प्रोडक्शन को बढ़ा सकते हैं। यही वजह है कि बलगम की समस्या से जूझ रहे लोगों को इन चीजों को खाने से बचना चाहिए।

मेयोनीज- अगर आप बलगम की समस्या को बढ़ने नहीं देना चाहते, तो आपको मेयोनीज का सेवन नहीं करना चाहिए। मेयोनीज आपकी बॉडी में हिस्टामाइन रिलीज करने का कारण बन सकती है जिसकी वजह से बलगम की समस्या बढ़ सकती है।

खट्टे फल- हेल्थ एक्सपर्ट्स सर्दी, खांसी और जुकाम से जूझ रहे मरीजों को खट्टे फल न खाने की सलाह देते हैं। खट्टे फलों को खाकर गले से जुड़ी समस्याएं काफी हद तक बढ़ सकती हैं।

चॉकलेट/कॉफी- क्या आप जानते हैं कि चॉकलेट या फिर कॉफी जैसी चीजें बलगम के प्रोडक्शन बढ़ाने का काम कर सकती हैं। इसके अलावा आपको प्रोसेस्ड मीट्स का सेवन करने से भी बचना चाहिए वरना आपकी बलगम की समस्या काफी ज्यादा बढ़ सकती है।

तला हुआ खाना- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि तला हुआ खाना भी बलगम की समस्या को बढ़ाने का काम कर सकता है। इसलिए सर्दी, खांसी या फिर जुकाम जैसी समस्याओं को ठीक करने के लिए तला हुआ खाना न खाएं।

दही- अगर आप बलगम की समस्या से जूझ रहे हैं, तो आपको दही को अपनी डेली डाइट में शामिल करने से बचना चाहिए। दही बलगम के प्रोडक्शन को बढ़ाने का काम करता है जिसकी वजह से आपको लेने के देने भी पड़ सकते हैं।

यूरिक एसिड कंट्रोल करने में ये जड़ी-बूटी है फायदेमंद

भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग हल्के-फुल्के दर्द को गंभीरता से न लेते हुए नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसा ही एक दर्द है, पैरों की एड़ी में अचानक शुरू हुआ दर्द और उससे जुड़ी हुई सूजन, जिसकी मुख्य वजह है बढ़ा हुआ यूरिक एसिड। अगर समय रहते इसे कंट्रोल न किया जाए तो कई स्वास्थ्य समस्याएं होने लगती हैं, जैसे, गठिया, शुगर, जोड़ों से दर्द, सूजन आदि शामिल हैं। यहां तक की किडनी में स्टोन और किडनी के फेल होने का खतरा भी बढ़ जाता है। इसलिए यूरिक एसिड को कंट्रोल करना बेहद ही जरूरी होता है। ऐसे में दवाइयों के अलावा कुछ आयुर्वेद अपनाने के साथ ही खान-पान में थोड़े बदलाव कर आप यूरिक एसिड के लेवल को कम कर सकते हैं। इसी आयुर्वेद में से एक गिलोय है। आइए जानते हैं गिलोय किस तरह से यूरिक एसिड के लेवल को कम करने में असरदार है।

यूरिक एसिड कंट्रोल करेगा गिलोय-

गिलोय एक आयुर्वेदिक जड़ी बूटी है। ये कई बीमारियों में असरदार है। अगर आप यूरिक एसिड की समस्या से जूझ रहे हैं तो गिलोय इस समस्या को भी कंट्रोल करने में कारगर है। इसमें गिलोय में अधिक मात्रा में एंटी-इंफ्लेमेटरी तत्व पाएं जाते हैं जो यूरिक एसिड के लक्षणों को कम करता है। इसके लिए बस आपको इसके इस्तेमाल के सही तरीके की जानकारी होनी चाहिए।

यूरिक एसिड से पीड़ित मरीज इस तरह करें गिलोय का इस्तेमाल

रोजाना गिलोय का इस्तेमाल करना लाभकारी होगा। इसके लिए सबसे पहले गिलोय की ताजी पत्तियों और तने को तोड़ लें। उसके बाद इसे रात भर भिगोकर रख दें। अगले सुबह इसे पीस लें। उसके बाद 1 गिलास पानी और इस पाउडर को पैन में डालें और गैस पर चढ़ा दें। अब इसे आधा होने तक उबालें। उसके बाद इसे छानकर पी लें।

सर्दी में रोज दूध के साथ खाएं एक गोंद का लड्डू

सर्दियों का मौसम आ चुका है। ठंड के मौसम में शरीर को गर्म और तंदुरुस्त रखना जरूरी होता है, ताकि सर्दियों में होने वाली बीमारियों से बचा जा सके। इसलिए इस मौसम में गोंद के लड्डू खाना काफी फायदेमंद होता है।

गोंद में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जिसके कारण ये सेहत के लिए काफी फायदेमंद माने जाते हैं।

साथ ही, इससे बने लड्डुओं में घी और सूखे मेवे यानी ड्राई फ्रूट्स भी डाले जाते हैं, जो शरीर को गर्म रखते हैं और पोषण देते हैं। इसलिए सर्दी के मौसम में रोज एक गोंद के लड्डू खाना आपकी सेहत के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। यहां हम गोंद के लड्डू बनाने की रेसिपी बताने वाले हैं, जिसे फॉलो करके आप आसानी से घर पर इन्हें बना सकते हैं।

गोंद के लड्डू बनाने की विधि

सामग्री - गोंद - 100 ग्राम
सूखा मेवा (बादाम, काजू, किशमिश) - 100 ग्राम
घी - 100 ग्राम, गेहूं का आटा - 250 ग्राम
चीनी - 200 ग्राम, इलायची पाउडर - 1/2 चम्मच
सूखी अदरक पाउडर - 1/4 चम्मच
एक पैन में घी गर्म करें और उसमें गोंद डालकर सुनहरा होने तक भून लें।
एक अलग पैन में सूखे मेवे को हल्का-सा भून लें।
एक कड़ाही में गेहूं का आटा हल्का सुनहरा होने तक भून लें।
भूने हुए गोंद, सूखे मेवे, आटा, चीनी, इलायची पाउडर और सूखी अदरक पाउडर को एक बर्तन में मिला लें।

इस मिश्रण में थोड़ा-थोड़ा घी डालकर अच्छी तरह मिलाएं और फिर छोटे-छोटे लड्डू बना लें।

लड्डू को ठंडा करके एयरटाइट कंटेनर में स्टोर करें।

गोंद के लड्डू खाने के फायदे

हड्डियों को मजबूत बनाते हैं- गोंद में कैल्शियम और मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

जोड़ों के दर्द में आराम- गोंद में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो जोड़ों के दर्द और सूजन को कम करने में मदद करते हैं।

पाचन तंत्र को दुरुस्त करते हैं- गोंद पाचन को बेहतर बनाने में मदद करता है और कब्ज की समस्या से राहत दिलाता है।

इम्युनिटी बढ़ाते हैं- गोंद में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो इम्युनिटी को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

सर्दी-खांसी में लाभकारी- गोंद गले की खराश और खांसी में आराम दिलाता है।

एनर्जी देते हैं- गोंद में कार्बोहाइड्रेट्स होते हैं, जो शरीर को एनर्जी देते हैं।

किन लोगों को गोंद के लड्डू नहीं खाने चाहिए?

डायबिटीज के मरीज- चीनी की मात्रा ज्यादा होने के कारण डायबिटीज के मरीजों को गोंद के लड्डू सीमित मात्रा में या नहीं ही खाने चाहिए।

मोटापे से पीड़ित लोग- कैलोरी की मात्रा ज्यादा होने के कारण मोटापे से पीड़ित लोगों को गोंद के लड्डू कम मात्रा में ही खाने चाहिए।

लो इम्यूनिटी को तेजी से बूस्ट करता है गुड़

खांसी जुकाम में गुड़ खाने के फायदे- मौसमी इंफेक्शन और खांसी जुकाम में अक्सर कहा जाता है गुड़ खा लो। आज से नहीं दादी-नानी के जमाने से गुड़ को इम्यूनिटी बूस्टर फूड्स के रूप में देखा जाता है। लोग इसे अजवाइन के साथ लेते हैं। गुड़ का शरबत पीते हैं, गुड़ की चाय लेते हैं और फिर आप गुड़ को गर्म पानी के साथ कई प्रकार से ले सकते हैं। पर समझने वाली बात ये है कि गुड़ इम्यूनिटी बूस्ट क्यों और कैसे, जानते हैं इसके तमाम उन खास गुणों के बारे में जो हमें बीमारियों से बचा सकते हैं। गर्मी पैदा करता है गुड़- गुड़ की खास बात ये है कि इसे खाने से शरीर में गर्मी बढ़ती है। ये आपके शरीर के तमाम अंगों को एनर्जी देता है और मौसमी बदलाव के साथ शरीर को बीमारियों से बचाने में मदद करता है। इसके अलावा ये शरीर के बाहरी और अंदरूनी तापमान के बीच एक संतुलन बनाने में मदद करता है जिससे आप अचानक मौसम में आए बदलाव के कारण बीमार नहीं पड़ते। गुड़ है एंटी इंफ्लेमेटरी है- गुड़ एंटी बैतक्टीरियल गुणों से भरपूर है और शरीर में सूजन को रोकने मे मदद करता है। इस वजह से सर्दी-जुकाम में इसे खाना फायदेमंद हो जाता है। इससे गले की खराश समेत कई समस्याओं में कमी आती है। इसके अलावा सिर दर्द और कमजोरी में भी ये मददगार है क्योंकि गुड़ में आयरन है और ये आयरन रेड ब्लड सेल्स को बढ़ावा देता है।

गुड़ इम्यूनिटी बूस्टर है- गुड़ एंटीबैक्टीरियल है। ये टी सेल्स को बढ़ावा देता है और शरीर को मौसमी इंफेक्शन से बचाता है। इससे होता ये है कि आप कई मौसमी बीमारियों से बचे रहते हैं। जैसे अचानक से फ्लू होना। सूखी खांसी और कफ की समस्या में भी गुड़ का सेवन करना कई प्रकार से फायदेमंद है। तो, सर्दियां आ रही हैं तो अपनी डाइट में गुड़ को शामिल कर लें।

गडकरी बताएं दिल्ली-एनसीआर के लोग आखिर कहां जाएं

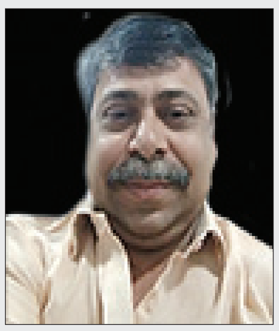

योगेन्द्र योगी

विशेषज्ञों के मुताबिक दिल्ली में रहने वाले कम से कम 10 सिगरेट जितना प्रदूषण हर दिन लेने को विवश हैं। सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण जैसी संवैधानिक स्वतंत्र संस्थाए भी तमाम प्रयासों के बावजूद दिल्ली और एनसीआर के प्रदूषण से निपटने में प्रभावी भूमिका अदा नहीं कर सकी। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने अपने बयान में स्वीकार किया था कि दिल्ली में 50 प्रतिशत प्रदूषण वाहनों से निकलता है। गडकरी देश के परिवहन मंत्री हैं। ऐसे में सवाल यही उठता है कि आखिर प्रदूषण की विकराल समस्या से निपटने की जिम्मेदार किसकी है।

देश की राजधानी दिल्ली का प्रदूषण इतना खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी दिल्ली आने से घबराते हैं। गडकरी ने कहा कि स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड? से वे दिल्ली आने से कतराते हैं। गडकरी मंत्री हैं। उनके पास साधन और सुविधाएं हैं। वे कहीं भी आसानी से आवागमन कर सकते हैं। सवाल दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी परियोजना क्षेत्र (एनसीआर) के करोड़ों लोगों के जीवन का है। इतने लोग अपना कामकाज, घरबार छोड़ कर कहां जाएं। प्रदूषण के धीमे जहर को पीना उनकी मजबूरी बन गई है। ज्यादातर सांसदों, मंत्रियों पर अकूत दौलत है। उनके लिए प्रदूषण से बचने के लिए कहीं भी देश में सरकारी खर्च पर आना-जाना आसान हैं। वैसे भी नेताओं को संसद और विधानसभा को सुचारू चलाने की ज्यादा ड्रूषचता नहीं है। दिल्ली और एनसीआर के लोगों को सरकारी मशीनरी और नेताओं के नाकारपन का अभिशाप झेलने को मजबूर होना पड़ रहा है।

देश की राजधानी होने के बावजूद दिल्ली हर तरह के जानलेवा प्रदूषण की शिकार है। वाहनों और फैक्ट्री के धुएं से होने वाला प्रदूषण, यमुना का प्रदूषण और घरों-प्रतिष्ठानों से निकलने वाले कचरे का प्रदूषण। तीनों तरह के प्रदूषण का बोझ उठाने के लिए दिल्ली अभिशप्त हो चुकी है। दिल्ली में केंद्र भाजपा गठबंधन की और राज्य में आप की सरकार मौजूद हैं। इससे पहले दिल्ली में लंबी अवधि तक कांग्रेस का शासन रहा है। प्रदूषण से निपटने में सभी राजनीतिक दल नाकाम रहे हैं। दिल्ली में कचरे का पहाड़ आज भी नेताओं के दावों-वादों को मुंह चिढ़ा रहा है। हिंदू-मुस्लिम विवाद और भ्रष्टाचार की तरह प्रदूषण नेताओं के लिए कभी चुनावी मुद्दा नहीं बन पाया। जब कभी प्रदूषण का मुद्दा उठता भी है तो केंद्र और दिल्ली की सरकार गेंद एक-दूसरे के पाले में डाल कर अपनी जिम्मेदारी से बरी हो जाती हैं। यही वजह है कि दिल्ली और एनसीआर की आबोहवा इतनी बिगड़ चुकी है कि सांस लेना भी दुभर हो रहा है।

विशेषज्ञों के मुताबिक दिल्ली में रहने वाले कम से कम 10 सिगरेट जितना प्रदूषण हर दिन लेने को विवश हैं। सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण जैसी संवैधानिक स्वतंत्र संस्थाए भी तमाम प्रयासों के बावजूद दिल्ली और एनसीआर के प्रदूषण से निपटने में प्रभावी भूमिका अदा नहीं कर सकी। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने अपने बयान में स्वीकार किया था कि दिल्ली में 50 प्रतिशत प्रदूषण वाहनों से निकलता है।

गडकरी देश के परिवहन मंत्री हैं। ऐसे में सवाल यही उठता है कि आखिर प्रदूषण की विकराल समस्या से निपटने की जिम्मेदार किसकी है। जब देश का परिवहन मंत्री ही समस्या के समाधान से मुंह चुराने लगे तो अवाम किससे उम्मीद करे।

स्विस संगठन की विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2023 में दिल्ली को सबसे खराब वायु गुणवत्ता वाला राजधानी शहर बताया गया है। रिपोर्ट 2023 के अनुसार, 2023 में 134 देशों में से बांग्लादेश और पाकिस्तान के बाद भारत की वायु गुणवत्ता तीसरी सबसे खराब की भविष्यवाणी की गई। राष्ट्रीय राजधानी को वर्ष 2018 से लगातार चार बार विश्व का सबसे प्रदूषित राजधानी शहर बताया गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि अनुमान है कि भारत में 1.36 अरब लोग पीएम 2.5 की सांद्रता का अनुभव करते हैं, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा अनुशंसित वार्षिक दिशानिर्देश स्तर 5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से अधिक है। दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण से खराब हालात में सुधार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के प्रयास भी सरकारों के नाकारपन के कारण बौने साबित हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट दर्जनों बार फटकार लगा चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर सुनवाई दौरान कहा कि कोर्ट कमिश्नरों की रिपोर्ट में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। अदालत ने कहा कि सरकारी एजेंसियों और दिल्ली पुलिस के बीच समन्वय की कमी है। साथ ही अदालत ने कहा कि दिल्ली में फिल्हाल ग्रैप-4 जारी रहेगा। दिल्ली सरकार, एमसीडी, डीपीसीसी, सीएक्यूएम और अन्य अधिकारियों के बीच समन्वय की पूरी तरह से कमी है। समन्वय सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग पर है। इसलिए ग्रैप-4 को लागू करने के लिए समन्वय हो।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार के साथ-साथ पंजाब और हरियाणा की राज्य सरकारों को फटकार लगाई क्योंकि राज्य प्रदूषण विरोधी उपायों को लागू करने में विफल रहे। यह ऐसे समय में हुआ है जब दिल्ली एनसीआर की वायु गुणवत्ता बहुत खराब बनी हुई है, जिससे सांस संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। मामले की सुनवाई कर रही शीर्ष अदालत की पीठ ने पंजाब और हरियाणा सरकारों द्वारा खेतों में लगी आग को बुझाने के प्रयासों को मात्र दिखावा करार दिया। हवा की गुणवत्ता खराब होने का एक स्पष्ट कारण पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश जैसे कृषि प्रधान राज्यों में पराली जलाने की बार-बार होने वाली घटनाएँ हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने 23 अक्टूबर को पर्यावरण कानूनों को शक्तिहीन बनाने के लिए केंद्र की आलोचना की और कहा कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) अधिनियम के तहत पराली जलाने पर दंड से संबंधित प्रावधानो को लागू नहीं किया गया है। मामले की सुनवाई कर रही पीठ ने कहा कि वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के प्रावधान को लागू करने के लिए कोई आवश्यक तंत्र बनाए बिना ही अधिनियम लागू कर दिया गया। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के अनुसार भारत में हर साल पैदा होने वाले 22 मिलियन टन चावल के ठूंठ में से लगभग 14 मिलियन टन पराली को आग के हवाले कर दिया जाता है। यह पैदा होने वाले चावल के ठूंठ का लगभग 63.6 प्रतिशत है और हरियाणा और पंजाब में अकेले जलाई जाने वाली पराली का 48 प्रतिशत हिस्सा है। हालत यह है कि वोटों के डर से राज्य और केंद्र की सरकारें पराली जलाने पर पूरी तरह रोक नहीं लगा पा रही हैं। राजनीतिक दलों के लिए किसानों का वोट बैंक आम लोगों के जीवन पर भारी पड़ रहा है। यही वजह है कि पराली जलाने की हर साल होने वाले घटनाओं के बावजूद कोई भी सरकार सख्त कदम उठाने से हिचकिचाती है। यहां तक की सरकारें वोटों के लालच में लगातार अदालत के निदेर्शों की अवहेलना कर रही हैं। कुछ दिन पहले हरियाणा सरकार ने कथित तौर पर कैथल जिले में पराली जलाने के आरोप में 18 किसानों को गिरफ्तार किया था। ऐसी गतिविधियों पर लगाम लगाने में विफल रहने के कारण राज्य के कृषि विभाग के करीब 24 अधिकारियों को निलंबित भी किया गया था। गौरतलब है कि हजारों किसान पराली हर साल जलाते हैं। इसके बावजूद कुछ किसानों की गिरफ्तारी महज दिखावा है। केंद्र सरकार ने 2022 में पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली एनसीआर राज्यों में फसल अवशेषों के इन-सीटू प्रबंधन के लिए कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने की योजना शुरू की। पंजाब को पराली जलाने की समस्या से निपटने के लिए 2018-22 के दौरान इस योजना के तहत 1,387.6 करोड़ रुपये से अधिक मिले। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने 22 अक्टूबर को पंजाब सरकार को निर्देश दिया कि वह बताए कि राज्य में धान की पराली जलाने पर रोक लगाने के लिए उसने क्या कदम उठाए हैं। सुप्रीम कोर्ट और एनजीटी के लगातार प्रयासों के बावजूद प्रदूषण से बिगड़े हालात में ज्यादा सुधार नहीं हुआ है। दरअसल नौकरशाह नेताओं के इशारों पर काम करते हैं। नेता वोट के कारण किसानों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने से कतराते हैं। यह निश्चित है विश्व में प्रदूषण को लेकर बदनाम हो चुकी राजधानी के हालात सुधारने के लिए जब तक अदालतें नौकरशाहों के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं करेंगी, तब तक इनकी प्रवृत्ति में सुधार संभव नहीं है।

संपादकीय

जवाबदेही का सवाल

बांग्लादेश में हिन्दुओं समेत अनेक अल्पसंख्यकों के खिलाफ लगातार हो रहे टारगेटेड हमले से देसी नहीं विदेशों में रहने वाले और प्रवासी भारतीय भी क्षुब्ध हैं। पश्चिम बंगाल सहित देश के अन्य हिस्सों में इन हमलों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। सोमवार को अमेरिका में भी भारतीय अमेरिकीयों ने 'हमें न्याय चाहिए और हिंदुओं की रक्षा करो' का नारा लगाते हुए व्हाइट हाउस से लेकर पूरी राजधानी में मार्च निकाला। एक जिम्मेदार देश होने के नाते भारत सरकार ने बांग्लादेश के घटनाक्रम पर बहुत संयत रवैया अपनाया है और वहां लोकतांत्रिक और समावेशी सरकार की स्थापना में सहयोग देने की पहल की है। इसी क्रम में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने सोमवार को बांग्लादेश की यात्रा की और अंतिम सरकार के मुखिया मोहम्मद युनूस, विदेश सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन के साथ मुलाकात की। अगस्त में शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद पहली बार किसी उच्च भारतीय अधिकारी ने ढाका की यात्रा की। हसीना की सरकार के गिरने के बाद वहां जिस तरह हिन्दुओं के घरों, दुकानों और उपासना स्थलों पर हमले हो रहे हैं उसे दोनों देशों के रिश्ते असहज हो गए हैं। विदेश सचिव ने मोहम्मद युनूस और मोहम्मद तौहीद हुसैन से बातचीत में अल्पसंख्यकों का मुद्दा उठाया और भारत की चिंता सुनने अवगत कराया। विक्रम मिस्त्री के बयान के बाद उनके बांग्लादेशी समकक्ष तौहीद हुसैन ने हिन्दुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर हो रहे हम लोगों को दुष्प्रचार बताकर खंडन किया और कहा कि भारत को बांग्लादेश के अंदरूनी मामलों में दखल देने से बचना चाहिए। यह तथ्य है कि सभी आधुनिक राष्ट्रीय राज्य की जिम्मेदारी बनती है कि वह अपने अल्पसंख्यक नागरिकों की जान-माल की रक्षा करे और यह उसका आंतरिक मामला भी होता है। लेकिन अगर कोई राज्य अपनी जिम्मेदारियों या राष्ट्री धर्म का पालन ठीक से नहीं करता है तो उसके खिलाफ कौन कार्रवाई करेगा। विडंबना है कि आधुनिक राष्ट्रीय राज्य से इस सवाल का स्पष्ट जवाब नहीं मिलता। विश्व जनमत इस सच्चाई को कैसे झुठला सकता है कि इस्कॉन के पूर्व सदस्य कृष्णदास को झूठे मामले में गिरफ्तार किया गया। यह विडंबना है कि बांग्लादेश अपने देश के गौरवपूर्ण इतिहास को झुठला रहा है और पाकिस्तान की तरफदारी कर रहा है। एक संप्रभु और स्वतंत्र आधुनिक देश होने के नाते बांग्लादेश को अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के सवाल पर जवाबदेह होना चाहिए।

चिंतन-मनन

सबसे बड़ा दरिद्र

सिंहगढ़ राज्य की सीमा के पास एक गांव सोनपुर में एक महात्मा अपने दो शिष्यों के साथ आ पहुंचे। वहां की शांति और हरियाली देख कुछ दिन वे वहीं ठहर गए। एक दिन महात्मा जी जब भिक्षा मांगने जा रहे थे, सड़क पर एक सिक्का दिखा, जिसे उठाकर उन्होंने झोली में रख लिया। दोनों शिष्य इससे हैरान थे। वे मन में सोच रहे थे कि काश सिक्का उन्हें मिलता, तो वे बाजार से मिठाई ले आते। महात्मा जी भांप गए। बोले-यह साधारण सिक्का नहीं है, मैं इसे किसी सुपात्र को दूंगा। पर कई दिन बीत जाने के बाद भी उन्होंने सिक्का किसी को नहीं दिया। एक दिन महात्मा जी को खबर मिली कि सिंहगढ़ के महाराज अपनी विशाल सेना के साथ उधर से गुजर रहे हैं। महात्मा जी ने शिष्यों से कहा, वत्स! सोनपुर छोड़ने की घड़ी आ गई। शिष्यों के साथ महात्मा जी चल पड़े। तभी राजा की सवारी आ गई। मंत्री ने राजा को बताया कि ये महात्मा जा रहे हैं। बड़े ज्ञानी हैं। राजा ने हाथी से उतर कर महात्मा जी को प्रणाम किया और कहा, कृपया मुझे आशीर्वाद दें। महात्मा जी ने झोले से सिक्का निकाला और राजा की हथेली पर उसे रखते हुए कहा, हे सिंहगढ़ नरेश, तुम्हारा राज्य धन-धान्य से संपन्न है। फिर भी तुम्हारे लालच का अंत नहीं है। तुम और पाने की लालसा में युद्ध करने जा रहे हो। मेरे विचार में तुम सबसे बड़े दरिद हो। इसलिए मैंने तुम्हें यह सिक्का दिया है। राजा इस बात का मतलब समझ गए। उन्होंने सेना को वापस चलने आदेश दिया।

कांग्रेस के भविष्य पर नए सवाल, राहुल और प्रियंका की बढ़ेंगी मुश्किलें

प्रियंका गांधी वाड्रा की भी संसदीय पारी का आगाज हो गया, पर इसी दौरान कांग्रेस की नियति को लेकर नए सिरे से सवाल उठ खड़े हुए हैं। उत्तर प्रदेश के कांग्रेसी दशकों नारा लगाते रहेः अमेठी का डंका, बेटी प्रियंका, मगर वह केरल की वायनाड सीट से संसद पहुंचीं। वायनाड में उपचुनाव की नौबत इसलिए आई कि इस बार रायबरेली और वायनाड, दो सीटों से जीते राहुल ने पारिवारिक सीट रायबरेली रखने का फैसला किया।

राजस्थान से राज्यसभा पहुंचने से पहले सोनिया गांधी रायबरेली से ही लोकसभा चुनाव जीतती रहीं। उनसे पहले पति राजीव गांधी रायबरेली का प्रतिनिधित्व करते रहे। फिरोज गांधी और इंदिरा गांधी भी रायबरेली से लोकसभा के लिए चुने जाते रहे। सोनिया गांधी द्वारा इस बार संसद जाने के लिए राज्यसभा का रास्ता चुने जाने के बाद अटकलें थीं कि राहुल वायनाड और अपनी पुरानी सीट अमेठी से लड़ेंगे, जबकि प्रियंका रायबरेली से अपनी संसदीय राजनीति की शुरूआत करेंगी, लेकिन कांग्रेस ने चौंकाने वाला निर्णय लिया। परिवार और पार्टी के निष्ठावान किशोरी लाल शर्मा को अमेठी से स्मृति इरानी के विरुद्ध चुनाव में उतारा, जबकि राहुल के लिए अपेक्षाकृत सुरक्षित रायबरेली को चुना। कांग्रेस का दांव सफल भी रहा। रायबरेली से राहुल तो जीत ही गए, किशोरी लाल ने भी अमेठी से स्मृति इरानी को हरा कर सबको चौंका दिया। राहुल और किशोरी लाल, दोनों के चुनाव प्रचार और प्रबंधन की कमान प्रियंका गांधी ही संभालती नजर आई थीं। जब राहुल ने वायनाड छोड़ने का एलान किया तभी उपचुनाव में प्रियंका के प्रत्याशी होने का फैसला हो गया था। राहुल ने कहा था कि वायनाड के मतदाताओं को उनकी कमी महसूस न हो, इसलिए वहां से होने वाले उपचुनाव में बहन प्रियंका गांधी कांग्रेस उम्मीदवार होंगी। बेशक वायनाड से प्रियंका की जीत में किसी को संदेह नहीं था, लेकिन भाई राहुल से भी ज्यादा अंतर से जीत हासिल कर उन्होंने चौंकाया।

प्रियंका चार लाख से भी ज्यादा वोटों के अंतर से जीती हैं। उनका मुकाबला सत्तारूढ़ एलडीएफ प्रत्याशी से हुआ, जबकि भाजपा की उम्मीदवार तीसरे स्थान पर रहीं। हालांकि प्रियंका गांधी की संसदीय पारी का आगाज भले ही अभी हुआ है, लेकिन वह राजनीति में नई नहीं हैं। खुद प्रियंका गांधी ने बताया कि वह 35 साल से राजनीति में सक्रिय हैं और उन्होंने 1989 में 17 साल की उम्र में पहली बार अपने पिता राजीव गांधी के लिए चुनाव प्रचार किया था। सभी जानते हैं कि रायबरेली और अमेठी में वह मां और भाई के लिए अतीत में भी चुनाव प्रबंधन और राजनीतिक कामकाज देखती रही हैं।

प्रियंका की संसदीय राजनीति का आगाज ऐसे समय हुआ है, जब छह महीने पहले लोकसभा चुनाव में पुनरुत्थान के संकेत मिलने के बाद कांग्रेस फिर पस्तहाल नजर आ रही है। अक्टूबर में हाथ में आती दिख रही हरियाणा की सत्ता फिसल गई, तो जम्मू-कश्मीर में मित्र दल नेशनल कांफ्रेंस की बड़ी जीत के बावजूद कांग्रेस मात्र छह सीटों पर सिमट गई। फिर नवंबर में महाराष्ट्र में चुनावी पराभव का नया कीर्तिमान बनाया तो झारखंड में अनुकूल माहौल के बावजूद कांग्रेस सीटें बढ़ाने में नाकाम रही। भाजपा से सीधे मुकाबले में कांग्रेस के लगातार लचर प्रदर्शन और उसके बावजूद आत्मकेंद्रित अहंकारी व्यवहार के चलते अब गठबंधन में भी उसके विरुद्ध स्वर मुखर होने लगे हैं। घटक दलों के नेता गठबंधन की कमान ममता बनर्जी को देने की पैरवी कर रहे हैं। जून में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बने राहुल गांधी की नेतृत्व क्षमता पर भी मित्र दल ही सवाल उठाने लगे हैं। बेशक प्रियंका गांधी बेहतर वक्ता मानी जाती हैं, लेकिन उनके साथ ही गांधी-नेहरू परिवार के तीनों सदस्यों के संसद में आ जाने से वंशवाद के मुद्दे पर भाजपा के आक्रमण को जो तेज धार मिलेगी, उससे बचाव कांग्रेस के लिए आसान नहीं होगा।

ऐसे में यह स्वाभाविक सवाल अनुत्तरित ही है कि कांग्रेस आलाकमान या कहें कि खुद परिवार ने यह रास्ता क्यों चुना? आखिर प्रियंका राजनीति में तो थी हीं। सालों पहले ही सीधे कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव बनाई जा चुकी थीं। वह उत्तर प्रदेश सरीखे बड़े राज्य की प्रभारी थीं। हालांकि स्टार प्रचारक होने के बावजूद वह कांग्रेस को बड़ी चुनावी सफलता नहीं दिलवा पाईं। 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में उन्होंने चर्चित नारा दिया था कि 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं।' कांग्रेस ने बड़ी संख्या में महिला उम्मीदवार भी उतारे, पर जोरदार प्रचार अभियान के बावजूद कांग्रेस 402 में से मात्र दो विधानसभा सीटें ही जीत पाई। कांग्रेस का मत प्रतिशत भी ढाई प्रतिशत के आसपास रहा। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की हालत लोकसभा चुनाव में सपा से गठबंधन से सुधरती दिखी, पर हाल के नौ विधानसभा उपचुनाव में सपा ने उसके लिए एक भी सीट नहीं छोड़ी। अब परिवार के तीनों ही सदस्य संसद में पहुंच जाने से वंशवाद के मुद्दे पर भाजपा का आक्रमण तो और तेज होगा ही, कांग्रेस में राहुल के समानांतर एक और सत्ता केंद्र बनने का खतरा भी रहेगा।

ध्यान रहे कि पंजाब में कांग्रेस के पराभव का बड़ा कारण बने नवजोत सिंह सिद्धू को प्रियंका गांधी का समर्थक बताया जाता रहा है। उन्हीं की जिद के चलते पंजाब में पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बदला गया और फिर मुख्यमंत्री। इस उठापटक की अंतिम परिणति यह हुई कि मतदाताओं ने कांग्रेस को ही सत्ता से बेदखल करते हुए आम आदमी पार्टी को प्रचंड जनादेश दे दिया। कांग्रेस शासित हिमाचल में भी प्रियंका का दखल रहता है। यदि राहुल और प्रियंका एक-दूसरे के पूरक की भूमिका निभाएंगे तो कांग्रेस की मजबूती में मददगार होंगे, लेकिन यदि वे दो अलग-अलग सत्ता केंद्र बनकर प्रतिद्वंद्वी बन गए तो कमजोर कांग्रेस की मुश्किलें और बढ़ जाएंगी।

प्रियंका गांधी के पति राबर्ट वाड्रा भी बीच-बीच में चुनाव लड़कर समाज और देश-सेवा की इच्छा जताते रहे हैं। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि संगठन के बाद अब संसद में भी प्रियंका की एंट्री से राबर्ट वाड्रा की राजनीतिक भूमिका भी बढ़ेगी क्या? उनके विरुद्ध कई मुकदमे लंबित हैं। पत्नी के सांसद बन जाने के बाद उन मुकदमों की गति और नियति देखना भी दिलचस्प होगा, जिसका राजनीतिक प्रभाव कांग्रेस पर पड़े बिना नहीं रह सकेगा।

-राज कुमार सिंह
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं)

मुद्दाः पर्वतों को बचाने की चुनौतियां

अखिलेश आर्येन्दु

भारत सहित दुनिया के तमाम देशों में पर्वत देवता के रूप में पूजे जाते रहे हैं। लेकिन पहाड़ों के बेतहाशा दोहन से कई समस्याएं पैदा हुई हैं। हम भूल गए कि पहाड़ों के संरक्षण, सुरक्षा की जिम्मेदारी हमारी है। जलवायु परिवर्तन पर अंतरसरकारी पैनल के अनुसार 84 प्रतिशत स्थानीय पर्वतीय प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर हैं। संयुक्त राष्ट्र दशक 2021-30 प्रकृति की गिरावट रोकना और वापस लाना दस साल की कोशिश है।

जलवायु परिवर्तन का सबसे ज्यादा असर धरती, पर्वत और हवा पर पड़ा है। धरती तेजी से गर्म हो रही है। मौसम असंतुलित हो गया है। प्राकृतिक आपदाएं ज्यादा देखी जाने लगी हैं। पर्वतों का दोहन इतना अधिक किया गया कि दूसरी तमाम तरह की प्राकृतिक दुर्घटनाएं और समस्याएं आए दिन होने लगी हैं। पर्वतों के दोहन को बचाने और पर्वतों के महत्त्व को समझाने के मकसद से संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2002 को 'अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस' मनाने की घोषणा की। हर साल 11 दिसम्बर को अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस मनाया जाता है। अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस मनाए जाने का मकसद पर्वतों का संरक्षण, सुरक्षा और उनके दोहन को रोकना है। जाहिर है पर्वत और इंसान का रिश्ता बहुत पुराना है। उतना पुराना जितना मानव सभ्यता। धरती का 27 प्रतिशत हिस्सा पहाड़ों से ढका हुआ है। दुनिया के पंद्रह प्रतिशत आबादी का घर पहाड़ हैं, और दुनिया के लगभग आधे जैव विविधता वाले हॉटस्पाट की मेजबानी भी पहाड़ करते हैं। दुनिया की आधी आबादी के रोजमर्रा की जिंदगी बसर के लिए पानी उपलब्ध कराने का कार्य पहाड़ करते हैं। कृषि, बागवानी, पेय जल, स्वच्छ ऊर्जा और दवाओं की आपूर्ति पहाड़ों के जरिए होती है। दुनिया के अस्सी प्रतिशत भोजन की आपूर्ति करने वाली बीस पौधों की प्रजातियों में से छह की उत्पत्ति और विविधता पहाड़ों से जुड़ी है। आलू, जौ, मक्का, टमाटर, ज्वार, सेब जैसे उपयोगी आहारों की उत्पत्ति पहाड़ हैं। हजारों नदियों के स्रोत पहाड़ हैं। भारत में नदियों को ही पूजा नहीं जाता, बल्कि अनेक पहाड़ों की पूजा भी की जाती है। तमाम चमत्कारिक घटनाएं पहाड़ों से जुड़ी हैं। तमाम तरह की सामाजिक, धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत पहाड़ों से जुड़ी हैं। इसलिए पहाड़ों का संरक्षण हमारा कर्त्तव्य है। सृष्टि-उत्पत्ति के साथ सागर और पहाड़, दोनों मानवता के विकास के आधार रहे हैं, लेकिन जैसे-जैसे नई सभ्यता और संस्कृति के साथ विज्ञान का विकास होता गया वैसे-वैसे पहाड़ और सागर, दोनों प्रदूषित किए जाने लगे। आज हालत यह हो गई है कि पहाड़ और सागर, दोनों का वैभव खत्म होता जा रहा है। जैसे-जैसे वैश्विक जलवायु गर्म होती जा रही है, पर्वतीय ग्लेशियर पिघल रहे हैं। इससे जैव विविधता पर ही असर नहीं पड़ रहा, बल्कि ताजे पानी की उपलब्धता और औषधियां भी लुप्त हो रही हैं।

पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र बढ़ते प्रदूषण की वजह से खतरे में है यानी दुनिया भर में पर्वतों को संरक्षण देने की जरूरत है। पर्वत हमारे लिए कितने उपयोगी हैं, इसे वह समुदाय सबसे ज्यादा जानता है जिसकी रोजमर्रा की जिंदगी की हर कवायद पर्वतों से जुड़ी है। यूं तो पहाड़ों के संरक्षण को लेकर विश्व का ध्यान 1992 में गया जब पर्यावरण और विकास पर संयुक्त राष्ट्र संघ सम्मेलन में एजेंडा 21 के अध्याय 13 ह्यनाजुक पारिस्थितिकी तंत्र का प्रबंधनः सतत पर्वतीय विकास' पर जोर दिया गया। अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस मनाने से पिछले दस सालों में पर्वतीय पर्यटन तेजी से बढ़ा है लेकिन इसका नुकसान भी देखा गया है। पर्यटकों की लापरवाही से पर्यावरण का नुकसान हुआ और पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र के कमजोर पड़ने का खतरा बढ़ा है। पहाड़ी इलाकों के निवासियों को रोजगार जंगल और पहाड़ से मिलता है। खासकर महिलाओं के लिए पहाड़ किसी खेती से कम नहीं हैं। युवाओं के लिए पर्वतीय जैव विविधता का संबंध आज अधिक विश्वसनीय है क्योंकि कलाकृतियों के संरक्षण, मूर्तिकला और बेहतर स्वास्थ्य पहाड़ों के स्वच्छ पर्यावरण से ताल्लुक रखता है। आजीविका और प्राकृतिक आहार पहाड़ों से जितना अच्छा मिलता

है, उतना शायद और कहीं से नहीं मिलता। ईंधन, औषधियों और लता वाली तरकारियां पहाड़ के दर्रों में उगती हैं। तमाम जीव-जंतुओं के आवास स्थल पहाड़ हैं। पहाड़ों के दोहन या क्षरण का मतलब जीव-जंतुओं, बहुमूल्य वनस्पतियों, औषधियों और खनिजझरनों से महरूम होना है। हिमाचल प्रदेश में 11-12 जिलों में कुदरत के कहर से पहाड़ का पोर-पोर धंस रहा है। असम, झारखंड, उत्तराखंड, राजस्थान, महाराष्ट्र और कर्नाटक में भी पहाड़ों के साथ खूब अनर्थ हुआ है। इसे रोकने के लिए राज्य सरकार, केंद्र सरकार, पर्यावरण संरक्षक और जनता को माफिया के खिलाफ आगे आना होगा। धरती पर रहने वाले हर इंसान का पहाड़ों से रिश्ता रहा है। पर्वत बचेंगे तभी मानव सभ्यता, संस्कृति और सेहत, तीनों का बचाव होगा।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

THE PHOTON NEWS
07
www.thephotonnews.com
Saturday, 14 December 2024

Reimagining anti-drug strategies in Haryana

INDIA is in the throes of a drug-abuse epidemic that imperils not just individual lives but also the social and economic foundations of the nation. This crisis ripples across families, communities and public health systems, demanding urgent and innovative solutions. While law enforcement has made strides in curbing the supply chain, addressing the demand side of the problem remains a formidable challenge. In this battle, effective communication and awareness campaigns are indispensable. Yet, traditional approaches — lectures and fear-based messaging — have failed to resonate, especially with the youth, who are most vulnerable to substance abuse.Haryana has pioneered a transformative anti-drug communication model that breaks away from outdated methods. Rooted in cultural relevance, informed by behavioural science and enhanced by technology, this holistic strategy not only warns against drug use but empowers individuals to make informed decisions and develop resilience. Haryana's approach exemplifies how innovative, people-centred strategies can create lasting impact.Conventional anti-drug initiatives often rely on one-way communication, emphasising the dangers of drug use or issuing stern warnings. While well-intentioned, these methods rarely address the deeper causes of substance abuse such as peer pressure, stress, emotional isolation and poor coping mechanisms. For young people, these campaigns often appear disconnected from their realities, diminishing their effectiveness.

Recognising these shortcomings, Haryana reinvented its communication strategy to meaningfully engage audience. The state shifted from fear-based messaging to participatory, relatable and empowering approaches, tailored to its communities' cultural and social contexts. This paradigm shift has proven crucial in bridging the gap between awareness and action.At the heart of Haryana's innovative approach is 'Chakravyuh,' an educational escape room that uses immersive learning to impart life skills and promote drug resistance. Participants work in teams to solve real-life scenarios, navigating challenges that require critical thinking, ethical decision-making and teamwork. This interactive format moves beyond just highlighting the dangers of drug use; it equips participants with essential skills such as resilience, focus and collaboration, which are vital for resisting peer pressure and making positive choices.Unlike traditional lectures, which often fail to engage, the 'Chakravyuh' transforms learning into a memorable and impactful experience. Participants leave with knowledge and practical tools they can apply daily. Haryana has adapted the 'Chakravyuh' concept into a digital format to broaden its reach. Collaborating with developers through hackathons, the state has created a mobile game, replicating the escape room experience. This gamified approach leverages the popularity of digital platforms among young people, making anti-drug education engaging and accessible.

This technological innovation is particularly significant in bridging the urban-rural divide. By delivering interactive content to underserved areas, the digital initiative ensures inclusivity. Additionally, it opens avenues for private sector partnerships, fostering further innovation and scalability.Haryana's model also integrates cultural and spiritual elements to connect with its audience. One standout initiative is 'Ram Gurukul Gaman,' a musical drama inspired by the story of Lord Rama's exile. The play serves as a metaphor for resilience and courage in overcoming life's adversities, delivering a compelling message: challenges are inevitable but can be met with strength and determination.

Why Baku climate change summit failed women

Climate initiatives that explicitly include women have been shown to produce better outcomes for entire communities.

THE most recent United Nations Climate Change Conference (COP29) focused on finance, but it fell short in many ways. As representatives from several developing countries walked out in protest, the contentious negotiations defied the odds to produce a commitment — the Baku Climate Unity Pact — from developed economies to deliver $300 billion in climate funding annually to their poorer counterparts by 2035. That is triple the target agreed in 2009 (and reached, for the first time, in 2022), but it is nowhere near the estimated $1.3 trillion in annual financing that developing economies will need over this period. Although the agreement represents progress, we must recognise it merely as a starting point.But insufficient financing is only part of the problem. The reality is that as world leaders clashed in Baku amid unprecedented international tensions, the true battle being waged was for the future of climate finance — and the role of women in it. Women and children are 14 times more likely to die in climate-related disasters than men and women comprise 80 per cent of those displaced by extreme weather. These disparities are not incidental but are rooted in systemic inequalities. Yet the so-called New Collective Quantified Goal on climate finance includes just one reference to women and girls. In paragraph 26, it "urges parties and other relevant actors to promote the inclusion and extension of benefits to vulnerable communities and groups in climate finance efforts, including women and girls."Women and girls' greater vulnerability to climate change reflects systemic inequality of access to education, economic opportunities and decision-making power. These differences are also apparent at climate-related forums. While this year's COP was heralded as the most gender-balanced in terms of registrations, women accounted for just 35 per cent of delegates (up from 34 per cent at COP28). Of the 78 world leaders who attended, just eight were women and only four addressed gender-specific issues in their statements.Climate initiatives that explicitly include women have been shown to produce better outcomes for entire communities. Moreover, women are already leading some of the most innovative and effective climate initiatives globally in areas ranging from sustainable agriculture to renewable-energy deployment.The conclusion should be obvious: the potential for gender-responsive climate finance to unlock more efficient pathways for decarbonisation, adaptation and resilience makes it a strategic necessity. And yet for every $100 of climate finance deployed globally, only 20 cents go towards supporting women and only 0.01 per cent of climate finance addresses both climate action and women's rights.Even so, COP29 was not a total loss for women and girls. The enhanced Lima Work Programme on Gender was extended for another decade, though without additional funding for the UN Framework Convention on Climate Change (UNFCCC) secretariat to support implementation. In addition, the 27 gender-specific provisions in the final "Presidency text on gender and climate change" emphasised the vital role of women's full, meaningful and equal participation in climate action and the critical importance of incorporating gender considerations into all policymaking domains. The "Gender Action Plan" that countries agreed to develop for adoption at COP30 provides a framework for progress.

act now
for climate justice

Despite these commitments, COP29 fell short in addressing critical intersectional issues such as the links between gender equality, peacebuilding and climate action. Similarly, calls to address gender gaps in skills - such as STEM (science, technology, engineering, and mathematics) training to access green jobs - and the care economy as part of climate action failed to make it into the final document. While the text encouraged gender-responsive climate finance and simplified access for grassroots women's organisations and indigenous communities, it lacked the structural push necessary to ensure implementation at scale.To transform COP29's promises into reality, we need clear international guidelines for gender integration, backed by allocated budgets, measurable targets and participatory approaches to ensure effective, transparent, and accountable climate finance. High priority should be given to financing local initiatives, particularly in informal settlements, where women often lead climate-resilience efforts. Robust tracking systems — which monitor not only how much money is pledged, but also where it goes and who it benefits — are essential.Of course, steps at the international level alone cannot bridge the gender gap in climate action; national policy frameworks are also vital. And in India, too, women continue to be sidelined. According to the latest analysis from the UNFCCC, 82 per cent of countries mention gender in their nationally determined contributions (NDCs), but fewer than 26 per cent include meaningful gender considerations in their long-term strategies and investments. As countries prepare their updated NDCs — to be submitted this February and assessed at COP30 in November next year — they must incorporate gender-specific programmes and policies.

We do not know whether the international environment will be any less tense when countries gather in Brazil for COP30. But we do know that the failure to pursue meaningful climate action would carry astronomical costs as the proliferation of deadly climate disasters results in lost lives and trillions of dollars in lost output. We also know that if the fight against climate change is to succeed, it must be as inclusive as it is transformative. That is why COP30 offers us a unique opportunity to reflect on our priorities and align gender equality with the Paris Agreement and the Sustainable Development Goals.The climate crisis is not gender-neutral, so our solutions cannot be. Without a consistent focus on gender-responsive climate finance, we risk perpetuating cycles of vulnerability. Thirty years after the UN's Beijing Declaration and Platform for Action established gender equality's place on the global agenda, we must achieve another leap forward for women's rights, this time as a vital part of the fight against climate change.

Case for secularism

SC to decide on Places of Worship Act

AT stake is India's secular character and vision as a special Bench of the Supreme Court begins hearing from December 12 a batch of petitions challenging the constitutional validity of the Places of Worship (Special Provisions) Act, 1991. The legislation preserves the identity of religious sites as they stood on August 15, 1947. It also bars suits that seek to alter the status. The hearing comes amid intense judicial activity, particularly in Uttar Pradesh and Rajasthan, in response to multiple civil suits questioning the origins of mosques and dargahs. The petitions in the apex court claim that several mosques have been built on the ruins of temples demolished by invaders. The law, the contention is, denies Hindus and members of other communities the right to reclaim their places of worship. Muslim organisations argue that the law safeguards the basic structure of the Constitution.

The affirmation of the 1991 Act in the Ayodhya judgment provides hope that attempts to tinker with the principles of secularism and fraternity — that define the very idea of India — are defeated. A five-judge Supreme Court Bench has held that the Places of Worship Act is designed to protect the secular features of the polity. Historical wrongs, it noted, cannot be remedied by people taking the law in their own hands and Parliament has mandated that history and its wrongs shall not be used as instruments to oppress the present and future.

The outcome of the case could well determine the trajectory of communal relations in the country. For a former apex court judge, RF Nariman, the solution to address the disputes over religious sites, which he said were emerging like hydra heads, is strict implementation of the 1991 Act. The present and future cannot be held hostage to the past.

A new & private race to the moon

India has created a Rs 1,000-crore venture capital fund to support space startups

THE election of Donald Trump as the next US President is causing ripples in many sectors — ranging from climate change to immigration. The space sector was also added to the list when the President-elect nominated 41-year-old Jared Isaacman as the next administrator of the National Aeronautics and Space Administration (NASA).

Isaacman is not a space scientist, an engineer or a public administrator but an entrepreneur-businessman. His connection with the space sector is that he has flown to space twice as a space tourist; is a trained jet pilot; and holds a stake in SpaceX — the firm founded by Elon Musk. His nomination — subject to congressional confirmation — has, therefore, raised eyebrows in the space industry.

Musk and Isaacman are friends. The former has also been nominated to co-lead the Department of Government Efficiency. Apart from carrying out space missions for NASA, Musk's business interests include launching space-based Internet service globally — using a constellation of satellites under a venture called Starlink. The company's application for providing satellite-based Internet services in India is pending with the Central Government and its clearance is subject to security approval from the Ministry of Home Affairs. Musk and his partner Isaacman becoming part of the Trump administration is likely to impact NASA's policies as well as the space sector globally over the next four years.The appointments come at a critical point for the American space agency, which is planning a return to the moon. NASA conquered the Cold War-era of space race, when it successfully landed humans on the lunar surface in 1969. Post the USSR breakup, it built the International Space Station (ISS) as an international collaborative effort. With changes in technologies connected with space travel and renewed interest in lunar and interplanetary missions, NASA has embarked on the mission to return to the moon.The first moon race was entirely led by state-funded efforts. However, in the second race, private companies are going to play a big role. After NASA shut its space shuttle programme, it funded private companies like SpaceX, Blue Origin (founded by Jeff Bezos) and Boeing to develop reliable space travel systems. The agency has been hiring services from SpaceX to ferry cargo and astronauts to the ISS. For its lunar mission too, NASA must depend on private companies.For NASA's return to the moon after five decades, both SpaceX and Blue Origin are in the race to develop lunar landers. The two companies are being funded to simultaneously develop lunar landers by NASA. If one fails or is delayed, the other can deliver on time. The total value of the contract for Blue Moon Lander is $3.4 billion up to 2029, while that with SpaceX is valued at $2.89 billion. In addition, NASA has a massive budget and awards contracts worth billions of dollars to commercial space companies for a range of projects.Isaacman at NASA's helm and Musk being a part of the Trump administration appears to be a clear case of 'conflict of interest.' Isaacman — with a substantial financial stake in SpaceX —would preside over the high-stakes contracts to private companies, including SpaceX. This apart, he has been critical of NASA's policy of parallel development of lunar landers.Musk has also publicly made fun of his close competitor, Boeing, for its problems with the Starliner spaceship that ferried Sunita Williams to the ISS but developed a snag, delaying her safe return to earth. Isaacman has also criticised NASA's Space Launch System project as a waste of public money. As the next head of NASA, he will have to take a call on several such issues.The first race to the moon was a highlight of the Cold War rivalry between the two superpowers. They eventually saw the futility of such a race, given the inherent risks and high-capita costs involved and began cooperating for projects. The ISS is the prime example of such cooperation between Russia and America and several other nations.NASA also decided to shift some of its key tasks such as space transportation to private companies. The agency is funding private companies to develop new space technologies, thereby reducing the risks involved. Commercial players have benefited from NASA's technical skills by hiring its former experienced scientists, engineers and astronauts.Although, the second race to the moon — NASA's Artemis — is a state initiative, it will be largely driven by commercial space providers. This marks a global shift in the approach to space. The flight of an Indian astronaut to the ISS slated for 2025 is being projected as a by-product of Indo-US cooperation in space, but in effect, it is being executed through commercial operators and is paid for.

We are going to witness such a tilt towards the private sector in other areas of space activity as well. The Indian Space Research Organisation (ISRO) has also started encouraging private players to develop satellites and rockets and launch them. The government has created a Rs 1,000-crore venture capital fund to support space startups. Private engineering firms are already major suppliers to the space agency. The head of IN-SPACe — the agency that coordinates the entry of private companies in the space sector — also comes from the private sector.Space exploration is not just about human curiosity and seeking scientific knowledge. It is as much about diplomacy, geopolitics, national pride and commercial interests. It is about providing commercial and strategic services such as location, search and rescue and is an aid to military campaigns.In the long-term, it could lead to colonising the moon and exploration of resources on planets. Should this activity be pursued in a global cooperative and collaborative manner or left for competition among private companies and billionaires? Even though competition breeds innovation and faster development of technology, it comes with a set of risks and dangers.

THE PHOTON NEWS

Azim Premji, Ranjan Pai in talks to buy minority stake in Akasa Air: Report

NEW DELHI. A consortium led by Wipro founder Azim Premji's family office, Premji Invest, and Manipal Group's Ranjan Pai's family office, Claypond Capital, is set to acquire a minority stake in Akasa Air, as reported by The Economic Times.

The stake will be part of the airline's $130-140 million fundraising round.

The report mentioned that the Premji-Pai consortium has committed over $100 million, with additional contributions from other investors completing the funding round. Negotiations valued the airline slightly below $350 million, a step up from its 2021 valuation of $86 million, as per Tracxn.The deal's contours are finalised, and regulatory approvals from the Competition Commission of India (CCI) are being sought.The Jhunjhunwala family estate, which currently holds a 38% stake in Akasa Air through various trusts, is also planning on increasing its investment.Despite the dilution of shares of founder and CEO Vinay Dube and his brothers, the Jhunjhunwala family will remain the largest single shareholder. Collectively, the Jhunjhunwala estate and the Dube family currently own around 67% of the airline, as per the report.

The newly raised capital will support Akasa Air's growth strategy, including expansion and pre-delivery payments for aircraft. The airline signed a term sheet with the Premji-Pai consortium earlier this month, and the deal is expected to close soon.

This funding round reinforces Akasa Air's market position, signalling confidence in its business model and long-term potential in the competitive aviation sector.

Gold, silver price : Precious metals witness dip on MCX

NEW DELHI. Both gold and silver prices recorded a dip on the Multi Commodity Exchange (MCX) on Friday, December 13, 2024.Gold futures, maturing on February 5, 2024, stood at Rs 77,870 per 10 grams on the MCX, after recording a dip of Rs 99 or 0.13 per cent. The previous close was recorded at Rs 77,969.

Similarly, silver futures, maturing on February 5, 2024, witnessed a dip of Rs 673 or 0.73 per cent and were retailing at Rs 91,960 per kg on the MCX against the previous close of Rs 92,633.The gold and silver prices in India depend on several factors, including the value of the rupee against the dollar. Global demand also plays a key role in determining the trends observed in the rate of precious metals.

GOLD, SILVER PRICES IN INTERNATIONAL MARKET

Gold prices edged higher on Friday and were set for a weekly gain, driven by reports of top consumer China resuming gold purchases, and heightened expectations of an interest rate reduction by the Federal Reserve at its Dec. 17-18 meeting, news agency Reuters reported.According to the latest metal report, spot gold rose 0.3 per cent to $2,688.29 per ounce by 0320 GMT, while, US gold futures were steady at $2,711.30.

Rupee hits new low of 84.88 against USD

BENGALURU. The rupee fell to a new low of Rs 84.88 during intra-day trade on Thursday against the US Dollar. Pressured by increase in crude oil prices and a lingering depreciation bias, it depreciated by 4 paise, and settled at Rs 84.87 per dollar compared to Rs 84.83 on Wednesday.

Analysts pointed out that the rupee continues to hover in a weak range. Jateen Trivedi, VP Research Analyst - Commodity and Currency, LKP Securities, said the recent US CPI data came in line with expectations, signalling potential continuity in the Federal Reserve's rate-cut trajectory.

"However, the dollar held its ground near the key 106$ level, keeping pressure on the rupee. Additionally, FII selling resumed after a brief phase of buying, further contributing to rupee weakness," he added.

The rupee is expected to trade near 84.5 against the dollar by end December. A strong dollar continues to create a depreciating bias for currencies globally and is likely to sustain FPI outflows from Indian markets in the near term."However, interventions by the RBI, supported by India's healthy foreign exchange reserves, should help keep rupee volatility in check. Markets are anticipating fewer Fed rate cuts under a Trump presidency, as his proposed policies, such as tax cuts and higher tariffs, are likely to be inflationary. As a result, the 10Y UST yield has surged by 71bps between October and November (up to November 18), while the dollar index has strengthened by 5.4%, reaching its highest level in a year," said Rajani Sinha, Chief Economist, CareEdge Ratings.FPIs have withdrawn approximately $4 billion from Indian markets in November, following a record $11 billion in outflows in October. While high UST yields and a strong dollar have contributed to these outflows, other domestic factors have also been at play, such as muted corporate earnings and high valuations.

It is expected that the rupee will trade around 84 by the end of FY25. "Going forward, it will be crucial to monitor the implementation of Trump's policies and China's response, as these will play a key role in shaping market dynamics," said Sinha.

November inflation falls to 5.5%; raises rate cut hope in

Though the inflation has come down below the RBI's upper tolerance level of 6%, it is still higher than the targeted inflation of 4%.

NEW DELHI. Retail inflation eased in November to 5.48% compared to 6.21% in October, giving a relief to both common man and policymakers, who have been struggling with the question of growth over inflation.Though the inflation has come down below the RBI's upper tolerance level of 6%, it is still higher than the targeted inflation of 4%.

The moderation in November inflation was mainly on account of 2.2% month-on-month decline in food prices. Though at 9.04% year-on-year growth, food inflation remained at higher levels. Food and beverages account for 45.86% weightage in the Consumer Price Index (CPI), which measures retail inflation.

The easing in inflation was expected as – the main seasonal factor for high food inflation – come down during winters. In November, vegetable prices showed a 4.5% month-on-month decline. However, year-on-year, vegetable prices have surged 29.33%. The month-on-month fall in prices has been witnessed across other categories like fruits, and meat and fish, pulses, etc.However, edible oil and fat prices remain stubborn as they grew by 3% month-on-month and 13.28% year-on-year. Edible oil prices continue to rise because import duties on edible oil were increased in September this year to protect local farmers."In the coming weeks, we expect food prices to ease sequentially. Vegetable prices tend to come down in December when the kharif crop enters the

market. A high base of last year will also help in lowering the reading," says Dipti Deshpande, principal economist, Crisil. The non-food component of CPI remained low at 3.1% supported by the recent softening in global energy and commodity prices. Core inflation was lower than expected, remaining unchanged at 3.7% in November and October.According to Gaura Sen Gupta, chief economist, preliminary estimate for December CPI inflation is tracking at 5.8%, after building-in some moderation in food inflation.RBI in its recent monetary policy statement has projected the Q3 inflation at 5.7% and Q4 inflation at 4.5%. For the full-year, it revised the inflation upwards to 4.8% from 4.5% earlier.

IIP growth rises 3.5% in October

India's industrial production (IIP) growth surged 3.5% year-on-year in October 2024, primarily due to poor performance of mining, power and manufacturing, official data showed on Thursday. The IIP recorded a growth of 11.9% in October 2023, as per a Ministry of Statistics & Programme Implementation statement.

However, on a sequential basis, the factory output in October 2024 rose to 3.5% from 3.1% in September and a contraction of 0.1% in August this year. The growth in the factory output, measured in terms of the IIP, in April-October worked out to be 4% against 7% in the year-ago period.

Explained: Why a credit score over 800 matters

NEW DELHI. A credit score above 800 goes beyond unlocking premium credit cards or attractive loan terms. It serves as a powerful tool to enhance your financial standing, influencing several areas of your life.With such a high score, you can enjoy reduced insurance premiums, better loan interest rates, and smoother access to financial opportunities. This exceptional score reflects strong financial responsibility, offering tangible benefits that can save money and open doors to more favourable terms across various financial products.Here's how maintaining an excellent credit score can work in your favour.

Loan Application
Personal Information
Credit Score

CHEAPER INSURANCE PREMIUMS

Insurance companies use credit scores to assess the risk of insuring an individual. Those with higher credit scores are often viewed as more financially responsible, leading insurers to offer them lower premiums.This is especially true for auto, health, and general insurance policies, where individuals with strong credit scores can benefit from discounts.

LOWER INTEREST RATES ON LOANS

One of the most significant benefits of an excellent credit score is securing loans at lower interest rates. Whether it's a home loan, car loan, or personal loan, lenders are more likely to offer competitive rates to borrowers with high credit scores.

This reduces monthly payments and results in substantial long-term savings. A strong credit score indicates financial stability and responsible debt management, making it easier to negotiate better loan terms.

BETTER CREDIT CARD OFFERS AND REWARDS

With a credit score above 800, you are more likely to be approved for premium credit cards that offer higher limits, better rewards, and lower interest rates. These cards often come with perks like airport lounge access, cashback, and accelerated rewards on certain purchases.

Additionally, cardholders with excellent credit may have the opportunity to negotiate for even better terms, such as reduced interest rates or increased credit limits, which can further improve financial flexibility.

Overall, a high credit score above 800 opens doors to lower costs, better financial deals, and additional opportunities, enhancing both short-term and long-term financial well-being.

Vishal Mega Mart IPO last day: Check gmp, subscription. Shoud you subscribe

NEW DELHI. Vishal Mega Mart's Rs 8,000 crore initial public offering (IPO) will close for bidding on Friday. The public issue has seen good response from investors, having been fully booked on its second day of bidding.

The Vishal Mega Mart IPO has received an overall subscription of 2.73 times as of 12:13 PM on December 13, 2024. The retail category was subscribed 1.68 times, the QIB segment saw 0.77 times subscription, and the NII category recorded a subscription of 7.81 times.The IPO of Vishal Mega Mart aims to raise Rs 8,000 crore via an offer for sale of 102.56 crore shares, while that of Mobikwik is looking to raise Rs 572 crore through an entirely fresh issue of 2.05 crore shares.Vishal Mega Mart IPO has set a price range of Rs 74 to Rs 78 per share. Retail investors need to purchase a minimum of 190 shares in a single lot, requiring an initial investment of Rs 14,820.

LATEST GMP

The grey market premium (GMP) for Vishal Mega Mart IPO has decreased in recent days.

As of 9:54 AM on December 13, 2024, the latest GMP stands at Rs 12. Based on the price band of Rs 78, the estimated listing price is Rs 90 (cap price plus the current GMP). This suggests a potential gain of 15.38% per share.The share allotment for the Vishal Mega Mart IPO is anticipated to be completed on Monday, December 16, 2024. The IPO is expected to debut on the BSE and NSE, with the tentative listing date set for Wednesday, December 18, 2024.

VISHAL MEGA MART

SHOULD YOU SUBSCRIBE?

"Strong market position in India. Consistent financial performance with growing revenue and profitability. Reasonable valuation as it has fair pricing compared to peers. The Company receives no proceeds from the IPO. Suitable for high-risk investors seeking exposure to the retail sector," said Shivani Nyati, Head of Wealth at Swastika Investmart Ltd."The company aims to drive same-store sales growth through several complementary initiatives including expansion of product portfolio, expansion of hyperlocal offering, leveraging technology and data obtained from loyalty program.

Zomato gets Rs 803 crore notice for non-payment of GST

Zomato said that they believe that have a strong case on merits which is backed by opinions from our external legal and tax advisors. The Company will be filing an appeal against the order before the appropriate authority.

NEW DELHI. Food deliver giant Zomato- said on Thursday it has received a tax notice of nearly Rs 803 crore from the Joint Commissioner of CGST & Central Excise, Thane Commissionerate, Maharashtra. The demand order has been received in respect of non-payment of GST on delivery charges with interest and penalty thereon."…in continuation to the disclosure filed on December 27, 2023, this is to inform that the company has received an order on December 12, 2024 which is dated November 12, 2024 for the period October 29, 2019 to March 31, 2022, passed by Joint Commissioner of CGST & Central Excise, Thane Commissionerate, Maharashtra confirming demand of GST of Rs 401,70,14,706 with interest as applicable and penalty of Rs 401,70,14,706," said Zomato in a regulatory filing.Zomato said that they believe that have a strong case on merits which is backed by opinions from our external legal and tax advisors. The Company will be filing an appeal against the order before the appropriate authority.In December last year, Zomato had received a GST notice of Rs 401.7 crore. The Directorate General of GST Intelligence (DGCI) had sent tax notices to Zomato and Swiggy for not paying GST on delivery charges and said the delivery charges decline under the services category and the firms are liable to pay 18% GST.Zomato had then said it is not liable to pay any taxes.

zomato
Zomato - Restaurant Finder

It had said, "The delivery charge is collected by the company on behalf of the delivery partners. Further, in view of the contractual terms and conditions mutually agreed upon, the delivery partners have provided the delivery services to the customers and not the company."

Sensex falls 1,000 points: Key factors behind stock market weakness

Stock market crash: As of 10:37 AM, the Sensex was down 1,064.37 points to 80,225.59, while Nifty was also struggling below 24,300 losing 332.10 points to 24,216.60.

NEW DELHI. Stock markets opened in red on Friday as Sensex tanked more than 500 points despite November inflation coming back into the RBI's tolerance band.As of 10:37 AM, the Sensex was down 1,064.37 points to 80,225.59, while Nifty was also struggling below 24,300 losing 332.10 points to 24,216.60.All the sectoral indices on Nifty were in red along with Nifty Midcap100 and Nifty Smallcap100, with the volatility index rising by 2.83%. What are the factors contributing to the market slide:

FIIs HEADWIND

Dr. V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services said, "In the near-term the market has a headwind and a tailwind. The headwind is the resumption of selling by the FIIs who sold stocks for Rs 3560 crores yesterday. Given the high valuations in India FIIs are likely to sell more at every market rise. Selling has been profitable for FIIs since the dollar has been appreciating after the US election."

RISING DOLLAR

The rupee has been seeing a constant decline and hit an all-time low on Thursday.Reuters reported that the central bank is likely intervening through state-run banks to sell dollars, aiming to stabilise the rupee and prevent it from weakening like other Asian currencies.The rupee stood at 84.84 against the US dollar after opening at 84.86. Meanwhile, other Asian currencies saw declines ranging from 0.2% to 0.5%, and the dollar index remained above the 107 mark.A trader told to Reuters that state-run banks were providing 'good' dollar offers, which represent the Reserve Bank of India's intervention."The tailwind which can support the market is the declining inflation. November CPI inflation at 5.48% has come within the RBI's tolerance limit. If this trend continues it can pave the way for a rate cut by the MPC in February. However, the rising dollar is a concern since it can lead to imported inflation. Nifty is unlikely to break from the range of 24500 - 24850. Buying will emerge at the lower end of the band and selling will resume at the higher end of the band," said Vijayakumar.

DECLINE IN METAL, AUTO, IT, BANKING STOCKS

Banking and metal stocks were major laggards on Friday as it pulled the markets down.Tata Steel declined 2.77%, JSW Steel lost 2.53%, Shriram Finance dropped 2.50%, Indusind Bank decreased 1.93%, and Hindalco fell 1.87%.

Nifty Bank was down 0.89%, Nifty Auto decreasing 0.83%, Nifty Financial Services losing 0.87%, Nifty Financial Services 25/50 down 1.03%, Nifty FMCG falling 0.34%, Nifty IT declining 1.23%, Nifty Metal dropping 2.01%, and Nifty Pharma decreasing 0.77%.Nifty PSU Bank, down 1.65%, Nifty Private Bank declining 0.80%, Nifty Realty falling 0.79%, Nifty Healthcare Index dropping 0.56%, Nifty Consumer Durables decreasing 0.69%, Nifty Oil & Gas down 0.66%, and Nifty Midsmall Healthcare losing 0.75%.Anand James, Chief Market Strategist, Geojit Financial Services said that the slow decline aiming for 24420/380 that we pencilled in yesterday, unfolded through the day, until bargain buying trickled in on the approach of the recent low."This raises the prospects of an early end to the consolidation that has been on through the week. Alternatively, inability to float above 24465 early in the day, could delay the onset of reversal attempts, but fears of a collapse can be set aside, unless 24320 also gives away. Until then, brace for upswings shortly," he added.

400 IndiGo flyers stranded in Turkey for over 24 hours without food, lodging

The passengers shared their ordeal on X, claiming that they were promised food and accommodation by the airlines, but the lounges were too small to accommodate nearly 500 stranded people. The flyers also claimed that they received no help or support from the airline's staff despite an over 24-hour delay.

New Delhi. Around 400 passengers flying with IndiGo have been stranded at Istanbul Airport for over 24 hours, as delays to flights from Istanbul to Delhi and Mumbai left travellers frustrated and without adequate support. Passengers voiced their anger on social media, claiming inadequate communication from the airline's staff, lack of food, and poor accommodation.The trouble began when a flight from Istanbul to Delhi, scheduled to depart at 8.10 pm on December 12, was initially delayed to the next day at 1.30 pm. Passengers were left at the airport with little information or support from IndiGo staff.A flyer posted about the situation on social media, stating that while the flight was delayed by several hours, the passengers were not given adequate food, accommodation, or even proper updates from the airline. The individual questioned the airline's handling of the situation, calling it "bulls**t", asking how such treatment could be justified.Similarly, the flight from Istanbul to Mumbai, originally set to depart at 8.15 pm on December 12, was first pushed to 11.00 pm, then delayed again to the following morning at 10 am.Frustrated travellers took to social media to express their dissatisfaction, saying they received no communication from IndiGo regarding the ongoing delays.Passengers reported that Turkish Airlines staff were the ones providing updates, and there was no formal announcement from IndiGo.Despite promises of lounge access as compensation, the lounge at Istanbul Airport was overcrowded and unable to accommodate all the stranded travellers, they claimed on social media.Many passengers were left standing for hours, facing further discomfort due to the lack of proper facilities. Passengers also expressed their discontent at the lack of alternative flight options or clear communication regarding compensation plans.One passenger, who was on the Mumbai-bound flight, criticised the airline's accountability and customer service, stating that the situation was not just a minor inconvenience but a major failure in basic service."Where is the accountability? Where is the empathy for the passengers stranded overnight at the airport?" a flyer posted, demanding an explanation and aplogy from IndiGo.In response to the complaints, IndiGo apologised for the inconvenience and assured passengers that they would connect with them directly. The airline acknowledged the issues but did not provide specific details about the reasons behind the delays. IndiGo also requested passengers to share their details via direct message for further assistance.

India signs Rs 13,500 crore deal for advanced indigenous Su-30MKI jets

The new Su-30MKIs, featuring 62.6% indigenous content, will be produced at Hindustan Aeronautics Limited's Nasik division, with key components supplied by Indian defence industry partners.

New Delhi. In a major push to strengthen its air power, India has inked a Rs 13,500 crore deal with Hindustan Aeronautics Limited (HAL) for 12 indigenous Su-30MKI fighter jets.The agreement, signed on December 12, 2024, marks a significant step towards self-reliance under the Aatmanirbhar Bharat initiative and bolsters the Indian Air Force's (IAF) operational capabilities.he new Su-30MKIs, featuring 62.6% indigenous content, will be produced at HAL's Nasik division, with key components supplied by Indian defence industry partners.These jets are part of a broader modernisation plan that includes upgrading 84 Su-30MKIs under the "Super Sukhoi" project. The upgrades aim to maintain the aircraft as a formidable force in modern warfare by enhancing their combat capabilities with cutting-edge technology.

Key features of the upgraded Su-30MKI include:Next-generation AESA radar for superior target tracking, electronic warfare, and enhanced situational awareness.Advanced avionics and digital cockpit systems for better mission processing and integration with modern air defence networks.

Enhanced weaponry, including the BrahMos - A cruise missile, Astra BVR missiles, and precision-guided munitions, making the aircraft versatile for diverse missions.State-of-the-art electronic warfare suite for robust protection against radar and missile threats.Upgraded AL-31FP engines for improved thrust, fuel efficiency, and enhanced high-altitude performance.Advanced data link systems to enable real-time coordination with other platforms like drones, AWACS, and ground stations.Indigenous systems such as mission computers and flight controls, reducing dependency on imports and boosting domestic defence manufacturing.

The acquisition comes at a critical time for the IAF, which is addressing a depleting squadron strength. Defence experts have hailed the move as a vital investment in India's long-term strategic preparedness and a.

Opposition MPs move to impeach High Court judge over 'majority's say' remark

New Delhi. Opposition MPs on Friday moved an impeachment motion in the Rajya Sabha seeking the removal of Justice Shekhar Kumar Yadav of the Allahabad High Court following his controversial remarks advocating that the country should function according to the wishes of the majority.The lawmakers, led by Samajwadi Party MP Kapil Sibal, submitted a notice for impeachment to the Rajya Sabha Secretary General on Friday. The motion, signed by around 55 members, is expected to be discussed before the end of the winter session of Parliament.Justice Yadav made the comments during an event organised by the Vishwa Hindu Parishad's (VHP) on Sunday. In widely circulated videos, he endorsed the implementation of a Uniform Civil Code (UCC) and stated that laws should align with the preferences of the majority.

"This is the law.... The law, in fact, works according to the majority. Look at it in the context of family or society... Only what benefits the welfare and happiness of the majority will be accepted," Justice Yadav said.The remarks sparked widespread condemnation, with opposition leaders calling them divisive and unconstitutional.The notice for impeachment states that the judge "engaged in hate speech and incitement" and "targeted minorities and displayed bias and prejudice against them" with his address at the VHP event.Earlier this week, lawyer and activist Prashant Bhushan wrote to Chief Justice of India Sanjiv Khanna, seeking an inquiry into the judge's conduct. Bhushan argued that Justice Yadav's remarks were discriminatory and targeted the Muslim community.

This is not the first time Justice Yadav has been the subject of controversy. In September 2021, he drew criticism for making remarks regarding the sanctity of cows while hearing a case about their slaughter.Under the Constitution, a judge can only be removed through a presidential order following an address by each House of Parliament.

Bail For Bengal Ex Minister Partha Chatterjee, To Be Released On February 1

New Delhi. The Supreme Court has set a deadline for bail to former West Bengal minister Partha Chatterjee in a money laundering case related to the alleged cash-for-job scam and directed to speed up the trial against him. He should be released on February 1 - or before if charges are framed against him and witness statements are recorded, a bench of Justices Surya Kant and Ujjal Bhuyan has said.

Mr Chatterjee, once a trusted lieutenant of Chief Minister Mamata Banerjee, was removed as a minister and suspended by Trinamool after his arrest in a money laundering case related to the alleged teacher recruitment scam in July 2022.The Enforcement Directorate had filed the chargesheet in the case, but the charges are yet to be framed. "We direct the trial court to decide on framing of charges before the winter vacation begins or before 31.12.2024," the Supreme Court said on Friday. The court also noted that Mr Chatterjee is still an undertrial accused and cannot be subjected to punitive detention.

Senior lawyer Mukul Rohatgi, representing the politician, had earlier argued that he has been in jail for over two years whereas the punishment for the charges he faced was seven years' imprisonment. Mr Chatterjee's aide Arpita Mukherjee, from whose house a large amount of cash was seized, has also been granted bail, he had pointed out.

The Supreme Court had last month questioned the ED over low conviction rates in money laundering cases and asked how long the ex-minister can be kept behind bars.

55 Rajya Sabha MPs' Demand Impeachment In High Court Judge's "Majority" Remarks Row

The impeachment motion said Justice Yadav had crossed a line by "expressing his views on political matters in a public space" and that this was an egregious violation.

New Delhi. A group of 55 Rajya Sabha MPs, led by Kapil Sibal, has submitted a request to impeach Allahabad High Court judge Shekhar Kumar Yadav for "hate speech and incitement to communal disharmony".

In a 21-page motion submitted to the Rajya Sabha Secretariat Friday morning, Mr Sibal and his colleagues, including the Congress' P Chidambaram and Digvijaya Singh, the AAP's Raghav Chadha, the Trinamool's Sagarika Ghose and Saket Gokhale, the RJD's Manoj Jha, and the CPIM's John Brittas, argued Justice Yadav's speech - at a Vishwa Hindu Parishad event - "prima facie (shows) evidence (he) has targeted minorities and displayed bias and prejudice against minorities".The impeachment motion red-flagged what it said was Justice Yadav had crossed a line by "expressing his views on political matters in a public space" and that this was an egregious violation.

"... there is no ground for sitting judges of the High Courts to affiliate with extremist groups or parties. No litigant can hope for justice in a court in which a member holds such a biased, prejudiced, publicly expressed opinion against the minority community and in favour of majoritarian approach."Some of those were mentioned (translated from Hindi) in the impeachment appeal, including a reference to "seeing the Ram Mandir with your own eyes", "India should function according to the wishes of the majority... this is the law", and "I have no hesitation in saying this is Hindustan".The appeal cited a 1997 statement by the Supreme Court on Restatement of Values of Judicial Life, in which it was said "a judge shall not enter into public debate or express his views in public on political matters, or on matters that are pending, or are likely to arise for judicial determination".The actions of Justice Yadav, therefore, "are sufficient to prove grounds of misbehaviour and constitute charges of impeachment", based on factors like engaging in hate speech, targeting and making discriminator remarks against minorities, and breaching a constitutional mandate, it said.

Punjab farmer leader shouldn't be forced to break fast: Top court to government

The Supreme Court asked the Punjab and Central governments to immediately provide medical help to the farmer leader Jagjit Singh Dallewal and persuade him to break his fast-unto-death.

New Delhi. The Supreme Court on Friday voiced concern over the deteriorating health of Punjab farmer leader Jagjit Singh Dallewal, whose fast-unto-death entered 18th day on December 13.The top court asked the Punjab and the Central government to immediately provide medical help to the farmer leader and persuade him to break his fast-unto-death.The top court further asked Centre and Punjab government representatives to immediately meet farm leader Dallewal, but warned against the use of any force to break his protest.

In its observations, the Supreme Court said, "Human life is more precious than agitation. However, the government should not force the farmer to break his fast forcefully. "The Supreme Court also directed the court-appointed committee to keep talking to the farmers to resolve the friction issues.Dallewal has been on a fast-unto-death at the Khanauri border between Punjab and Haryana since November 26 to press the Centre into accepting the agitating farmers' demands, including a legal guarantee of MSP on crops.On December 12, Dallewal also wrote an open letter to Prime Minister Narendra Modi in which he asserted that ensuring a minimum support price (MSP) to every farmer is like the fundamental right to live.Farmers under the banner of Samyukta Kisan Morcha (Non-Political) and Kisan Mazdoor Morcha have been camping at Shambhu and Khanauri border points between Punjab and Haryana since February 13 after their march to Delhi was stopped by security forces.A "jatha" (group) of 101 farmers made two attempts to enter Delhi on foot on December 6 and December 8. They were not allowed to proceed by security personnel in Haryana. The protesting farmers would make another attempt to march on December 14.

Samyukta Kisan Morcha leaders Rakesh Tikait and Harinder Singh Lakhowal are expected to visit Khanauri border on Friday to meet Dallewal.

Supreme Court to rule on 'Jai Shri Ram' chant in mosque hurting sentiments

The Supreme Court is scheduled to hear a petition challenging the quashing of criminal proceedings against two men who allegedly entered a mosque in Karnataka and chanted 'Jai Shri Ram'.

New Delhi. The Supreme Court is set to hear a plea on Monday challenging the Karnataka High Court's decision to set aside criminal proceedings against two men accused of raising 'Jai Shri Ram' slogans inside a mosque in Karnataka.The case stems from a September 2023 incident at the Badriya Juma Masjid in Dakshina Kannada, where two men allegedly entered the mosque premises, chanted 'Jai Shri Ram', and threatened members of the Muslim community, stating they "will not let Bearys (or Byari, a Muslim community) live in peace."The incident, captured on the mosque's CCTV, reportedly ended when people from the mosque office came out after hearing the commotion, causing the men to flee.An FIR was registered under Sections 447, 295A, 505, and 506 of the Indian Penal Code (IPC), covering charges such as criminal trespass, deliberate insult to religious sentiments, public mischief, and criminal intimidation.

The Karnataka High Court, however, quashed the FIR in October, having earlier stayed the police investigation. The court ruled that the allegations did not fulfil the essential ingredients of the offences mentioned in the FIR. It further observed that chanting 'Jai Shri Ram' does not, in itself, hurt religious sentiments.The petitioner then challenged the High Court's ruling in the Supreme Court, arguing that the court failed to consider the context of the incident. According to the plea, the slogan 'Jai Shri Ram' was deliberately chanted after the accused trespassed into mosque premises and issued threats against the Muslim community.The petition further contends that the Karnataka High Court erred in law by staying the investigation at an early stage and subsequently quashing the FIR.

It asserts that the FIR outlined prima facie ingredients of both cognisable and non-cognisable offences, which warranted a proper investigation.The Supreme Court is expected to examine whether the High Court's decision to set aside the proceedings was justified and whether an investigation should be allowed to proceed.The matter is scheduled to be heard on Monday.

NEWS BOX

Baba Vanga's 2025 Predictions: 'War In East Will Destroy West' Plus Alien Encounters

Baba Vanga's 2025 Predictions. Vangelia Pandeva Gushterova, also known as Baba Vanga, was a blind Bulgarian mystic who died in 1996 at the age of 85. Even after her death, people all across the world are still fascinated by her prophecies. Called the 'Nostradamus of the Balkans,' Baba Vanga claimed that she lost her sight at the age of twelve and then developed the gift of prophecy. One of her most prominent forecasts was the September 11, 2001, attack on the Twin Towers in New York.

Baba Vanga made several chilling predictions for 2025, many of which suggest death and destruction. Her 2025 prophecies, which continue to intrigue people, include warnings of catastrophic global events. These forecasts are concerning because they appear to predict global unrest that might affect the entire planet. Baba Vanga's predictions are a subject of constant interest and concern due to her capacity to predict such occurrences. Here are a few of the Nostradamus of the Balkans' extremely outrageous but believable prophecies.

The destruction of Europe

According to the Daily Star, the mystic predicted war and the absolute destruction of the West-oh joy. She said, "As soon as Syria falls, expect a great war between the West and the East. In the spring, a war in the East will begin, and there will be a Third World War. A war in the East that will destroy the West." And in another prediction, she claimed, "Syria will fall at the feet of the winner, but the winner will not be the one." It's hard to argue about this one, given it's clearly happening in front of our own eyes.

Alien contact

As per the news portal, Vanga warned: "Humanity will make contact with extraterrestrial life, possibly leading to a global crisis or apocalypse."

With the promise of Donald Trump releasing all files the United States Government holds on aliens when he gets into power, it's possible that this prediction is far more accurate than we'd like to believe.Telepathy is not far off

Baba Vanga predicted that humanity would develop telepathy by 2025, allowing for direct mind-to-mind communication. This advancement, she believed, would revolutionise human interaction.Elon Musk's brain chip has already been making waves with a form of telepathy where a person controls technology, but could he finally crack a human-to-human version?

Travis Timmerman, Missing US Citizen Found In Syria After Release From Prison

Aqaba, Jordan. The United States is working to get an American citizen found on Thursday in Syria out of the country and bring him home, US Secretary of State Antony Blinken said in Jordan, where he held meetings to discuss the political transition of Syria.

In media reports, the man was identified as Travis Timmerman.

"In terms of American citizen who was found just today, I can't give you any details on exactly what's going to happen, except to say that we're working to bring him home, to bring him out of Syria," Blinken told reporters in Aqaba, "But for privacy reasons, I can't share any more details about this," Blinken added.CBS News reported that Timmerman identified himself as an American from Missouri and that he was freed from a prison earlier in the week after Syrian rebel groups ousted the country's longtime president Bashar al-Assad over the weekend.Assad fled to Russia after a 13-year civil war and more than five decades of his family's autocratic rule, during which Syria ran one of the most oppressive police states in the Middle East.

Following his ouster, Syrians flocked to the infamous prisons where the Assad regime is estimated to have held tens of thousands of detainees.Blinken added that the efforts to locate Austin Tice, another US citizen who was abducted in Syria over a decade ago was still continuing."No update on Austin Tice, except to say that every single day, we are working to find him and to bring him home, making sure that the word is out to everyone that this is a priority for the United States," Blinken said.Tice, a former US Marine and a freelance journalist, was 31 when he was kidnapped in August 2012 while reporting in Damascus. President Joe Biden said on Sunday the US government believes Tice is alive. He has tasked his team with doing whatever it takes to bring Tice home, according to people familiar with the directive.

We're not being told the truth': Mysterious drones in New Jersey fuel UFO theories

world. A few weeks ago residents of New Jersey spotted unidentified drones in the skies, some believing it was a UFO but the authorities still have no clue.

Rep. Jeff Van Drew, who along with R-N J suggested that unmanned aerial vehicles could be Iranian 'mothership,' contested this on Fox News that, "We aren't being told the truth. They are dealing with the American public like we're stupid."

Dismissing the case of the possibility of an Iranian "mothership" being responsible, White House spokesperson John Kirby said that the Coast Guard has confirmed that there is no evidence of any foreign-based involvement from coastal vessels.

In a presser, Kirby said, "We have no evidence at this time that the reported drone sightings pose a national security or a public safety threat or have a foreign nexus. The Department of Homeland Security and the FBI are investigating these sightings, and they're working closely with state and local law enforcement to provide resources, using numerous detection methods to better understand their origin."

US President-elect Trump invites China's Xi to his inauguration as he threatens big tariffs on Beijing

WEST PALM BEACH. US President-elect Donald Trump has invited Chinese President Xi Jinping to attend his inauguration next month — extending a diplomatic olive branch even as Trump threatens to levy massive tariffs on Chinese goods.Trump's incoming press secretary, Karoline Leavitt, confirmed on Thursday that Trump invited Xi, but said it was "to be determined" if the leader of the United States' most significant economic and military competitor would attend."This is an example of President Trump creating an open dialogue with leaders of countries that are not just our allies, but our adversaries and our competitors too," Leavitt said in an appearance on Fox News' program "Fox & Friends." "We saw this in his first term. He got a lot of criticism for it, but it led to peace around this world. He is willing to talk to anyone and he will always put America's interest first."CBS News first reported the invitation to Xi.Asked at a Chinese Foreign Ministry briefing on Thursday about Trump's invitation, spokesperson Mao Ning responded: "I have nothing to share at present."Leavitt said that other foreign leaders have also been invited, but did not provide any details.The move by Trump to invite a leader of an adversarial nation to the American moment that is Inauguration Day is unorthodox. But it also squares with his belief that foreign policy—much like a business negotiation—should be carried out with carrots and sticks to get the United States' opponents to operate closer to his administration's preferred terms.Jim Bendat, a historian and author of "Democracy's Big Day: The Inauguration of Our President," said he was not aware of a previous U.S. inauguration attended by foreign head of state."It's not necessarily a bad thing to invite foreign leaders to attend," Bendat said. "But it sure would make more sense to invite an ally before an adversary."Trump on Thursday during an appearance at the New York Stock Exchange, where he was ringing the opening bell to open the market, said he's been "thinking about inviting certain people to the inauguration" without referring to any specific individuals.

"And some people said, 'Wow, that's a little risky, isn't it?'" Trump said. "And I said, 'Maybe it is. We'll see. We'll see what happens.' But we like to take little chances."Meanwhile, a top aide to Hungarian President Viktor Orban, one of Trump's most vocal supporters on the world stage, said Thursday that Orban isn't slated to attend the inauguration."There is no such plan, at least for the time being," said Gergely Gulyás, Orban's chief of staff.The nationalist Hungarian leader is embraced by Trump but has faced isolation in Europe as he's sought to undermine the European Union's support for Ukraine, and routinely blocked, delayed or watered down the bloc's efforts to provide weapons and funding and to sanction Moscow for its invasion. Orban recently met with Trump at Mar-a-Lago.Every country's chief of mission to the United States will also be invited, according to a Trump Inaugural Committee official who was not authorized to comment publicly and spoke on condition of anonymity.The invitation comes as Trump has vowed to enact massive tariffs on Canada, Mexico and China to get those countries to do more to reduce illegal immigration and the flow of illegal drugs such as fentanyl into the United States.He has said that, on his first day in office in January, he would impose 25% tariffs on all goods imported from Mexico and Canada and that China could be hit with even higher tariffs.China produces precursor chemicals used in the production of fentanyl, but Beijing has stepped up efforts over the last year to crack down on the export of the chemicals.

"We've been talking and discussing with President Xi, some things, and others, other world leaders, and I think we're going to do very well all around," Trump said in a CNBC interview Thursday.Xi during a meeting with President Joe Biden last month in Beijing urged the United States not to start a trade war."Make the wise choice," Xi cautioned.

Brazil's 2026 elections may be without Lula or Bolsonaro. Here's why

BRASILIA. Brazil's 2026 presidential election may offer a field of candidates featuring neither incumbent Luiz Inacio Lula da Silva nor far-right rival Jair Bolsonaro.That scenario -- possible, given Lula's state of health and a ban on Bolsonaro holding public office -- would present a novel situation and open the door to possible successors.Lula, 79, is currently in hospital, recovering from emergency surgery on Tuesday to relieve pressure from bleeding under his skull related to a bad fall he had in October.

Previously, Lula had treatment in 2011 for throat cancer, and last year a hip replacement operation.The health woes undermine the robust image that the raspy-voiced leftist icon has long projected, and which galvanized voters to have him as their president between 2003 and 2010, and again since 2023.

In a CNN interview last month Lula declared himself willing to run again if no other viable left-wing candidate emerged."I hope it won't be necessary," he said.An ally, Uruguay's ex-president Jose Mujica, recently told AFP: "Lula's nearly 80 and he has no replacement. That is Brazil's misfortune."

Bolsonaro, 69, faces challenges of a legal nature to try to regain the presidency he lost to Lula in 2022 elections.

The former army captain, who relishes being compared to his hero Donald Trump, has been barred from holding public office, or leaving Brazil, because of what police say was a failed 2022 coup plot against Lula.

Bolsonaro got his ban on public office by making unsubstantiated claims of fraud in Brazil's electronic voting system in that year's election.Police say he also incited a January 8, 2023 insurrection in which thousands of supporters stormed the presidential palace, the Congress and the Supreme Court, and allege he had a decree written to invoke emergency powers to stay in charge.Bolsonaro denies the accusations -- which the attorney general is currently weighing to decide if formal charges will be laid -- and has vowed to have the ban set aside so he can run again."I am Plan A, Plan B and also Plan C" for 2026, he told a radio program last week."Bolsonaro seeks inspiration from Trump... but has before him a long battle in the courts," said Roberto Goulart, an international relations professor at Brasilia University.

FBI should have done more to collect intelligence before 2021 US Capitol riot, watchdog finds

WASHINGTON. The FBI should have done more to collect intelligence before the Capitol riot even though the bureau did prepare for the possibility of violence on Jan. 6, 2021, according to a watchdog report Thursday. It also said no undercover FBI employees were present that day and none of the bureau's informants was authorized to participate.The report from the Justice Department inspector general's office knocks down a fringe conspiracy theory advanced by some Republicans in Congress that the FBI played a role in instigating the events that day, when rioters determined to overturn Republican Donald Trump's 2020 election loss to Democrat Joe Biden stormed the building in a violent clash with police.The review was released nearly four years after a dark chapter in history that shook the bedrock of American democracy.Though narrow in scope, the report aims to shed light on gnawing questions that have dominated public discourse, including whether major intelligence failures preceded the riot and whether anyone in the crowd was for some reason acting at the behest of the FBI. It's the latest major investigation about a day unlike any other in US history that has already yielded congressional inquiries and federal and state indictments.The watchdog found that 26 FBI informants were in Washington for election-related protests on Jan. 6, and though three entered either the building or a restricted area outside, none had been authorized to do so by the bureau or to break the law or encourage others to do so.The report also found that the FBI did take appropriate steps to prepare for the events of Jan. 6, but failed to scour its 56 field offices across the country for relevant intelligence.The watchdog's lengthy review was launched days after the riot, following revelations that a Jan. 5, 2021, bulletin prepared by the FBI's Norfolk, Virginia, field office that warned of the potential for "war" at the Capitol.The former head of the FBI's office in Washington has said that once he received that Jan. 5 warning, the information was quickly shared with other law enforcement agencies through a joint terrorism task force.But Capitol Police leaders have said they were unaware of that document at the time and have insisted that they had no specific or credible intelligence that any demonstration at the Capitol would result in a large-scale attack on the building.FBI Director Chris Wray, who announced this week his plans to resign at the end President Joe Biden's term in January, has defended his agency's handing of the intelligence report. He told lawmakers in 2021 that the report was disseminated though the joint terrorism task force, discussed at a command post in Washington and posted on an internet portal available to other law enforcement agencies.

"We did communicate that information in a timely fashion to the Capitol Police and (Metropolitan Police Department) in not one, not two, but three different ways," Wray said at the time.

"Confirm Our Readiness": Syrian Rebels Vow To Search For Missing US Journalist Austin Tice

Damascus, Syria. Syria's new leadership said Thursday it was searching for missing US journalist Austin Tice and had secured the release of another American it said had been held by the ousted government.In 2022, US President Joe Biden accused Syria of holding Tice, a freelance photojournalist detained near Damascus a decade earlier, and demanded that the government of Bashar al-Assad release him.

The transitional government, which took the helm in Syria after Assad's ouster on Sunday, said that "the search for American citizen Austin Tice is ongoing"."We confirm our readiness to cooperate directly with the US administration to search for American citizens disappeared by the former Assad regime," the transitional government's department of political affairs added in a statement on Telegram.In recent day, Syrian residents and armed men have broken into government prisons, freeing inmates, some of whom have spent decades behind bars.The political department's statement said that another US citizen, Travis Timmerman, "has been released and secured".Residents of the Al-Zyabiyeh neighbourhood of Damascus said they had found Timmerman wandering around without shoes."The municipality guard Mousa Rifai found him, so we brought him to our house and fed him and he slept for about an hour," said Ziyad Nedda."He was held in the Palestine Branch, he wouldn't stop saying it. 'I was held in the Palestine Branch in Damascus'," he said.The "Palestine Branch", also known as Branch 235, was a prison operated by the Syrian intelligence services under Assad.Release 'huge Christmas present'According to US media reports, 29-year-old Timmerman was last seen in Budapest, Hungary, in early June.His sister Pixie Rogers described his release as a "huge Christmas present" and said she "can't wait for that day" she is reunited with her brother.Timmerman's mother "is very, very ecstatic...overwhelmed, and just beyond super excited with this information that we got today," Rogers told the US network CBS.Tice was working for Agence France-Presse, McClatchy News, The Washington Post, CBS and other media outlets when he was detained at a checkpoint in Daraya, a suburb of Damascus, on August 14, 2012.Last week, the missing journalist's mother, Debra, told reporters her son is believed to be alive and is being "treated well," without providing further details.The rebel forces, led by the Islamist group Hayat Tahrir al-Sham (HTS), appointed an interim prime minister on Tuesday to lead Syria until March.Assad fled the country over the weekend, ending a half-century of his family's iron-fisted rule.

More than 50 people, including children killed by latest Israeli airstrikes in Gaza

The latest deadly strike hit the urban Nuseirat refugee camp just hours after Joe Biden's national security adviser, Jake Sullivan, told reporters in Jerusalem that the ceasefire in Lebanon has helped clear the way for a potential deal to end the war in Gaza between Israel and Palestine.

world. An Israeli airstrike flattened a multistory building in central Gaza, killing at least 25 people and wounding dozens more, according to Palestinian medical officials, after strikes Thursday across the Gaza Strip killed at least 28 others.The latest deadly strike hit the urban Nuseirat refugee camp just hours after U.S. President Joe Biden's national security adviser, Jake Sullivan, told reporters in Jerusalem that the recent ceasefire in Lebanon has helped clear the way for a potential deal to end the war in Gaza between Israel and Hamas.The Israeli military did not immediately comment on the deadly strike in Nuseirat. Israel says it is trying to eliminate Hamas. The Israeli military says Hamas militants hide among Gaza's civilian population.The fighting has plunged Gaza into a severe humanitarian crisis, with experts warning of famine in some of the hardest-hit parts of the territory.Israel's offensive has killed over 44,800 Palestinians in Gaza, more than half of them women and children, according to the Gaza Health Ministry, which does not say how many were combatants.Two UN aid convoys violently attacked in Gaza, US food agency says

Two U.N. aid convoys were violently attacked in Gaza, making it virtually impossible for humanitarian agencies to operate without putting staff and civilians at risk, the U.N. food agency says.

On Wednesday, a 70-truck convoy from Kerem Shalom was waiting for personnel to safeguard the food and other aid destined for central Gaza when there were reported attacks by Israeli forces in the nearby humanitarian zone, the U.N. World Food Program said Thursday.More than 50 people are now estimated to have died in the attacks, including civilians and local security personnel who had been expected to ensure the convoy's safety, WFP said.The Rome-based agency said the convoy was forced to proceed from Kerem Shalom to central Gaza without any security arrangements, using the Philadelphi corridor, an Israeli-controlled route that had been recently approved and successfully utilized twice.On the way, WFP said, conflict and insecurity led to a loss of communications with the convoy for more than 12 hours. "Eventually, the trucks were found but all food and aid supplies were looted," the U.N. agency said.In a second incident, Israeli soldiers approached a WFP convoy moving out of the Kissufim crossing into central Gaza, fired warning shots, conducted extensive security checks, and temporarily detained drivers and staff, the agency said.

"As the trucks were delayed, four out of the five trucks were lost to violent armed looting," WFP said.

THE PHOTON NEWS

www.thephotonnews.com
Saturday, 14 December 2024

NEWS BOX

Viswanathan Anand shares throwback photo of Gukesh: The boy who would be King

New Delhi. Five-time World Chess Champion Viswanathan Anand continued to celebrate D Gukesh's historic world championship triumph. On Friday, the legendary chess player took to social media to share an old photograph of himself with a young D. Gukesh. On December 12, Gukesh defeated Ding Liren in a thrilling decisive final game in the Championship match to claim the prestigious title, becoming only the second Indian to do so after Anand.Anand, who met Gukesh as a child, fondly referred to him as the "boy who would be king" in his post, recognising the immense talent the young chess prodigy displayed even then. Gukesh shattered a 38-year-old record held by Russian legend Garry Kasparov, who became World Champion at 22 in 1985. At just 18, Gukesh has now etched his name into chess history.

Gukesh is one of the students in the first batch of the WestBridge Anand Chess Academy, founded by Anand. The WACA has been supporting young chess talents with exposure to the best minds in the sport. The match against Ding was a closely contested affair, with both players tied at 6.5 points heading into the final game. The deciding Game 14 showcased Gukesh's strategic brilliance and composure under pressure. Ding, playing with the white pieces, seemed poised for a draw until a costly mistake on the 53rd move sealed his fate. Gukesh's consistent pressure, aided by a pawn advantage, forced an uncharacteristic error from the defending champion, marking a dramatic end to the contest.

Following the victory, an emotional Gukesh was seen shedding tears of joy. In a moment, reflecting his humility and sportsmanship, the young champion rearranged the chess pieces on the board and applauded Ding for the intense battle they had shared.Anand's acknowledgment of Gukesh's achievement as a heralding moment for a new generation of chess stars resonates deeply within the Indian chess community. This historic win positions Gukesh as a global ambassador for the sport, inspiring aspiring players across the world.With this triumph, Gukesh has not only secured his place in the annals of chess history but has also ensured that India continues to be a significant force on the global chess stage.

Hojlund gets Manchester United over Viktoria Plzen, Tottenham draw stalemate

New Delhi. An eventful evening of UEFA Europa League action saw Manchester United edge Viktoria Plzen 2-1, courtesy of a timely brace from Rasmus Hojlund. Trailing 1-0 at half-time, United turned the tide in the second half under Ruben Amorim's guidance, securing the Portuguese manager's third victory in six games. Hojlund's stellar performance rescued United, but questions lingered over Marcus Rashford's form as the Red Devils continue to seek consistency. Despite their struggles, the crucial three points bolster United's campaign in a highly competitive group stage.Elsewhere, Tottenham Hotspur, managed by Ange Postecoglou, were held to a 1-1 draw by Scottish Premiership heavyweights Rangers. The visitors initially took the lead in the first half, but Dejan Kulusevski equalized at the 75th-minute mark, salvaging a point for Spurs. Though Tottenham dominated possession, their inability to capitalize on opportunities underscored ongoing issues in finishing critical matches. Rangers, meanwhile, celebrated the result as a testament to their defensive resilience and counterattacking prowess.Serie A side Lazio secured a convincing 3-1 victory over Dutch giants AFC Ajax. The match saw veteran forward Pedro roll back the years with a clinical finish, helping his side maintain dominance throughout the encounter. Lazio's midfield control and attacking efficiency proved too much for Ajax, as Maurizio Sarri's team climbed higher in their group standings, demonstrating their intent to progress deep into the competition.Arguably the most thrilling encounter of the evening took place in Lyon, where Olympique Lyonnais edged Bundesliga side Eintracht Frankfurt in a 3-2 nail-biter. Both teams displayed attacking intent and traded blows in a high-octane match, but Lyon's superior composure in key moments sealed the victory. The win was crucial for Lyon as they aim to reclaim European prominence, while Frankfurt rued missed chances in an otherwise valiant effort.

Cricket to Chess: Mental coach Paddy Upton a constant in India's sporting highs

Chess World Championship: D Gukesh gave a special mention to Paddy Upton, emphasising the significant role played by the mental conditioning coach in his road to glory. The former South African cricketer was also part of India's 2011 World Cup-winning team.

New Delhi. Paddy Upton has made a habit of shaping sporting champions. From crafting India's mental resilience for the 2011 Cricket World Cup – the cricket team's first title in 28 years – to inspiring the men's hockey team to a historic bronze medal at the Tokyo Olympics, Upton's expertise has transcended disciplines.

His latest triumph? Guiding Indian teenage Grandmaster D Gukesh to World Chess Championship glory.Gukesh and Upton began collaborating in mid-2024, with the connection facilitated by Sandeep Singhal, co-founder of the WestBridge-Anand Chess Academy (WACA). Although Gukesh had a team filled with chess greats, WACA recognised the need for a mental conditioning expert. That led them to approach Upton, whose illustrious CV made him an obvious choice.Soon after the historic victory, Gukesh revealed his team of seconds (professional players who assist others) and gave a special mention to Upton, emphasising the significant role the former South African cricketer played in his journey to glory.

Upton, a former first-class cricketer from South Africa, understood little about chess itself, but he worked on shaping Gukesh's mental fortitude.Also Read: How 'heartbroken fan' D Gukesh was fuelled by Anand's 2013 lossGukesh needed to be at his mental best, especially amid chatter about Ding Liren's lean patch leading up to the World Championship. Some pundits even speculated that Ding might not show up to defend his crown. However, the Chinese Grandmaster surprised everyone with an exceptional performance in the opening game in Singapore, playing his best chess in two years. In the decisive Game 14, Ding was mere minutes away from forcing a tiebreaker in the Championship, but Gukesh's persistence, focus, and a critical blunder from Ding turned the game in his favour on Thursday."Paddy has been a huge, huge support for me in the last six months. Although he is not part of my chess team, he has been a very, very important person in this journey. One of the critical aspects we worked on was managing the uncertainty around my opponent's form and approach. Paddy doesn't understand chess deeply, but he understands sport and the psychology behind it," Gukesh remarked.

Upton and Gukesh held weekly sessions focused on fostering mental clarity and maintaining composure under pressure, essential traits for championship-level play. Upton's emphasis on simplicity became a cornerstone of their strategy.Gukesh's World Championship victory not only cements his place among the chess elite but also underscores the growing significance of mental conditioning in modern sports.As Gukesh noted, "It's really cool that Paddy helped India win the 2011 World Cup. Thirteen years later, he has helped India win the Chess Championship."Speaking to Chess24, Upton reflected: "One of the biggest mistakes newcomers make at big events is thinking they need to do something special. The key is consistency – doing what you've been doing really well, one move at a time."This philosophy proved crucial in the gruelling World Championship matches, where Gukesh's ability to remain calm under pressure ultimately tipped the scales in his favour.Beyond mental preparation, Upton also introduced physical workouts to ensure Gukesh remained sharp and balanced.As Gukesh explained, "Not only the mental part, but he also planned workouts to keep me in shape physically. Our sessions were about having conversations, sharing thoughts, and receiving feedback. Paddy listened to my thoughts and gave me invaluable insights."WHEN UPTON MOULDED CRICKET AND HOCKEY CHAMPIONS

Upton's journey with elite athletes highlights the universal applicability of mental conditioning. In cricket, he was part of Gary Kirsten's coaching team that masterminded India's 2011 World Cup triumph, a victory etched in the nation's collective memory.ss

Chennai to Singapore: Gukesh's triumph heralds a new golden age for Indian chess

World Chess Championship: D Gukesh's success at the highest level and the rise of a young crop of Indian Grandmasters make for exciting times for Indian Chess.

New Delhi. A flight from Chennai to Singapore takes four hours, give or take. But for Indian chess fans, the journey to redemption has taken 11 long years. Back in Chennai, 2013, the dreams of a billion were shattered when Viswanathan Anand succumbed to Magnus Carlsen, ending his illustrious six-year reign as one of the best chess players in the world. Now, 11 years later, in Singapore, Gukesh beat Ding Liren in one of the most spectacular games in the history of the World Chess Championships.The final moments of Thursday's game will forever be etched in the minds of a billion Indians.Gukesh, realising the ultimate blunder from Ding Liren, composed himself and kept his emotions under check. In these situations, the chances of a blunder increase many times. Gukesh, with a pawn up and going into the King's endgame, concluded the moment was his. He made the move, walked around the room and tried to keep calm. He laughed in disbelief over the blunder. When Ding offered the handshake, the emotions just poured out. A billion Indians celebrated. The World Chess Championships had come back home after 11 years.When Gukesh won the World Chess Championships, somewhere Viswanathan Anand had a calm smile. His legacy has only been cemented by Gukesh's immortal feat. Gukesh is also part of the Westbridge Anand Chess Academy. Now, the academy has produced a world champion. When Anand won the World Chess Championships, the era was different. There was dispute in FIDE. Many westerners felt that an Indian did not have the mentality to win a major world title. When Anand won the title in 2000, many put it down stating that FIDE was split and who is the best player disputed. But from 2007 till 2012, there was domination unlike any.In Gukesh's case, there was a question mark as to who will take over from Anand. Social media and technology had erupted exponentially in the decade following Anand's loss. Now, chess engines were becoming sophisticated. Social media was the x-factor in preparation. Overcoming all of that at the age of 18 is truly a monumental moment.Speaking exclusively to India Today, Viswanathan Anand remarked, "Gukesh's win will go a long way for Chess in India." The godfather of Indian Chess has never spoken truer words.CHESS ON THE HIGH IN INDIA AGAIN?

In India, there is appreciation for the sport if you keep on winning. Shooting would never have grown big in India had it not been for Abhinav Bindra's epoch-making gold medal in Beijing in 2008. Javelin would not have been the buzzword had Neeraj Chopra not secured the ultimate prize in Tokyo 2021.

AUS vs IND, 3rd Test Weather Prediction: Will rain play spoilsport at the Gabba

New Delhi. As Rohit Sharma-led India prepares to face Australia in the third Test of the five-match Border-Gavaskar Trophy at the iconic Gabba in Brisbane, starting on Saturday, December 14, the looming threat of rain could significantly impact the match. The series is currently tied at 1-1, with Australia bouncing back from their loss in the Perth Test with a commanding win in the pink-ball Test in Adelaide. Both teams are eager to take control, but weather conditions may play a crucial role in determining the outcome of this highly anticipated clash.India now return to the scene of their historic 2021 victory, where they became the first visiting team to win a Test at the Gabba in 33 years. This victory came despite significant challenges, as India was missing key players like Virat Kohli, Jasprit Bumrah, R. Ashwin, and Mohammed Shami. This time around, India is aiming for a similar result, with their World Test Championship Final hopes hanging by a thread, and a rain-threatened Brisbane Test could complicate their pursuit of a series win.Although Brisbane has enjoyed sunny conditions leading up to the Test, forecasts indicate thunderstorms on December 14. Australia captain Pat Cummins addressed this during his pre-match conference, downplaying concerns but acknowledging the possibility of interruptions.

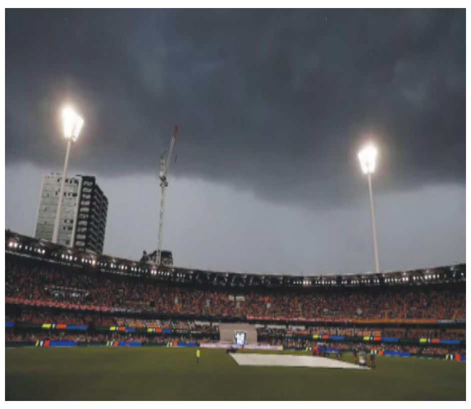

AUS vs IND 3rd Test: Weather Forecast

According to AccuWeather, the temperature on December 14 in Brisbane is expected to hover around 27 degrees Celsius, with high humidity. Rainfall probability exceeds 60%, with thunderstorms likely during the morning session. The match, scheduled to begin at 10:50 AM local time (5:30 AM IST), could see interruptions affecting Day 1.As India prepares to battle a strong Australian side and unpredictable weather, the stakes for the Gabba Test are sky-high, and the hosts have already received a major boost with their star pacer Josh Hazlewood returning to the mix after missing the Adelaide Test with injury.

WI vs BAN: West Indies thump Bangladesh to clinch a memorable 3-0 ODI series win

New Delhi. West Indies capped off a dominant 3-0 ODI series victory over Bangladesh with a thrilling four-wicket win in the third ODI at Werner Park, St. Kitts, on December 12. Debutant Amir Jangoo's unbeaten 104 and Keacy Carty's remarkable 95 were the driving forces behind the hosts successfully chasing a challenging 322-run target, marking only the fourth time in West Indies history they've achieved a 300-plus ODI chase.Opting to bowl first, the West Indies' bowling unit, led by Alzarri Joseph and Roston Chase, restricted Bangladesh to 321. Joseph claimed two wickets, while Chase's consistent spin pegged back the visitors, who relied on a captain's knock from Mehidy Hasan Miraz in his 77, alongside the likes of Mahmadullah's 84, and also a steady 73 from Soumya Sarkar. However, the total proved insufficient against a resurgent West Indies side.The chase began shakily for West Indies, with openers Brandon King and Alick Athanaze falling cheaply. After being 86/4, Keacy Carty and Jangoo steadied the ship, forming a crucial 132-run partnership. Debutant Jangoo exhibited nerves of steel, anchoring the innings with precision and unleashing a flurry of boundaries to keep the required run rate in check.Carty, too, played a pivotal role, falling just five runs short of a second ODI century after a valiant 95. His dismissal at a critical juncture could have tilted the balance, but Jangoo's composed approach ensured the West Indies stayed on track. With lower-order contributions from skipper Shai Hope and Romario Shepherd, the hosts sealed the win in the penultimate over.Jangoo's century .

Pat Cummins warns India of another bouncer barrage, reveals Gabba pitch prediction

New Delhi. Australia captain Pat Cummins has warned India of another barrage of short-pitched deliveries in the third Test of the Border-Gavaskar Trophy in Brisbane. After finding success with the strategy of targeting Indian batters with bouncers, the star fast bowler suggested Australia might continue the approach at the iconic Gabba.Cummins faced criticism for an underwhelming performance in the series opener in Perth, where India secured a commanding 295-run victory. However, he rediscovered his rhythm through the use of bouncers, claiming a five-wicket haul in the second innings of the pink-ball Test in Adelaide. Cummins bent his back and targeted the Indian batters' helmets, bowling them out for 175 in their second innings. After Mitchell Starc swung his way to six wickets in the first innings, Cummins rattled the Indian line-up with his pace and bounce.

advertisement"Yes, potentially," Cummins said when asked if India could expect more bouncers in the third Test. The Australian captain was addressing the media at the Gabba on Friday -- the eve of the Brisbane battle."It worked out in the Adelaide Test. It's always in the back of your mind as a bit of a Plan B, or if it's looking really uncomfortable and likely to take wickets, maybe it comes with Plan A for some of the batters."It worked in Adelaide, so I'm sure we'll give it a shot at some point this Test," he added.India's lacklustre batting display in Adelaide helped Australia level the series at 1-1. While key players like Virat Kohli and Rohit Sharma succumbed to seam and swing, several batters fell victim to short-pitched deliveries.

CUMMINS ON GABBA PITCH

Cummins also commented on the nature of the Gabba pitch, noting that it might not be as lively as its reputation suggests. The Australian captain explained that recent sunny weather in Brisbane will have its effect on the way the pitch would behave in the coming days.

RICKET WHAT A F LING

Gabba Test: Complete Guide

"I looked at it yesterday – it looked like a good wicket, like it has been the last few years," Cummins said."A bit of sun baking it the last couple of days (means) I don't think it's as green and leafy as it was against South Africa," he added.Australia remained unbeaten at the Gabba for 33 years until India broke their streak in 2021. Earlier this year, Australia lost a pink-ball Test to the West Indies at the same venue. Interestingly, both defeats occurred in January, during the latter part of the Australian summer.Reflecting on the phenomenon of pre-Christmas Tests at the Gabba, Cummins said: "it's a bit more humid and hotter in January. Joshy Hazlewood always has some theories, saying Januarys are hotter and sweatier. Honestly, I can't remember much."Australia confirmed one change in their XI for the Gabba Test, bringing back fit-again Josh Hazlewood in place of Scott Boland.

Thand Bahut Hai

Shehnaaz Gill Welcomes Winter With Her Desi Bonfire

Actress and singer Shehnaaz Gill is one of the celebrated figures in the entertainment industry. The talented star, known for her infectious energy and irresistible charm, has been winning hearts since her debut. Besides stupefying fans with her acting chops and impeccable style, the actress has been an ardent social media user who keeps sharing updates with her Insta family.

Having said that, the Bigg Boss fame recently posted a picture on her social media, showing how she is embracing the winter season in style. On Wednesday, Shehnaaz took to her Instagram stories, giving fans a glimpse of her cosy nights, spending quality time around a warm bonfire. In the snippet, Shehnaaz was cosying up near a bonfire while sitting near a group of people.

For the bonfire night, the actress picked up comfy casuals. She was dressed in a cosy puffer jacket paired with a floral palazzo pant. To beat the winter chills, Shehnaaz covered her ears and mouth with a purple scarf and mask. She captioned the picture, “Thand Bahut Hai.”

Meanwhile, Shehnaaz Gill paid tribute to Sidharth Shukla on his birth anniversary today. On a completely black background, she penned a simple yet heartfelt post on her Instagram story, saying, “12:12.”

Sidharth Shukla and Shehnaaz Gill met on the controversial reality show Bigg Boss 13. Their friendship bloomed inside the confines of the house, and since then they remained one of the most talked-about aspects of the show. Their chemistry and playful banter won the hearts of fans worldwide. Even after the show ended, they were often spotted together at events and parties. The actor’s sudden death in September 2021 left Shehnaaz and his fans devastated.

Speaking about Shehnaaz Gill’s professional front, the actress was last seen in an item song, Sajna Ve Sajna, in the Rajkumar Rao starrer Vicky Vidya Ka Woh Wala Video. In the peppy track, she performed sizzling dance moves dressed in a drop-dead gorgeous, bold blue outfit. Before this, she starred in Thank You For Coming, alongside Bhumi Pednekar, Karan Kundrra, Anil Kapoor, Kusha Kapila, and Dolly Singh.

Now, she has announced her next project, tentatively titled Production No. 1, helmed by Amarjit Singh Saron. The actress also has Sab First Class in her lineup, opposite Varun Sharma.

Kriti Sanon

Spotted At Anand L Rai’s Office, Fans Can’t Wait For The Announcement

> Tere Ishk Mein was announced in June last year with a fiery promotional video that featured Dhanush with long hair and a heavy beard look.

Kriti Sanon, who was last seen in the thriller film Do Patti, has still not announced her next project yet. But reports suggest that she will be next paired opposite south actor Dhanush in director Anand L Rai’s upcoming romantic drama Tere Ishk Mein. As fans await an official confirmation from the maker, on Wednesday, the National Film Award-winning actress was snapped with Anand L Rai at his office. Several pictures and videos of the actor-director duo went viral.

n one such video, shared by popular paparazzo Manav Manglani, the Mimi actress could be seen leaving the director’s office. As she made her way out of the building, she exchanged a warm hug with the Zero director. She was also seen interacting with the team members. Joining the two was casting director Mukesh Chhabra.

Kriti kept it extremely casual as she opted for a blue sweatshirt paired with matching pants. She kept her mid-parted hair open in waves and let them cascade down to her shoulder. Previously, Pinkvilla reported that Kriti will be the female lead opposite Dhanush in Anand L Rai’s Tere Ishk Mein. The film is going to be an AR Rahman musical. However, an official release date of the film is yet to be revealed.Tere Ishk Mein was announced in June last year with a fiery promotional video that featured Dhanush with long hair and a heavy beard look. Earlier actress Triptii Dimri’s name also erupted to play the female lead in the film. Tere Ishk Mein marks Anand L Rai’s third collaboration with Dhanush after the success of Raanjhanaa and Atrangi Re.Talking about Kriti, 2023 has been quite a blessing for the actress as she received audience appreciation for her performances in all her three films released this year including Teri Baaton Mein Aisa Uljha Jiya in which she played a robot, followed by Crew which featured the actress playing a cabin crew and lastly, Do Patti in which she played a double role of twin sisters for the first time. Do Patti also marked Kriti’s debut as a producer.

Akshay Kumar Injures Eye While Performing Stunt On Housefull 5 Sets: Report

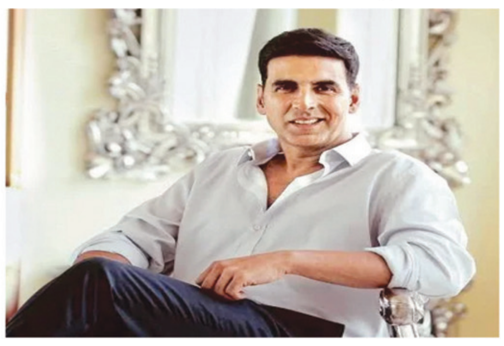

Akshay Kumar reportedly injured his eye while performing a stunt on the sets of Housefull 5. The film, which is in its final stages of shooting, has only a few scenes left to wrap up.

According to HT City, the incident occurred during a stunt when an object accidentally struck Akshay’s eye. A source revealed, “An ophthalmologist was called on the set immediately, who bandaged the eye and asked him to take some rest, while the shoot resumed with the other actors. However, even with the injury, Akshay is determined to join the shoot back soon because the film is in final stages of shoot, and he doesn’t want it to get delayed.”

The upcoming comedy marks the reunion of Akshay Kumar and Riteish Deshmukh, along with the return of Abhishek Bachchan, Shreyas Talpade, Chunky Panday, Jacqueline Fernandez, and Nargis Fakhri. The new additions to the ensemble include Fardeen Khan, Dino Morea, Johnny Lever, Sanjay Dutt, Nana Patekar, Sonam Bajwa, Chitrangda Singh, Soundarya Sharma, and veteran actor Jackie Shroff.

The film’s production began earlier this year with an extensive 40-day schedule aboard a cruise ship. The ship sailed across picturesque locations, including Newcastle, Spain, Normandy, Honfleur, and Plymouth. Directed by Tarun Mansukhani, Housefull 5 is slated to release in theaters on June 6, 2025.

Apart from Housefull 5, Akshay has an exciting lineup of films in the pipeline. He will be seen reprising his iconic roles in Hera Pheri 3, Welcome To The Jungle, and Jolly LLB 3, promising a packed schedule of blockbuster releases in the coming years.

Besides this, there’s a lot of excitement among fans about Akshay Kumar’s upcoming horror-comedy film Bhooth Bangla, which reunites the actor with Priyadarshan after 14 years! The first captivating poster of the movie piqued fans’ curiosity about the film. Now, taking the comedy and thrilling quotient a notch higher, the makers unveiled yet another intriguing poster of Bhooth Bangla earlier this week. Akshay Kumar announced that he has begun shooting for the film, while also revealing its release date- 2nd April, 2026!

Shraddha Kapoor’s LOL Post Features “Thoda Drama” And A “Sad Song”

Shraddha Kapoor is at it again. Yes, you guessed it right – she has shared another hilarious post that is sure to make her fans smile. Her latest Instagram Stories features a street vendor preparing sweet potato chaat – a favourite for all desi food lovers. But here is the fun twist: in the background, the iconic track Mera Piya Ghar Aaya by Nusrat Fateh Ali Khan, gives the video a dramatic, yet playful vibe.

Shraddha, being her usual witty self, added the caption: “Kuch nai vro…Sad songs sunne ka man kar raha tha, thoda drama kar diya." Too funny Shraddha, too funny.

Meanwhile, Shraddha Kapoor recently attended the Red Sea International Film Festival in Jeddah, Saudi Arabia. On the red carpet of the prestigious event, she posed alongside Spider-Man actor Andrew Garfield. Pictures and videos featuring Shraddha and Andrew quickly went viral on the internet.

Later, the Hollywood actor spoke about his “lovely" meeting with Shraddha. “We had a lovely, very brief meeting at the red carpet. She seems very, very lovely and kind and gentle," Andrew said in a conversation with Pinkvilla.

Shraddha Kapoor’s last film Stree 2 made all the right noises at the box office. In the movie, Varun Dhawan made a cameo appearance as Bhaskar, a role he played in Bhediya.

Interestingly, both the Bhediya and Stree series fall under Maddock Films’ horror-comedy universe. Recently, in an interview with Pinkvilla, Shraddha was asked if she would be a part of Varun Dhawan’s Bhediya 2. To this, Shraddha replied, “Only time will tell if any more cameos of mine come up in any of the other Maddock films. I don’t know yet."Talking about her upcoming projects, Shraddha Kapoor added, “Very soon, I will share the films that I will be doing, which I will be shooting for next year."